



ई-रिवशा को रोक देने वाली ऐप्स स्टोर से हटाई गई

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई-रिवशा को दूर से रोक देने वाली ऐप्स को ऐप स्टोर से हटा दिया है। साथ ही ऐप स्टोर को इस संबंध में सावधानी बरतने को भी कहा गया है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने बीएटी-बीएमएस, लोसिमी और इपोच-आई-इओन ऐप्स को हटाने का आदेश दिया है, जिनका कथित तौर पर बैटरी से चलने वाले वाहनों को दूर से नियंत्रित करने के लिए दुरुपयोग किया जा रहा था। सूत्रों के अनुसार दुरुपयोग किए जा रहे ऐसे अन्य ऐप्स को भी ब्लॉक कर दिया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय में सचिव एस कृष्णन ने एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि कल हमारे संज्ञान में ई-रिवशा को रोकने वाली कुछ ऐप्स संज्ञान में आई थीं। इन्हें ऐप स्टोर से हटा लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में ऐप स्टोर को सावधानी बरतनी चाहिए। हम इस मुद्दे को विस्तार से उनके सम्मक्ष उठाएंगे ताकि भविष्य में ऐसे नुकसानदायक ऐप स्टोर पर उपलब्ध न हो।



ध्रुव राठी के विवादित यूट्यूब वीडियो पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

जीएसी को 15 दिन में फैसला लेने का आदेश

नई दिल्ली। यूट्यूबर ध्रुव राठी के एक विवादित यूट्यूब वीडियो को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने अहम निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने केंद्र सरकार की ग्रीवांस अपीलवी समिति (जीएसी) को वीडियो हटाने से जुड़ी अपील पर 15 दिनों के भीतर फैसला लेने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि उसके आदेश की अवहेलना को गंभीरता से लिया जाएगा। मामला उस वीडियो से जुड़ा है, जिसमें आरोप है कि ध्रुव राठी ने कथित तौर पर कहा था कि भगवान राम, माता सीता और भगवान कृष्ण मांस और शराब का सेवन करते थे। इसी वीडियो को हटाने की मांग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एसजी) चेतन शर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने अदालत से कहा कि मध्यस्थ (इंटरमीडियरी) प्लेटफॉर्म यूट्यूब को उचित सावधानी बरतनी चाहिए थी और इस तरह के कंटेंट को पहले ही हटा देना चाहिए था। उनका कहना था कि ध्रुव राठी द्वारा अपलोड किया गया यह कंटेंट नुकसानदायक है और समाज में फूट डलाने वाला है। एसजी ने अदालत में कहा कि या तो गूगल यह बताए कि वह अभी वीडियो हटाने के लिए तैयार है, या फिर अदालत डिवाजन बेंच की टिप्पणियों के आधार पर फैसला सुना सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा कंटेंट प्रसारित नहीं होना चाहिए, जो समाज में विभाजन पैदा करे और बहुसंख्यक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करे।



भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 6-7 जुलाई को दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे पर आर्येंगे

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 6 और 7 जुलाई को अपने पहले दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे पर आर्येंगे। वह पार्टी नेताओं, विधायकों और अन्य पदाधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर गहन चर्चा करेंगे।



पार्टी सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष 6 जुलाई को यहां पहुंचेंगे और भारतीय जनसंघ (बीजेएस) के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर एक जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि नवीन पार्टी नेताओं और वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारियों के साथ मौजूदा राजनीतिक स्थिति और पार्टी के कामकाज पर विस्तृत चर्चा करेंगे। जम्मू-कश्मीर में मांटी सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की भी कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा की जाएगी। हालांकि, पार्टी सूत्रों ने यह भी बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उधमपुर का भी दौरा करेंगे।

बंगाल की विरासत को समृद्ध बनाने और विकसित भारत के निर्माण में निभाएं भूमिका : ओम बिरला

‘कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के इस दौर में जनप्रतिनिधियों को स्वयं को लगातार अद्यतन रखना होगा’

एजेंसी कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायकों के लिए शुक्रवार से शुरू हुए दो दिवसीय ओरियंटेशन (प्रबोधन) कार्यक्रम का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने, संसदीय मर्यादा का पालन करने और जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।



उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए ओम बिरला ने कहा कि पश्चिम बंगाल की महान विभूतियों ने अत्यात्म, धर्म और संस्कृति के साथ-साथ समाज सुधार तथा देश की आजादी के आंदोलन में

ऐतिहासिक योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि ‘वंदे मातर’ के उद्घोष के माध्यम से बंगाल ने भारतीय

होता है। इसलिए सभी जनप्रतिनिधियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ

गहराई से समझें। नए विधायकों में सीखने और समझने की निरंतर ललक तथा नवाचार की भावना होनी चाहिए। ओम बिरला ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के इस दौर में जनप्रतिनिधियों को स्वयं को लगातार अद्यतन रखना होगा। उन्होंने विधायकों से अधिकतम समय तक सदन की कार्यवाही में उपस्थित रहने और अन्य सदस्यों के विचारों एवं वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक सुनने का आग्रह किया, ताकि संसदीय विमर्श की गुणवत्ता और लोकतांत्रिक संवाद को और मजबूत बनाया जा सके।

● पश्चिम बंगाल की समृद्ध विरासत, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गौरवशाली परंपरा को फिर से समृद्ध बनाने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना होगा।

स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान की। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक विधायक केवल अपने विधानसभा क्षेत्र का ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य की सामूहिक आकांक्षाओं और उम्मीदों का प्रतिनिधि

करना चाहिए। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों को सलाह दी कि वे वरिष्ठ और अनुभवी सदस्यों के अनुभवों से सीखें, विधानसभा की पुरानी कार्यवाहियों का अध्ययन करें तथा संसदीय परंपराओं और प्रक्रियाओं को

खेड़ा पुलिस का दोहरा खेल

एक तरफ जन-जागरूकता का दौंग

दूसरी तरफ भ्रष्ट अधिकारियों के संरक्षण में ठगी का काला कारोबार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

खेड़ा। ‘जहाँ लोभी होते हैं, वहाँ ठग कभी भूखे नहीं मरते’ - यह कहावत तीर्थधाम और पवित्र भूमि माने जाने वाले खेड़ा जिले में अक्षरों में सच साबित हो रही है। लेकिन इस खेल में सबसे बड़ा ट्विस्ट यह है कि ठगों को बढ़ावा देने वाला कोई और नहीं, बल्कि खुद कानून के रखवाले हैं। चकलासी पुलिस स्टेशन की सीमा में आने वाले कुख्यात ‘चलाली वगड़ा ठगी का दौंग’ में सालों से चल रहे ठगी के धंधे के खिलाफ आखिरकार खेड़ा जिला पुलिस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। लेकिन जनता का सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस तंत्र की नाक के नीचे यह पूरा सिंडिकेट फल-फूल रहा था, उन भ्रष्ट अधिकारियों पर गाज कब गिरेगी?

60-40 से लेकर फिक्स कमीशन: भ्रष्ट ‘खाकी’ मालामाल!

विश्वसनीय सूत्रों से मिली बेहद चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, जिला पुलिस के शांतिर बिचौलियों (वहोबदार) और भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों की सीधी हिस्सेदारी में ठगी का यह काला साम्राज्य फल-फूल रहा है।



काली कमाई का बंटवारा: इस गंदे खेल में पहले 60-40 की पार्टनरशिप चलती थी, यानी ठग का हिस्सा 60% और भ्रष्ट पुलिस का 40%। अब सूत्रों के मुताबिक एक नया नियम लागू हुआ है- हर 1 लाख की लूट पर 25 हजार रुपये सीधे पुलिस की जेब में! सेटलमेंट का अड्डा बने थाने: जब भी कोई पीड़ित नागरिक थाने आकर हंगामा करता है, तो पुलिस कानूनी मामला दर्ज करने के बजाय ‘सेटलमेंट’ (समझौता) कराने में जुट जाती है। पीड़ित को थोड़ी-बहुत रकम वापस दिलाकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है, ताकि ऑन-रिकॉर्ड क्राइम रेट कम दिखे

और भ्रष्टाचार की तिजोरी भरती रहे।

‘करप्शन ब्रांच’ के असली आका कौन? CID क्राइम की जांच से खुलेंगे कई राज!

खेड़ा जिला पुलिस सोशल मीडिया पर ज्ञान बांट रही है कि ‘घटना होने के बाद घबराएं नहीं, तुरंत शिकायत दर्ज कराएं!’ लेकिन सबसे बड़ा और तीखा सवाल यह है कि जब खुद पुलिस ही ठगों के साथ मिली हुई हो, तो पीड़ित शिकायत दर्ज कराने किसके पास जाए? स्थानीय गलियारों में हो रही चर्चाओं के अनुसार, खेड़ा क्राइम ब्रांच को ‘करप्शन ब्रांच’ बनाने में कथित रूप से लिस पुलिस इस्पेक्टर के.आर. वेकरिया, एम.जे. बारोट, डिफॉल्टर जयेश रवारी और चकलासी के शांतिर बिचौलिया कुलदीप सिंह के संरक्षण में अब तक कई बड़ी ‘पाटियां’ काटी (लूटी) जा चुकी हैं। हाल ही में एक थाना क्षेत्र के तहत एक व्यक्ति को 5 लाख रुपये में ठगे जाने की खबर है, जहाँ पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बजाय बीच-बचाव कर ठग और अपनी, दोनों की इज्जत बचा ली!

सवाल- गिनका जवाब खेड़ा पुलिस को देना ही होगा:

1. अब तक चलाली वगड़ा के ठगों के खिलाफ कितनी वास्तविक FIR दर्ज की गई?
2. पीआई वेकरिया या कुलदीप सिंह जैसे कथित भ्रष्टों के पाप छिपाने के लिए अपराधों को रिकॉर्ड पर क्यों नहीं लिया जाता? क्या यह सीधे तौर पर ठगों को बढ़ावा देना नहीं है?
3. सोने और डॉलर आधी कीमत पर देने का लालच देकर लोगों को कगाल करने वाले ठग खुलेआम क्यों घूम रहे हैं?

राज्य के DGP से मांग: तत्काल तबादला कर बैठाई जाए उच्च स्तरीय जांच!

अब पानी सिर से ऊपर जा चुका है। खेड़ा एलसीबी के दोनों विवादित पुलिस इस्पेक्टर के.आर. वेकरिया, एम.जे. बारोट और डिफॉल्टर जयेश रवारी के खिलाफ सीआईडी क्राइम द्वारा एक गहरी और निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग जनता के बीच बुलंद हो रही है। इस भ्रष्ट नेक्सस को तोड़ने के लिए इन सभी अधिकारियों का जनहित में तुरंत तबादला किया जाना बेहद जरूरी है, तभी खेड़ा जिले की जनता को न्याय मिलेगा और खाकी पर से उठ चुका भरोसा दोबारा कायम हो सकेगा।

भाजपा ने राम मंदिर लूटा, 5 जुलाई को दादर में ‘राम रक्षा’ विरोध प्रदर्शन: उद्धव ठाकरे

‘राजनीतिक दलों को तोड़ने की साजिश रची जा रही है’

एजेंसी मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा लूटने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 5 जुलाई को मुंबई के दादर इलाके में ‘राम रक्षा’ विरोध प्रदर्शन के साथ राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि

भाजपा ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दान किए गए धन को ‘लूटा’ है। इस पर इनको जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि रविवार शाम 5 बजे से दादर कबूतरखाना स्थित हनुमान मंदिर के पास विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उद्धव ठाकरे ने सभी नागरिकों को आमंत्रण देते हुए उनसे भेदभाव से ऊपर उठने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ‘मैं हर उस हिंदू को आमंत्रित करता हूँ जो भगवान राम के घर में हो रही इस चोरी को बर्दाश्त नहीं कर सकता। यह उन सभी के लिए है जिन्होंने हिंदुत्व या बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा का

त्याग नहीं किया है। हम सब राम रक्षा स्तोत्र, हनुमान स्तोत्र और हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए एकत्रित होंगे।’ उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं शीर्ष पार्टी नेताओं और शिवसैनिकों के साथ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे। राम जन्मभूमि आंदोलन के इतिहास को याद करते हुए ठाकरे ने कहा कि भाजपा का वर्तमान राजनीतिक चर्च-व्यव आम हिंदुओं के बलिदानों पर टिका है। देश की पूरी हिंदू आबादी ने उस आंदोलन में भाग लिया जिसने भाजपा को खड़ा किया। हमें कारसेवकों पर हुए अत्याचार, गोधरा हत्याकांड, अहमदाबाद दंगे और

मुंबई में झेली गई विपत्तियां याद हैं। इन सब कष्टों को सहते हुए भी हिंदुओं ने दृढ़ता दिखाई। इसी का लाभ उठते हुए भाजपा जिसके पास आंदोलन से पहले केवल दो सांस थे और जो ‘गांधीवादी समाजवाद’ का अनुसरण करती थी, हिंदुत्व की ओर मुड़ी और राम मंदिर मुद्दे को उठाया। महाराष्ट्र के शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने आगे आरोप लगाया कि मंदिर के दान से निकाली गई धनराशि विपक्षी दलों में फूट डलाने के उद्देश्य से किए गए राजनीतिक अभियानों से जुड़ी हो सकती है। उन्होंने कहा, ‘आज भाजपा शासन में राम मंदिर गलत कारणों से सुखियों में है। राजनीतिक दलों को तोड़ने की साजिश रची जा रही है।’

देश के कई राज्यों में आफत बनी बारिश

उज्जैन में क्षिप्रा में बाढ़, मंदिर डूबे: मुंबई में स्कूलों में छुट्टी

भारी बारिश के बाद हिमाचल में लैंडस्लाइड, गाड़ियां दबीं गुजरात में सड़के डूबीं



एजेंसी नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में रात भारी बारिश हुई। किन्नौर के चोलिंग में बारिश के बाद मलबा नेशनल हाईवे पर आ गया। दो गाड़ियां दब गईं।

राज्य में 49 सड़के बंद हैं। इधर, यूपी में शुक्रवार सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया। गुजरात के वलसाड में सड़के पानी में डूब गईं, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गईं। मध्य प्रदेश में मानसून 9 दिन में ही पूरे प्रदेश में छा गया। धार, बड़वानी, खरगोन और



देवास में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश का अनुमान है। उज्जैन में क्षिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से राम घाट के पास मंदिर डूब गए। वहीं मुंबई में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। राजस्थान के जयपुर में 2 दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग

अगले 2 दिन मौसम का हाल

4 जुलाई: छत्तीसगढ़, तेलंगाना, ओडिशा, केरल, गोवा, तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम में भारी बारिश की संभावना है। बिहार में 50-60kmph की रफ्तार से तेज आधी चल सकती है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, पूर्वी राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में तेज हवा चलेगी। राजस्थान में 30-40kmph की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में हीटवेव जारी रहेगी। 5 जुलाई: आंध्र प्रदेश, झारखंड, ओडिशा में भी तेज बारिश की चेतावनी है। असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होगी। सिक्किम, गोवा, तेलंगाना और कर्नाटक में समुद्र के करीबी इलाकों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

ने शुक्रवार को भी कोटा, बारां और झालावाड़ के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग, चमोली समेत कई जिलों में लैंडस्लाइड से सड़के बंद हो गई हैं। बद्रीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर लगातार पथर गिरे थे। सुरक्षा के चलते केदारनाथ यात्रा रोक दी गई थी।

मानसून 3 दिन देरी से आया, 3 दिन पहले पूरे देश कवर करेगा

मानसून ने 1 जून की जगह 3 दिन लेट 4 जून को भारत में एंट्री ली थी। इस दौरान कई राज्यों में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई थी। बीच-बीच में ‘ब्रेक मानसून’ जैसी स्थिति बनने से यह आशांका जताई जाने लगी थी कि इस बार मानसून पूरे देश को सामान्य समय से देर से कवर करेगा। हालांकि, जुलाई की शुरुआत में बंगाल की खाड़ी में बने मौसम तंत्र और अनुकूल परिस्थितियों के कारण मानसून ने फिर रफ्तार पकड़ ली। मौसम विभाग के अनुसार, 5 जुलाई तक मानसून के पूरे देश को कवर करने की संभावना है, जबकि इसका सामान्य समय 8 जुलाई माना जाता है। यानी शुरुआती सुस्ती के बावजूद मानसून अपनी सामान्य प्रगति के करीब पहुंच गया है। हाल ही में मौसम विभाग ने बताया था कि अगले कुछ दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के शेष हिस्सों में भी मानसून तेजी से आगे बढ़ेगा।

अंबाजी में बारिश के लिए व्यापारियों ने काम-धंधा बंद रखा; 'वन भोजन' का आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। जहां पूरे गुजरात में बारिश हो रही है, वहीं शक्तिपीठ अंबाजी में सालों से यह परंपरा रही है कि अच्छी बारिश तभी होती है जब उजानी होती है, जिसके चलते अंबाजी पंथक में बारिश न होने पर व्यापारियों ने वरुणदेव को खुश करने के लिए शुक्रवार को अपने काम-धंधे बंद रखे। पूरे अंबाजी के बाजार सुनसान दिखे, जहां हर व्यापारी ने अपनी मर्जी से अपनी दुकानें बंद रखीं। अंबाजी मंदिर में अबिकेश्वर महादेव को भी पानी में डुबोया गया और बारिश के लिए प्रार्थना की गई। अंबाजी मंदिर का रेस्टोरेंट खुला रहा ताकि श्रद्धालुओं को खाने की कोई दिक्कत न हो। वरुणदेव को खुश करने के लिए व्यापारियों ने घर से खाना लाकर जंगल में 'वन भोजन' का आयोजन किया था। इसके अलावा, महिलाओं ने भी वरुणदेव को खुश करने के लिए अंबाजी मंदिर में भजन-कीर्तन किए। कई जगहों पर होम-हवन का आयोजन किया गया। अंबाजी मंदिर में अबिकेश्वर महादेव मंदिर के शिवलिंग से लेकर नंदी की मूर्ति तक पानी भर दिया गया। श्रावण में कहा गया है कि अगर बारिश न हो रही हो, तो महादेव को पानी में डुबो दिया जाए तो बारिश जरूर होगी। महादेव से अच्छी बारिश की प्रार्थना करके आरती की गई।



सिर्फ एक बारिश ने करजण प्रशासन के तथाकथित करोड़ों के काम पर पानी फेर दिया है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

करजण। करजण की जमीनी हकीकत दिखा रहा है, जिसे देखकर पूरे शहर में हल्लाक मच गया है। जिस कागज पर नेता और अधिकारी, प्रकैबिन में बैठकर प्री-मॉन्सून की बातें करते थे, आज वो करजण के पानी में डूबा हुआ है तस्वीरें देखिए... ये करजण की सड़कें हैं या नदियां? नाले ओवरफ्लो हो रहे हैं, सड़कों पर गड्ढे हैं और जनता परेशान होकर चिल्ला रही है। सवाल ये है कि ये तो मॉन्सून की शुरूआत है, अभी तो पहली बारिश हुई है, अगर वहां ये हाल है... तो आगे क्या होगा? क्या करजण शहर को पूरे मॉन्सून नरक में रहना पड़ेगा? CN24 न्यूज भी प्रशासन से सीधे सवाल करता है... प्री-मॉन्सून ऑपरेशन के नाम पर दिए गए लाखों-करोड़ों रुपये कहा गए? जनता के टैक्स का पैसा किसके पास गया तो? जनता जवाब मांग रही है, और उन्हें जवाब मिलना ही चाहिए।

वीडियो एडिटिंग और वॉइस ओवर के लिए टिप्स

आवाज का टोन: बहुत अग्रेसिव, सीरियस और सवालिया (हार्ड एनर्जी और सरक्रेस्टिक)।

विजुअल्स: जहां पानी भरा हो, गाड़ियां फंसी हों या लोगों को परेशान किया जा रहा हो, वहां बैकग्राउंड में कर्जन के वीडियो क्लिप चलाएं।

शब्दों पर जोर: 'धजागरा', 'करोदोनी अरोड़ा', 'आंग की हुहता?' जैसे शब्द बोलते समय आवाज थोड़ी तेज और अग्रेसिव रखें।

उभोई का तरसाना चौराहा बना 'डेंजर ज़ोन', दो दिन में तीन एक्सीडेंट के बाद भी प्रशासन बेपरवाह!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उभोई। उभोई-वाघोडिया रोड पर बिजी तरसाना चौराहा अब एक्सीडेंट का अड्डा बन गया है। इस चौराहे पर एक्सीडेंट की संख्या लगातार बढ़ रही है, ऐसे में आज लगातार दूसरे दिन एक बड़ा एक्सीडेंट हुआ। यहां एक टैपो और पिकअप ट्रक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। अच्छी बात ये रही कि इस घटना में दो लोगों को मामूली चोटें आईं और बड़ी दुर्घटना टल गई। लेकिन पिछले दो दिनों में यह तीसरा एक्सीडेंट होने की वजह से स्थानीय लोगों में प्रशासन के खिलाफ काफी गुस्सा है तरसाना चौराहा वडोदरा, वाघोडिया, उभोई और बोडेली से आने वाले भारी और छोटे वाहनों को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता है। इतना बिजी चौराहा होने के बाद भी यहां सुरक्षा के नाम पर 'दिक्कत' है। वाहनों की स्पीड कम करने के लिए कोई स्पीड ब्रेकर नहीं बनाया गया है। रात में चौराहा दिखे, इसके लिए कोई रेंडियम बोर्ड, लाल चमकती पट्टियां या ब्लिंकर नहीं लगाए गए हैं। अंधेरे में तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने वालों को चौराहा नजर ही नहीं आता, जिसकी वजह से आए दिन हादसे होते हैं। स्थानीय लोग सवाल पूछ रहे हैं कि क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना या किसी बेगुनाह की जान जाने का इंतजार कर रहा है? बार-बार बताने के बाद भी रोड एंड हाउसिंग डिपार्टमेंट कोई एक्शन क्यों नहीं ले रहा है? अब समय आ गया है कि स्थानीय प्रशासन जागे और कागजों पर बातें करने के बजाय जमीनी स्तर पर एक्शन प्लान बनाए। तरसाना चौराहे पर तुरंत एक सर्किल बनाया जाए, लाइटें और रेंडियम पट्टियां लगाई जाएं ताकि गाड़ी चलाने वालों की जान बच सके। अगर प्रशासन अब भी चुप रहा, तो स्थानीय लोगों ने आने वाले दिनों में जोरदार आंदोलन करने की धमकी दी है।



उज्जैन से शुरू हुआ सिरी विवाद पूरे देश में गरमा गया है, iPhone बैन करने की जोरदार मांग उठ रही है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। टेकनोलाजी की दुनिया और धार्मिक आस्था के बीच एक नया विवाद खड़ा हो गया है, जिसकी गूंज अब सोशल मीडिया से लेकर देश के कोने-कोने तक सुनाई दे रही है। यह विवाद धार्मिक नगरी उज्जैन से शुरू हुआ है, जहां एक जाने-माने ज्योतिषी ने iPhone के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम सिरी (SiRi) पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ज्योतिषी के एक दावे ने सोशल मीडिया पर इतनी आग लगा दी है कि अब देश में iPhone बैन करने की मांग उठ रही है। घटना की डिटेल्स यह हैं कि उज्जैन के ज्योतिषी ने सबके सामने दावा किया है कि Apple के iPhone में वॉइस असिस्टेंट सिरी (SiRi) कुछ धार्मिक और सेंसिटिव शब्दों पर जवाब नहीं देता या सिलेंस कर उठे इनोरे करता है। ज्योतिषी के मुताबिक, यह सिर्फ एक टेक्निकल गड़बड़ी नहीं है बल्कि यह डिजिटल प्लेटफॉर्म की भारतीय संस्कृति और आस्था के प्रति बेपरवाही को दिखाता है। जैसे ही यह दावा सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, लोगों की भावनाएं आहत हुईं और कुछ ही समय में यह मुद्दा पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया। यह विवाद इतना बढ़ गया है कि इंटरनेट पर iPhone बॉयकोट ट्रेंड करने लगा है। इस मुद्दे पर राष्ट्रवादी संगठन और टेक यूजर्स भी दो युग में बंट गए हैं। एक पार्टी इसे देश की आस्था का उल्लंघन बताते हुए भारत में iPhone और Apple प्रोडक्ट्स पर पूरी तरह बैन लगाने की मांग कर रही है। दूसरी ओर, टेक्निकल एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह सिर्फ Siri के लैंग्वेज मॉडल और AI डेटाबेस अपडेट में कोई गड़बड़ी हो सकती है, जिसे बैन से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। हालांकि, चूंकि Apple जैसी ग्लोबल टेक जायंट के लिए भारत एक बहुत बड़ा मार्केट है, इसलिए इस तरह का विवाद कंपनी की मुश्किलें बढ़ा सकता है। अभी तक इस मामले पर Apple India की तरफ से कोई ऑफिशियल सफाई या बयान नहीं दिया गया है।

महानगर मेट्रो एक्सवल्सिव
करजण के फतेपुर में रेत माफियाओं का साम्राज्य, करोड़ों का घोटाला और सत्ताधीशों की मौन सहमति!

बड़ा खुलासा:

करजण में 'सरपंच पति' का राज, डकार गए करोड़ों की रॉयल्टी

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजण। गुजरात सरकार एक तरफ भ्रष्टाचार मुक्त शासन के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ करजण तालुका के फतेपुर ग्राम पंचायत में करोड़ों रुपये के रेत खनन घोटाले की गूंज अब गांधीनगर तक पहुंच चुकी है। सूत्रों से मिली चौकाने वाली जानकारी के मुताबिक, फतेपुर ग्राम पंचायत में लोकतंत्र की ध्वजियां उड़कर पंचायत का पूरा कामकाज कानूनी रूप से चुने हुए जनप्रतिनिधियों के बजाय उनके पतिदेव संभाल रहे हैं और सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगा रहे हैं।

पत्नी सरपंच, पति सर्वेसर्वा: 2017 से चल रहा है बकूल पटेल का एकछत्र राज

फतेपुर ग्राम पंचायत में वर्तमान में हर्षबेन बकूल पटेल सरपंच पद पर नियुक्त हैं, लेकिन गांव का असली कामकाज उनके पति बकूल पटेल नामक शाख्स द्वारा चलाया जा रहा है। यह कोई नया मामला नहीं है। इससे पहले जब बकूल पटेल के भाई जयेश भोगीलाल पटेल की पत्नी नीमाबेन पटेल उपसरपंच थीं, तब भी सत्ता की असली चाबी बकूल पटेल के हाथों में ही थी। वर्ष 2017 से ग्राम पंचायत के कामकाज में खुलेआम दखलअंदाजी करके, डरा-धमकाकर फर्जी प्रस्ताव तैयार करने के गंभीर आरोप लगे हैं। इन्होंने फर्जी प्रस्तावों के दम पर अवैध रूप से रेत खनन माफियाओं को लीज दिला दी गई और करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार किया गया। इतना ही नहीं, वर्ष 2021 से गांवों के चरने की गोचर भूमि में भी रेत खनन माफियाओं को रास्ता देने के नाम पर झूठे प्रस्ताव पास के प्राकृतिक संपदा की सरेआम लूट मचाई गई है। गांव

अक्षय पटेल
विधायक करजण

विधायक अक्षय पटेल पर गंभीर सवाल: रक्षक ही बना भक्षक?

इस पूरे सिंडिकेट के पीछे करजण विधानसभा के विधायक अक्षय पटेल का हाथ होने के गंभीर आरोप सूत्रों द्वारा लगाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का साफ कहना है कि बकूल पटेल के गाँडफादर खुद विधायक अक्षय पटेल हैं। इस गंभीर मामले को लेकर विधायक के सामने कई बार गुहार लगाई गई, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे यह अदोषा सच साबित होता दिख रहा है कि वे खुद भी खनन माफियाओं के साथ सीधे जुड़े हुए हैं। चुनाव के समय बाहरी उम्मीदवार के रूप में आए अक्षय पटेल भाजपा में शामिल तो हो गए, लेकिन भाजपा पार्टी या करजण की जनता को इससे

बकूल पटेल
ग्राम पंचायत फतेपुर सरपंच का पति

कोई फायदा नहीं हुआ। फायदा हुआ तो सिर्फ अक्षय पटेल को, जिनकी संपत्ति में रातों-रात करोड़ों रुपये का इजाफा हो गया। जो विधायक खुद ही भ्रष्टाचारियों और खनन माफियाओं का संरक्षक बना बैठा हो, वह करजण विधानसभा का क्या विकास करेगा? यह तीखा सवाल अब क्षेत्र की जनता पूछ रही है। 'महानगर मेट्रो' न्यूज पंचायत से लेकर सचिवालय तक बैठे तमाम जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं से पूछता है कि, इस करोड़ों के रेत घोटाले के आकाओं पर कानून का डंडा कब चलेगा? क्या जनता के टैक्स का पैसा और देश की प्राकृतिक संपदा यूं ही भ्रष्ट नेताओं और बिचौलियों की जेबें भरने में लुटती रहेगी?

प्रशासन की घोर लापरवाही: तहसीलदार से लेकर मुख्यमंत्री तक गुहार, नतीजा सिफार

वर्ष 2013 से करजण तालुका में बेखोफ होकर रेत और मिट्टी का अवैध खनन जारी है। वडोदरा खान एवं खनिज विभाग को इस संबंध में कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें दी गईं, लेकिन अधिकारी आंखें मूंदकर बैठे हैं। करजण के तहसीलदार और एस्डीएम शिवम बारिया को भी स्थानीय लोगों द्वारा उग्र रूप से शिकायत दर्ज कराई गई थी, इसके बावजूद प्रशासन कुंभकर्णी नौद से जागने का नाम नहीं ले रहा है। गांधीनगर खान एवं खनिज विभाग और राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तक शिकायतें पहुंचने के बाद भी खनन माफियाओं पर कानून का कोई डर नहीं दिख रहा है। रात के अंधेरे में नर्मदा नदी के सीने पर प्रतिबंधित बाज मशरोंने उतारकर सरेआम प्राकृतिक संपदा की चोरी की जा रही है।

झालोद में बैंकिंग सर्विस में देरी से अकाउंट

सोशल एक्टिविस्ट नीलम वसैया ने ब्रांच मैनेजर को लिखकर शिकायत की है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। बैंक ऑफ बड़ौदा की झालोद ब्रांच में पिछले कई सालों से KYC अपडेट, मोबाइल नंबर रजिस्ट्रेशन, आधार लिंकिंग समेत जरूरी बैंकिंग सर्विस में हो रही देरी से अकाउंट होल्डर में काफी गुस्सा है। कई कस्टमर अपने काम के लिए बार-बार बैंक आ रहे हैं, लेकिन काम समय पर पूरा नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, कई कस्टमर पिछले चार-पांच दिनों से लगातार बैंक आ-जा रहे हैं, फिर भी उनका काम पूरा नहीं हो रहा है। बैंक की तरफ से साफ ग्राहकों या कोई तय टाइम लिमिट न दिए जाने से कस्टमर में नाराजगी का



माहौल बन गया है। खासकर जालोद तालुका के आदिवासी इलाकों के किसान, मजदूर, महिलाएं, बुजुर्ग और स्टूडेंट सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। गांवों से लोग अपनी रोज की

मेहनत और काम छोड़कर बैंक पहुंचते हैं, लेकिन गाड़ी का किराया, समय और कमाई का नुकसान होने के बाद भी लोग काम न कर पाने की वजह से आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हैं। चूंकि जालोद इलाका 90 परसेंट से ज्यादा आदिवासी आबादी वाला इलाका है, इसलिए यहां के लोगों के लिए बैंकिंग सर्विस एक जरूरत बन गई है। हालांकि खेती, मजदूरी और छोटे बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए समय पर बैंकिंग काम बहुत जरूरी है, लेकिन मौजूदा हालात चिंताजनक हो गए हैं। इस पूरे मामले में एक जागरूक नागरिक और सोशल एक्टिविस्ट नीलम एम. वसैया ने बैंक ऑफ बड़ौदा, जालोद ब्रांच के मैनेजर को लिखकर तुरंत

कार्रवाई की मांग की है। इस मांग में चड्डू और मोबाइल नंबर अपडेट के प्रोसेस में तेजी लाने, एक्सट्रा स्टाफ रखने, भीड़ को कंट्रोल करने के लिए अलग काउंटर बनाने और पेंडिंग एप्लीकेंट्स का काम प्रायोरिटी पर पूरा करने की मांग की गई है। 'जालोद जैसे आदिवासी इलाकों में लोग अपनी रोज की मेहनत और खेती छोड़कर बैंक आते हैं। लेकिन, उनका काम समय पर पूरा न होने की वजह से उन्हें पैसा का नुकसान और मानसिक तनाव झेलना पड़ रहा है। बैंकिंग सिस्टम को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और तुरंत सिस्टम में सुधार करना चाहिए ताकि आम जनता को बेवजह परेशानी न हो।

GSRTC वोल्वो बसों के नाम पर बड़ा स्कैम? सरकारी लोगो, प्राइवेट एडमिनिस्ट्रेशन और जनता की लूट के सनसनीखेज आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन जिसे आम जनता की लाइफलाइन माना जाता है, के एक पैसेंजर ने स्कॉर्पोरेशन की वोल्वो और ए.ए.ए. बसों के मैनेजमेंट पर बहुत गंभीर सवाल उठाए हैं। एक जागरूक नागरिक ने सरकारी लोगों के पीछे चल रहे प्राइवेट खेल और जनता के टैक्स के पैसे की बर्बादी को लेकर अपना कड़वा अनुभव सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जो अब चर्चा का विषय बन गया है। एक पैसेंजर दो दिन पहले GSRTC की AC डीलक्स वोल्वो बस में

धनरा से पालनपुर के लिए चढ़ा था। 118 रुपये किराया देने के बाद जब उसने कंडक्टर से रेगुलर अप-डाउन करने वाले पैसेंजर के लिए पास की सुविधा के बारे में पूछा, तो चौकाने वाली बातें सामने आईं। कंडक्टर ने कहा कि इन बसों में कोई पास की सुविधा नहीं है।

प्रति किलोमीटर पेंमेंट: प्राइवेट सेक्टर को फायदा, कॉर्पोरेशन को नुकसान? पैसेंजर के आरोप के मुताबिक, ये बसें भले ही GSRTC के नाम पर चलती हैं, लेकिन इनका असली मैनेजमेंट प्राइवेट ऑपरेटर करते हैं। इसलिए कंडक्टर की सैलरी

कॉर्पोरेशन (यानी सरकार) को देनी पड़ती है। सवाल यह उठता है कि अगर बस खाली भी चलती है, तो भी प्राइवेट मालिकों को काफी पैसा मिलता है, तो यह नुकसान किसका है? सीधे कॉर्पोरेशन का और इनडायरेक्टली जनता का अब जांच का विषय यह है कि जन प्राइवेट कंपनियों और बसों ने GSRTC के साथ ऐसे एग्रीमेंट किए हैं, उनके मालिक कौन हैं? आखिर में यात्री ने बड़े गुस्से में कहा कि आम जनता को इमोशनल मूडों और धर्म के नाम पर उलझाकर बैकस सुविधाओं में भारी फाइनेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन किया जा रहा है। जब तक जनता जागरूक नहीं



होगी और ऐसे सरकारी और प्राइवेट गठजोड़ के खिलाफ सवाल नहीं पूछेंगे, तब तक इस तरह की फाइनेंशियल लूट जारी रहेगी। सच में जनता के फायदे के लिए है या नेताओं-ठेकेदारों की जेब भरने के लिए? यह अब एक बड़ा सवाल है।

मयूरपंख विवाद पर जैन समाज को गंभीर चिंतन की आवश्यकता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। मोरपंख (मयूरपिच्छी) को लेकर समय-समय पर उठने वाले विवाद अब केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं रहे हैं। हाल ही में कुछ सार्वजनिक मंचों पर यह आरोप लगाया गया कि जैन मुनियों द्वारा प्रयुक्त मयूरपिच्छी के लिए बड़ी संख्या में मीरों की हत्या की जाती है। ऐसे आरोपों ने जैन समाज की भावनाओं को आहत किया है, किंतु इसके साथ ही इस विषय पर आत्ममंथन का एक अवसर भी उपस्थित किया है। जैन धर्म का मूल आधार अहिंसा है। जिस संधे ने सूक्ष्मतरंग जैव की रक्षा का संदेश दिया, वह किसी पक्षी की हत्या का समर्थन कर ही नहीं सकता। दिग्बंजर जैन परंपरा में मयूरपिच्छी का उपयोग जीवों को बिना हिंसा हटाने के लिए किया जाता है। है कि किसी प्रदर्शन या वैभव के लिए। परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि मयूरपिच्छी केवल स्वाभाविक रूप से झड़े हुए



डॉ. अरविंद बंसल

पंखों से तैयार की जाती है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या आज भी हर स्थान पर यही आदर्श स्थिति है? यदि कहीं भी इस पवित्र परंपरा के नाम पर अवैध व्यापार, शिकार या हिंसा का कोई तत्व जुड़ गया है तो उसे न केवल कानून के आधार पर, बल्कि जैन धर्म के सिद्धांतों के आधार पर भी कटोरा से अस्वीकार किया जाना चाहिए। आज आवश्यकता केवल आरोपों का खंडन करने की नहीं, बल्कि समाज के सामने तथ्य रखने की है। यदि हमारे पास प्रमाण

हैं कि मयूरपंख प्राकृतिक रूप से झड़े हुए ही लिए जाते हैं, तो उनका वैज्ञानिक और विधिक आधार पर प्रचार होना चाहिए। साथ ही यदि कहीं कोई अनियमितता है तो उसे छिपाने के बजाय समाप्त करने का साहस भी समाज को दिखाना चाहिए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत में मोर राष्ट्रीय पक्षी है और उसके संरक्षण के लिए कटोरे कानूनी प्रावधान हैं। इसलिए जैन समाज को वन विभाग, वन्यजीव विशेषज्ञों तथा पर्यावरणविदों के साथ संवाद स्थापित कर ऐसी पारदर्शी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए जिससे किसी प्रकार का भ्रम या विवाद उत्पन्न ही न हो। आज सोशल मीडिया के युग में आधी-अधूरी जानकारी कुछ ही घंटों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाती है। ऐसे समय में भावनात्मक प्रतिक्रियाओं की अपेक्षा तथ्यपरक उतर अधिक प्रभावित होते हैं। यदि कोई व्यक्ति या संस्था असत्य आरोप लगाती है, तो उसका विधिक और तार्किक उतर दिया जाना चाहिए; परंतु

साथ ही हमें अपनी परंपराओं की शुचिता और पारदर्शिता भी सुनिश्चित करनी होगी। यह विवाद केवल मयूरपंख का नहीं, बल्कि जैन धर्म की विश्वसनीयता और अहिंसा की वैश्विक छवि का भी है। इसलिए जैन समाज के सभी आचार्यों, मुनि-संघों, विद्वानों, सामाजिक संस्थाओं तथा वन्यजीव विशेषज्ञों को मिलकर एक स्पष्ट आचार-संहिता तैयार करनी चाहिए कि मयूरपिच्छी की प्राप्ति, निर्माण और उपयोग पूर्णतः अहिंसक एवं वैधानिक हो। अंततः, जैन समाज का उतर केवल विरोध नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसा आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए जो संसार को यह विश्वास दिलाए कि अहिंसा केवल जैन धर्म का उपदेश नहीं, बल्कि उसका जीवन-दर्शन है। यदि हम इस अवसर को आत्मचिंतन, पारदर्शिता और सुधार का माध्यम बना लें, तो यह विवाद भविष्य में जैन समाज की नैतिक शक्ति को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

खेड़ा LCB को बड़ी कामयाबी

शराबबंदी मामले में फरार आरोपी

विजय उर्फ लालो परमार पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। गुजरात में शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराने के लिए पुलिस जहां एक्शन मोड में है, वहीं खेड़ा LCB (लोकल क्राइम ब्रांच) और क्राइम ब्रांच ने जॉइंट ऑपरेशन चलाकर बड़ी कामयाबी हासिल की है। शराबबंदी (शराबबंदी) के जुर्म में लंबे समय से फरार चल रहा वडताल का कुख्यात आरोपी विजय उर्फ लालो परमार आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ ही गया।

वह लंबे समय से ठिकाना बनाकर घूम रहा था।

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी विजय उर्फ लालो परमार (निवासी वडताल) के खिलाफ शराबबंदी एक्ट के तहत जुर्म दर्ज था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार अपने रिश्तेदारों और अलग-अलग जगहों पर पनाह लेकर पुलिस को गच्चा दे रहा था। हालांकि, खेड़ा LCB पुलिस टीम लगातार उस पर नजर रख रही थी। जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच ने जाल बिछाया। क्राइम ब्रांच और LCB टीम को आरोपी की हरकतों के बारे में खास और सटीक जानकारी मिली। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने तुरंत एक टीम बनाई और बताई गई जगह पर छपा मारकर आरोपी विजय उर्फ लालो परमार को गिरफ्तार कर लिया।

आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू हुई।

फरार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उससे कड़ी पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने इस दिशा में भी जांच शुरू कर दी है कि शराबबंदी के इस नेटवर्क में उसके साथ और कौन-कौन शामिल है और वह अब तक कहां-कहां पनाह ले रहा था। इस कार्रवाई से स्थानीय शराब तस्करो और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों में दहशत फैल गई है।



संक्षिप्त न्यूज

कोऑपरेटिव वीक के तहत कोऑपरेटिव एम्पावरमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। कृषकों और अमरेश्वर मंडला, जो दुनिया की सबसे बड़ी किसान कोऑपरेटिव संस्था है, की मिली-जुली पहल से कोऑपरेटिव वीक के जश्न के तहत अमरेश्वर में कोऑपरेटिव एम्पावरमेंट कैम्पेन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह प्रोग्राम PMC गोधरा के चेयरमैन मालविक सिंघ राउलजी की अध्यक्षता में हुआ। इस प्रोग्राम में कृषकों दिल्ली से शशिकांतजी भी गेस्ट के तौर पर मौजूद थे और उन्होंने कृषकों द्वारा जमीन वैरिफिकेशन के काम और जमीन वैरिफिकेशन और कोऑपरेशन के महत्व के बारे में बताया। पंचमहल डिस्ट्रिक्ट परचेज एंड सेल यूनिशन के प्रेसिडेंट खुमान सिंह चौहान, वाइस प्रेसिडेंट अशोकभाई पटेल और APMC गोधरा के दूसरे डायरेक्टर के साथ-साथ जिले के दूसरे कोऑपरेटिव लीडर्स भी मौजूद थे। कृषकों अहमदाबाद स्टेट मार्केटिंग मैनेजर संदीप बी पंड्या साहेब मौजूद थे और उन्होंने कोऑपरेटिव के महत्व, भारत के विकास में उनकी भूमिका और किसानों की कोऑपरेटिव गतिविधियों और प्रोडक्ट्स के बारे में जानकारी दी। कोऑपरेटिव नेताओं ने कोऑपरेटिव स्ट्रक्चर और इसे मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

डोंगरगांव पुलिस की बड़ी सफलता मुसवा कोर गिरोह एक बार पुन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। बढ़ती चोरी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा द्वारा चोरी पर कड़ी कार्यवाही की निर्देश दिए गये हैं। अति पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठी व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजुलता बाज के मार्गदर्शन में थाना डोंगरगांव क्षेत्र में बड़ी कार्यवाही किया गया है। दिनांक 10.06.2026 प्राथी रूपेन्द्र कुमार साहू पिता इन्द्रमन साहू उम्र 40 साल निवासी ग्राम वार्ड नं. 01 खुज्जी थाना डोंगरगांव जिला राजनांदगांव (छोगा) ने थाना हाजिर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि, दिनांक 06.06.2026 को प्राथी अपने परिवार सहित विशाखापट्टनम घूमने गया था दिनांक 09.06.2026 को वापस आने पर देखा कि मकान का मुख्य ताला टूटा हुआ था तथा घर के अंदर रखी आलमारी का लॉक भी टूटा हुआ था।

कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को सफल प्रशिक्षण शिविर की दी बधाई सुभकामनाये



महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के बहुत ही ऊर्जावान नेता तरुण सिन्हा ने अभनपुर मे दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर चला जिसमे देश के नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गाँधी सचिन पायल के सी वेणुगोपाल पवन खेड़ा राष्ट्रीय नेताओं के द्वारा लगातार प्रशिक्षण दिया गया जिसकी सफल महती जवाबदारी प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज जी का रहा कांग्रेस नेता तरुण सिन्हा ने रायपुर सिलिव लाइन निवास पहुंच कर इस सफल आयोजन के लिए दीपक बैज जी को सफल आयोजन के लिए बधाई सुभकामनाये दी

खाकी का असली तेज: गुजरात के जांबाज IPS रवि तेजा, जिनकी 'सिंघम' शैली से थर-थर कांपते हैं अपराधी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस महकमे में जब भी किसी ऐसे अधिकारी की बात आती है जो कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अडिग हो और अपराधियों के लिए काल साबित हो, तो आईपीएस एस. रवि तेजा का नाम अचानक सबसे ऊपर आ जाता है। 2015 बैच के इस प्रतिभावान आईपीएस अधिकारी ने अपने छोटे लेकिन बेहद प्रभावशाली करियर में यह साबित कर दिया है कि खाकी वर्दी सिर्फ सत्ता का आनंद लेने के लिए नहीं, बल्कि जनता की सेवा और असामाजिक तत्वों के खत्म के लिए है। गुजरात के अलग-अलग जिलों में अपनी तेजाती के दौरान उनके द्वारा लिए गए कड़े फैसलों और 'एक्सन मोड' पुलिसिंग के कारण वे आज सोशल मीडिया से लेकर आम जनता के दिलों तक छाप हुए हैं।

कौन है IPS एस. रवि तेजा?

मूल रूप से आंध्र प्रदेश के रहने वाले एस. रवि तेजा वासमशेरी बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल थे। इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के बाद, देश सेवा

और सिस्टम में सकारात्मक बदलाव लाने के इरादे से उन्होंने सिविल सर्विसेज का रुख किया। साल 2015 में यूपीएससी की कठिन परीक्षा पास कर वे भारतीय पुलिस सेवा में शामिल हुए और उन्हें गुजरात के डेअर आवंटित किया गया। गुजरात में जहाँ भी हुई पोस्टिंग, वहाँ अपराधियों के नेटवर्क कर दिए ध्वस्त IPS रवि तेजा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वे ग्रांड लेवल पर जाकर काम करने में विश्वास रखते हैं। प्रोबेशनरी पीरियड से लेकर अब तक का उनका सफर शानदार रहा है

वडोदरा और महीसागर: वडोदरा ग्रामीण में डीवाईएसपी के रूप में और महीसागर में एसपी के तौर पर उनका काम बेमिसाल रहा। उन्होंने स्थानीय शराब तस्करो, जुए के अड्डों और अवैध गतिविधियों को अंजाम देने वाले माफियाओं पर कानून का ऐसा हथौड़ा चलाया कि अपराधी या तो सुधर गए या जिला छोड़कर भाग खड़े हुए।

जुनागढ़ और पोरबंदर सीमा: सौराष्ट्र के संवेदनशील इलाकों में जब भी कानून-व्यवस्था का संकट आया, रवि



तेजा ने अपनी कुशल प्रशासनिक क्षमता का परिचय दिया। सुदूरखोरा (व्याजखोरा) के आतंक से आम जनता को मुक्त कराने के लिए उन्होंने जो लोक दरबार आयोजित किए और कड़ी कार्रवाई की, उससे अनगिनत गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को नया जीवन मिला।

अहमदाबाद और गांधीनगर रडार: वर्तमान में वे और भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं, जहाँ साइबर क्राइम, व्हाइट कॉलर क्राइम और संगठित अपराध के खिलाफ वे डिजिटल और ग्रांड ऑपरेशन्स का नेतृत्व कर रहे हैं। टेक्नोलॉजी और मॉडर्न पुलिसिंग की हिमायती आज के आधुनिक युग में जब

अपराधी हाईटेक हो रहे हैं, तब IPS रवि तेजा अपराध को रोकने के लिए स्मार्ट टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर जोर देते हैं। सीसीटीवी सर्विलांस, डेटा एनालिटिक्स और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के जरिए अपराध होने से पहले ही उसे रोकने की दिशा में उनका बड़ा योगदान रहा है। अपराध की जड़ तक पहुँचकर पूरी गैंग को सलाखों के पीछे भजने की उनकी कार्यशैली के कारण उनके मातहत काम करने वाला स्टाफ भी पूरे उत्साह से काम करता है। अपने अर्धन काम करने वाले भ्रष्ट या लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ वे सख्त कदम उठाने से कभी नहीं हिचकिचाते। वहीं, जब कोई पीड़ित या न्याय के लिए भटकता हुआ आम नागरिक उनके पास आता बिना किसी राजनीतिक दबाव के, कानून के दायरे में रहकर 'सिंघम' स्टाइल में जनता की रक्षा कैसे की जाती है, वे इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। आने वाले समय में वे राज्य को अपराध मुक्त बनाने में और भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करेंगे, इसमें कोई दो राय नहीं है।

विशेष रिपोर्ट: महानगर मेट्रो न्यूज

शासकीय प्राथमिक शाला पथरी में 'शाला प्रवेशोत्सव' के अवसर पर 'न्यौता भोज' का गरिमामय आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। नया शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही शासकीय प्राथमिक शाला पथरी में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। शाला में नए बच्चों के स्वागत के लिए 'शाला प्रवेशोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर बच्चों के लिए एक शानदार 'न्यौता भोज' का भी प्रबंध किया गया, जिसने उत्सव के आनंद को दोगुना कर दिया।

सामुदायिक सहयोग की अनूठी गिनाल

इस न्यौता भोज का सफल आयोजन शाला प्रबंधन समिति के सक्रिय सदस्य श्री गुहा राम देवांगन एवं टकेश्वर देवांगन और विद्यालय के समर्पित शिक्षकों के आपसी सहयोग से संभव हो सका। कार्यक्रम को संपन्न कराने में प्रधानपाठक श्री राजकुमार ठाकुर, शिक्षक श्री भोजराम साहू एवं श्री भगवानी राम कन्नौजे ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आर्थिक व मानसिक सहयोग प्रदान किया। 'न्यौता भोज' जैसी कड़ियाँ समाज और स्कूल को आपस में जोड़ती हैं। जब पूरा स्टाफ और प्रबंधन समिति मिलकर प्रयास करते हैं, तो बच्चों के चेहरे पर एक अलग ही मुस्कान देखने को

मिलती है।

बच्चों ने चाव से ग्रहण किया भोजन



अन्य लोगों से भी समय-समय पर स्कूलों में ऐसे आयोजनों के माध्यम से सहयोग करने की अपील की। इस प्रवेशोत्सव सह न्यौता भोज में ग्राम के वरिष्ठजन गुहा राम देवांगन, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षकों और स्थानीय ग्रामीणों ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और समाज के

रेस्क्यू करने वाली गाड़ी का ही करना पड़ा रेस्क्यू अहमदाबाद की जर्जर सड़कों ने खोली प्री-मानसून दावों की सच्चाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद को स्मार्ट सिटी और मेगा सिटी बनाने का नारा लगाने वाले अधिकारियों को एक और बड़ा तमाचा लगा है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पाप के कारण, जिसने डेवलपमेंट के नाम पर पूरे अहमदाबाद को गड्डे वाला शहर बना दिया है, आज पालडी चार रोड पर एक शर्मनाक और जानलेवा घटना सामने आई है। इमरजेंसी के समय लोगों की जान बचाने के लिए दौड़ रही फायर रेस्क्यू गाड़ी पालडी चार रोड पर AMC द्वारा खोदे गए खतरनाक गड्डे में फंस गई। इस घटना ने BJP शासित म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार को पूरे गुजरात के सामने ला दिया है। घटना की डिटेल्स यह हैं कि फायर ब्रिगेड की रेस्क्यू गाड़ी पालडी चार रास्ता जैसे बहुत बिजी

इलाके से गुजर रही थी, तभी अचानक गाड़ी का टायर सड़क पर बने गड्डे में फंस गया। गाड़ी इस भयानक गड्डे में इस तरह फंस गई कि बड़ी कोशिश के बाद भी उसे निकालना मुश्किल हो गया। फायर टुक को निकालने के लिए दूसरी गाड़ियों की भी बहुत मदद और कोशिश की जा रही है। सवाल यह है कि अगर किसी आपदा के समय जनता की सुरक्षा के लिए सेकंडें में दौड़ने वाली फायर ब्रिगेड खुद AMC की गलती से घंटों गड्डे में बंधक बन जाए, तो आम जनता की सुरक्षा का क्या? अगर कोई बड़ा हादसा हो जाता और यह गाड़ी समय पर नहीं पहुँच पाती, तो इन बेगुनाह लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन होता? यह कोई आम हादसा नहीं है, यह AMC अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से किया गया जानलेवा भ्रष्टाचार है। प्री-मानसून काम और डेवलपमेंट के

नाम पर अहमदाबाद के कोने-कोने में सड़कें खोदकर नरक बना दी गई हैं।

मानसून आने के बाद भी सड़कों का ठीक से रखरखाव नहीं हो रहा है। सत्ताधारी पार्टी सालों से कॉर्पोरेशन में बैठी है और सिर्फ मलाई खा रही है और भ्रष्टाचार के गड्डे खोद रही है, जबकि अहमदाबाद की टैक्स देने वाली जनता को इसकी सीधी सजा और परेशानी झेलनी पड़ रही है। 'पाको गुजरात' अखबार AMC कमिश्नर और अधिकारियों से एक ज्वलंत सवाल पूछता है, जो लोग व्हाइट हाउस और कमांड कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग करने का दावा करते हैं, क्या आपको पालडी चार रोड पर मौत का यह गड्डे नहीं दिखता? जनता का पैसा भ्रष्टाचार में बर्बाद करना बंद करें, नहीं तो यही लोग आने वाले दिनों में आपको सत्ता से बाहर कर देंगे।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुलिस और सरकार को लताड़ा, 'पुलिस PM या CM की नौकर नहीं, जनता की नौकर है!'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। लोकतंत्र के चौथे पिलर यानी न्यायपालिका से एक ऐतिहासिक और चौकाने वाला फैसला आया है, जिसने सत्ता के नशे में चूर हुकूमतारों और उनके इशारों पर नाचने वाले पुलिस सिस्टम के होश उड़ा दिए हैं। एक फैसले के दौरान बॉम्बे हाई कोर्ट ने कानून के रखवालों को उनकी असली ताकत दिखाते हुए साफ कहा है कि पुलिस प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री की नौकर नहीं, जनता की नौकर है। हाई कोर्ट ने कड़ा हमला बोला है और सवाल उठाया है कि सिर्फ सरकार का विरोध करने पर नागरिकों पर केस क्यों किए जा रहे हैं? क्या देश के लोगों को सरकार का गुलाम बनाया जा रहा है? विरोध नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। जस्टिस माधव जामदार इस पूरे मामले पर बॉम्बे हाई कोर्ट के जज जस्टिस माधव जामदार ने गुरुवार को पुलिस

डिजिटल बनासकांठा: अशांत एक्ट के तहत प्रॉपर्टी ट्रांसफर का प्रोसेस और ट्रांसपेरेंट हुआ, अब ऑर्डर की कॉपी ऑनलाइन मिल सकेगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालनपुर। बनासकांठा जिले के लोगों के लिए एडमिनिस्ट्रेशन के तहत एक ज़रूरी और राहत भरी खबर सामने आई है। डिजिटल इंडिया अप्रोच को बढ़ावा देते हुए, बनासकांठा जिले में अशांत एक्ट के तहत पहले से मंजूरी लेने का प्रोसेस अब आसान, तेज और ज़्यादा ट्रांसपेरेंट कर दिया गया है। इस नए सिस्टम के तहत, अब एप्लिकेट्स को प्रॉपर्टी ट्रांसफर ऑर्डर की कॉपी लेने के लिए सरकारी ऑफिसों के दबाव का सामना नहीं करना पड़ेगा, बल्कि वे घर बैठे ही इस ऑर्डर को ऑनलाइन डाउनलोड कर सकेंगे। इस डिजिटल पहल के बारे में जानकारी देते हुए, पालनपुर प्रोविंसियल ऑफिसर डॉ. डी. ए. भराई ने कहा कि यह फैसला डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन के लोगों को ध्यान में रखकर लिए गए अप्रोच के तहत लिया गया है। अशांत एक्ट के तहत प्रॉपर्टी की खरीद, बिक्री या ट्रांसफर के लिए मंजूरी प्रोसेस को ऑनलाइन करने से बिचौलियों का काम खत्म होगा



और करप्शन पर रोक लगेंगी। एप्लिकेट आसानी से पोर्टल से सीधे अपना अप्रूवल ऑर्डर पा सकेंगे, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बचेगा। सिस्टम के इस काम की स्पीड का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पालनपुर शहर से मिले अशांत धारा के कुल 851 एप्लीकेशन में से रिकॉर्ड तोड़ 832 एप्लीकेशन का पॉजिटिव तरीके से निपटारा किया जा चुका है। बाकी एप्लीकेशन पर भी जल्द से जल्द काम किया जा रहा है। बनासकांठा कलेक्टर और DDO के गाइडेंस में एडमिनिस्ट्रेशन के उठाए गए इन डिजिटल कदमों का लोकल रिजल्ट एस्टेट सेक्टर के लोगों और आम नागरिकों ने स्वागत किया है। ट्रांसपेरेंट फैसले की तारीफ करता है।

अहमदाबाद सिटी सेशंस कोर्ट के असिस्टेंट क्लर्क अशोक पटेल 10,000 रुपये की रिश्त लेते रंगे हाथों पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। इंसाफ के मंदिर में चल रहे करप्शन का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ आम आदमी को इंसाफ मिलने की उम्मीद होती है। अहमदाबाद के भद्रा में सिटी सेशंस कोर्ट के अपील डिपार्टमेंट में काम करने वाले असिस्टेंट क्लर्क अशोकभाई माधवलाल पटेल को एटी-करप्शन ब्यूरो ने 10,000 रुपये की रिश्त लेते रंगे हाथों पकड़ लिया, जिससे कोर्ट परिसर में भारी हंगामा मच गया। ACB टीम ने जंगल बिछकर इस सरकारी अधिकारी को पकड़ लिया, जिसने शिकायतकर्ता के पक्ष में फैसला दिलाने के बहाने रिश्त मांगी थी। घटना की जानकारी यह है कि शिकायतकर्ता के पड़ोसी ने सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट, भद्रा, अहमदाबाद में शिकायतकर्ता के घर और उसके बगल वाले घर के बीच की कॉमन दीवार को न गिराने को लेकर केस किया था। इस केस में शिकायत करने वाले के घर पर कोर्ट कमीशन का नोटिस मिला था। इस केस में कोर्ट कमिश्नर के तौर पर कार्रवाई के दौरान, आरोपी असिस्टेंट

क्लर्क अशोक पटेल ने शिकायत करने वाले से कॉन्टैक्ट किया और बिचौलिये के तौर पर काम करते हुए, कोर्ट में चल रहे केस का फैसला शिकायत करने वाले के हक में करवाने के लिए 10,000 रुपये की रिश्त मांगी थी। क्योंकि शिकायत करने वाला रिश्त नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने गुजरात एटी-करप्शन ब्यूरो से कॉन्टैक्ट किया और इस बारे में ऑफिशियल शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर, ACB टीम ने पूरी प्लानिंग के साथ रिश्त का जाल बिछाया था। जैसे ही आरोपी अशोक पटेल ने शिकायत करने वाले से 10,000 रुपये की रिश्त ली, छिपी हुई ACB टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। ACB ने रिश्त की रकम बरामद कर ली है और आरोपी क्लर्क के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। ऐसे समय में जब राज्य सरकार और गृह विभाग भ्रष्टाचार के खिलाफ ज़ोरों टॉलरेंस पॉलिसी अपना रहे हैं, ऐसे भ्रष्ट कर्मचारियों के खिलाफ, ACB की यह कार्रवाई, जो कोर्ट जैसी पवित्र जगह पर जनता को लूट रहे हैं, तारीफ के काबिल है। 'पाको गुजरात' जनता से अपील करता है कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी आपके जायज काम के लिए रिश्त मांगे, तो गुना डरे ACB से संपर्क करें और जिनता को भ्रष्टाचार-मुक्त बनाने में हिस्सा बनें।

पुलिस कांस्टेबल ने वकील से की बदसलूकी, कहा- 'जो उखाड़ना है उखाड़ लो'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डाकोर। तीर्थ नगरी डाकोर में एक चौकाने वाला मामला सामने आया है जहाँ कानून का रक्षक ही भक्षक बन गया। आणंद से डाकोर अपने ससुराल गए एक वकील के साथ एक लोकल पुलिस कांस्टेबल के बदसलूकी करने की घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। पुलिसवाले ने कानून के जानकार वकील को खुलेआम धमकाया, जिससे कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, आणंद से एक वकील डाकोर में अपने ससुराल आया था। वहाँ डाकोर की एक सोसाइटी में घुसने को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान वहाँ मौजूद पुलिस कांस्टेबल विमल वलजीभाई (बकेट नंबर 927) बेहोश हो गए। लोकल पहचान पत्र (आधार कार्ड) मांगने के बाद भी उन्हें सोसाइटी में घुसने नहीं दिया गया। 'जो उखाड़ना है उखाड़ लो' इतने पर ही नहीं, पुलिस कांस्टेबल विमल वलजीभाई ने खुद को कानून का रक्षक बताते हुए वकील को सरेंआम धमकाया। जैसा कि वीडियो में दिखाया गया है, कांस्टेबल ने वकील को चुनौती देते हुए कहा, 'जो उखाड़ना है उखाड़ लो, मैं देख लूंगा। पुलिस कांस्टेबल के इस तरह के बदतमीजी और गैर-कानूनी व्यवहार से परेशान वकील ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया के जरिए पेश किया है।

सूरत में तोड़फोड़ मामले में हाई कोर्ट का हथौड़ा: 'बड़े लोगों के सपोर्ट के बिना यह नहीं हो सकता'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/सूरत। जब भी गुजरात में कोई बड़ा घोटाला या गड़बड़ी होती है, तो क्या सिर्फ छोटे कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाकर असली अपराधियों को बचाया जाता है? बहुचर्चित सूरत तोड़फोड़ मामले में राज्य सरकार और सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की कार्रवाई पर गुजरात हाई कोर्ट की तीखी नजर ने सत्ताधारी वर्ग को हिलाकर रख दिया है। हाई कोर्ट ने कड़े शब्दों में साफ कर दिया है कि इस पूरे खेल के पीछे एक 'बड़ा सिर' है। सूरत तोड़फोड़ मामले की सुनवाई के दौरान, जब म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने गर्व से कहा कि उसने 5 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है, तो हाई कोर्ट ने इस कार्रवाई पर गंभीर नाराजगी जताई। माननीय कोर्ट ने चौकाने वाला लेकिन कड़वा सच उगलवाते हुए कहा कि - 'बड़े लोगों के सपोर्ट के बिना यह नहीं हो सकता।' कोर्ट के इस एक वाक्य ने साबित कर दिया है कि असली गुनहार कानून की नजरों से छिप नहीं पाएंगे। सिस्टम की यह पुरानी आदत रही है कि जब भी कोई मामला गरम होता है, तो निचले लेवल के अधिकारियों या क्लर्क लेवल के कर्मचारियों पर गाज गिराकर संतुष्ट मान लिया जाता है। जनता अब अंधी नहीं रही। न्याय सिर्फ कागजी कार्रवाई या सर्पेंशन ऑर्डर से नहीं होता। सच्चा न्याय तभी होगा जब जांच भ्रष्टाचार के इस पूरे नेकस की जड़ तक पहुंचेगी

जिले के पुलिस सुपरिंटेंडेंट रविराजसिंह जडेजा ने डुंगरी पुलिस आउट पोस्ट का उद्घाटन किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद/लिमडी। लिमडी तालुका के डुंगरी इलाके में लगभग 20 सालों से चल रही पुलिस आउट पोस्ट की मांग आखिरकार पूरी हो गई है, और गांव के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। डुंगरी पुलिस आउट पोस्ट का औपचारिक उद्घाटन दाहोद जिले के पुलिस सुपरिंटेंडेंट रविराजसिंह जडेजा ने किया। डुंगरी आउट पोस्ट खुलने से, आस-पास के लगभग 15 गांवों के लोगों को अब शिकायत दर्ज कराने, एप्लीकेशन देने या पुलिस की मदद लेने के लिए लंबी दूरी तय करके लिमडी नहीं जाना पड़ेगा। इस सुविधा से गांव वालों का समय, खर्च और परेशानी काफी कम हो जाएगी। गांव वाले यह मांग लंबे समय से उठा रहे थे। राज्य सरकार ने मई में डुंगरी आउट पोस्ट को मंजूरी देने के बाद, D.Y.S.P. D.R. जलोद डिवीजन के एसपी पटेल और गोविंद गुरु लिमडी के PI पटेल की देखरेख में ग्राम पंचायत और स्थानीय लोगों के सहयोग से तेजी से काम हुआ और आउट पोस्ट बनाई गई। डुंगरी आउट पोस्ट शुरू होने से ग्रामीण इलाकों में पुलिस की सीधी पहुंच बढ़ेगी।



आज का राशिफल

4 जुलाई 2026, शनिवार

<p>मेघ</p> <p>अपने करियर में अग्रणी पदों पर चढ़ने का समय है। नए अवसर मिल सकते हैं। धैर्य रखें।</p>	<p>वृषभ</p> <p>आर्थिक स्थिति में सुधार होने की संभावना है। धैर्य रखें।</p>	<p>मिथुन</p> <p>अपने करियर में अग्रणी पदों पर चढ़ने का समय है। नए अवसर मिल सकते हैं। धैर्य रखें।</p>
<p>कर्क</p> <p>परिवार में सुखी हवा है। सभी को खुश रखें।</p>	<p>सिंह</p> <p>आर्थिक स्थिति में सुधार होने की संभावना है। धैर्य रखें।</p>	<p>कन्या</p> <p>अपने करियर में अग्रणी पदों पर चढ़ने का समय है। नए अवसर मिल सकते हैं। धैर्य रखें।</p>
<p>तुला</p> <p>आर्थिक स्थिति में सुधार होने की संभावना है। धैर्य रखें।</p>	<p>वृश्चिक</p> <p>अपने करियर में अग्रणी पदों पर चढ़ने का समय है। नए अवसर मिल सकते हैं। धैर्य रखें।</p>	<p>धनु</p> <p>अपने करियर में अग्रणी पदों पर चढ़ने का समय है। नए अवसर मिल सकते हैं। धैर्य रखें।</p>
<p>मकर</p> <p>अपने करियर में अग्रणी पदों पर चढ़ने का समय है। नए अवसर मिल सकते हैं। धैर्य रखें।</p>	<p>कुंभ</p> <p>अपने करियर में अग्रणी पदों पर चढ़ने का समय है। नए अवसर मिल सकते हैं। धैर्य रखें।</p>	<p>मीन</p> <p>अपने करियर में अग्रणी पदों पर चढ़ने का समय है। नए अवसर मिल सकते हैं। धैर्य रखें।</p>

सकारणक सोच और मेहनत से हर मुश्किल आसान हो जाती है।

मोदी का 'मिशन 360': सत्ता के सुपर बहुमत की राजनीति या लोकतंत्र का नया अध्याय?



पवन माकन
युप एडिटर, महानगर मेट्रो

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान, उसकी संस्थाएँ और जागरूक मतदाता हैं। संसद में दो-तिहाई बहुमत किसी भी सरकार को अधिक क्षमता अवश्य प्रदान कर सकता है, किंतु वह संविधान की मूल भावना से ऊपर नहीं हो सकता। संविधान की आत्मा केवल संख्याबल में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, संस्थागत संतुलन, असहमति के सम्मान और जनादेश की पवित्रता में निहित है।

भारतीय राजनीति में इन दिनों 'मिशन 360' शब्द तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है। यद्यपि भारतीय जनता पार्टी ने इस नाम से किसी आधिकारिक अभियान की घोषणा नहीं की है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि भाजपा आने वाले वर्षों में संसद के दोनों सदनों में इतना व्यापक संख्याबल प्राप्त करना चाहती है, जिससे केवल सरकार चलाना ही नहीं, बल्कि बड़े संवैधानिक और नीतिगत निर्णयों को भी अपेक्षाकृत सहजता से आगे बढ़ाया जा सके। दूसरी ओर विपक्ष इसे लोकतांत्रिक संतुलन के लिए चुनौती मानते हुए आरोप लगाता है कि सत्ता पक्ष विपक्षी दलों में राजनीतिक संघ लगाकर अपना विस्तार करना चाहता है। ऐसे में 'मिशन 360' केवल एक राजनीतिक चर्चा नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की दिशा और भविष्य से जुड़ा विमर्श बन चुका है।

भारतीय संविधान किसी भी राजनीतिक दल को व्यापक जनादेश प्राप्त करने से नहीं रोकता। लोकतंत्र का मूल आधार जनता की स्वीकृति है। यदि कोई दल चुनाव जीतकर या वैधानिक गठबंधन के माध्यम से बहुमत प्राप्त करता है तो उसमें कोई असंवैधानिकता नहीं है। किंतु जब बहुमत का विस्तार विपक्षी दलों में टूट, निर्वाचित प्रतिनिधियों के दल परिवर्तन अथवा राजनीतिक पुनर्संरचना के माध्यम से होता दिखाई देता है, तब लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यही कारण है कि आज बहुमत और मर्यादा, दोनों समान रूप से चर्चा के विषय हैं।

लोकसभा में सरकार बनाने के लिए साधारण बहुमत पर्याप्त होता है, लेकिन संविधान संशोधन के लिए अनुच्छेद 368 के अंतर्गत अनेक मामलों में विशेष बहुमत तथा कुछ विषयों पर आधे राज्यों की स्वीकृति भी आवश्यक होती है। महिला आरक्षण कानून के पूर्ण क्रियान्वयन, परिसीमन, 'एक देशएक चुनाव', न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषयों को देखते हुए यह समझा जा सकता है कि कोई भी सरकार संसद में अधिक मजबूत स्थिति क्यों चाहेगी। इस दृष्टि से संसदीय संख्याबल केवल राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, बल्कि नीति निर्माण की क्षमता से भी जुड़ा है। भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है। वर्ष 1967 में हरियाणा के विधायक गयालाल के बार-बार दल बदलने के बाद 'आया राम, गया राम' भारतीय राजनीति का स्थायी मुहावरा बन गया। इसी पृष्ठभूमि में 1985 में संविधान की दसवीं अनुसूची के माध्यम से दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया और 2003 के 91वें संविधान संशोधन द्वारा इसे और कठोर बनाया गया। इसके बावजूद राजनीतिक पुनर्संरचना पूरी तरह नहीं रुकी।

पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया, जहाँ पहले शिवसेना और बाद में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन हुआ। इन घटनाओं ने केवल सरकारें नहीं बदलीं, बल्कि विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका, निर्वाचन आयोग की शक्तियों और सर्वोच्च



न्यायालय की संवैधानिक व्याख्याओं पर भी व्यापक बहस छेड़ दी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक और अन्य राज्यों में भी सत्ता परिवर्तन ने यह स्पष्ट किया कि आज राजनीतिक संघर्ष केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रह गया है; चुनाव के बाद की रणनीति भी सत्ता के समीकरण तय कर रहा है। पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनावों के पहले और बाद कई नेताओं के दल बदलने की घटनाएँ सामने आईं। कुछ नेता तुणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए, जबकि कुछ बाद में वापस लौट आए। इससे यह प्रश्न और गहरा हुआ कि क्या भारतीय राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता कमजोर पड़ रही है और चुनावी गणित अधिक प्रभावी होता जा रहा है। दिल्ली और पंजाब में भी समय-समय पर विधानसभा राजनीतिक अटकलें सामने आती रही हैं, हालाँकि अधिकांश मामलों में उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। फिर भी इससे यह स्पष्ट अवश्य मिलता है कि राष्ट्रीय राजनीति में प्रत्येक सांसद और प्रत्येक क्षेत्रीय दल भविष्य के सत्ता समीकरण का संभावित हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा का पक्ष यह रहा है कि यदि विपक्ष के नेता स्वेच्छा से उसके साथ जुड़ते हैं तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है और अंतिम निर्णय जनता चुनाव में देती है। दूसरी ओर विपक्ष आरोप लगाता है कि केंद्रीय एजेंसियों, राजनीतिक दबाव और सत्ता के प्रभाव का उपयोग विपक्ष को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। इन आरोपों और प्रत्यारोपों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि क्या दल परिवर्तन जनादेश का सम्मान है या उसका पुनर्विखन?

संविधान विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि भारतीय संविधान किसी सांसद या विधायक को जीवनभर किसी दल से बंधे रहने के लिए बाध्य नहीं करता। वहीं दूसरी ओर दसवीं अनुसूची का उद्देश्य व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए निर्वाचित जनादेश को बदलने से रोकना है। यदि कानून की भावना और राजनीतिक व्यवहार के बीच लगातार दूरी बढ़ती है, तो भविष्य में दल-बदल विरोधी

कानून की समीक्षा की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। कुछ विशेषज्ञ यह सुझाव देते हैं कि यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसे पुनः जनता के बीच जाकर नया जनादेश प्राप्त करना चाहिए, जबकि अन्य विशेषज्ञ अत्यधिक कठोर कानून को प्रतिनिधियों की वैचारिक स्वतंत्रता के विरुद्ध मानते हैं। यदि 'मिशन 360' जैसी कोई रणनीति वास्तव में अस्तित्व में है, तो उसका आधार केवल विपक्ष को कमजोर करना नहीं, बल्कि पूरे देश में संगठनात्मक विस्तार भी हो सकता है। पिछले एक दशक में भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों, दक्षिण भारत और नए सामाजिक वर्गों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया है। अनेक क्षेत्रीय दलों के साथ व्यावहारिक गठबंधन और सांगठन विस्तार भी इसी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जाता है। दूसरी ओर विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं, बल्कि उसकी अपनी एकजुटता है। राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी दल कई राज्यों में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। नेतृत्व, विचारधारा, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और चुनावी हितों के कारण साझा रणनीति बनाना कठिन होता रहा है। ऐसे में यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसके पीछे केवल सत्ता पक्ष की रणनीति ही नहीं, बल्कि उसके मूल दल की संगठनात्मक कमजोरियाँ, नेतृत्व संकट और भविष्य को लेकर असंतोष भी कारण हो सकते हैं। इसलिए हर राजनीतिक परिवर्तन को केवल किसी 'ऑपरेशन' का परिणाम मान लेना भी वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा। यदि भविष्य में भाजपा संसद में और अधिक मजबूत स्थिति प्राप्त करती है, तो उसके सामने अवसरों के साथ संवैधानिक जिम्मेदारियों भी बढ़ेंगी। 'एक देशएक चुनाव', परिसीमन, महिला आरक्षण कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषय केवल संख्याबल से नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक सहमति और लोकतांत्रिक संवाद से ही सफल हो सकते हैं। लोकतंत्र में बहुमत महत्वपूर्ण है, लेकिन संवाद और सहमति उसकी

स्थायी शक्ति हैं। उधर विपक्ष के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। यदि वह हर राजनीतिक परिवर्तन का दोष केवल सत्ता पक्ष पर मढ़ने के बजाय अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करता है, तो भारतीय लोकतंत्र और अधिक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी बन सकता है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सत्ता परिवर्तन की संभावना और मजबूत विपक्ष की उपस्थिति में निहित होती है। यह भी ध्यान रखना होगा कि आज का भारतीय मतदाता पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक और निर्णायक है। वह केवल राजनीतिक नारों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि विकास, सुशासन, नेतृत्व, सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय सुरक्षा, स्थानीय मुद्दों और प्रशासनिक प्रदर्शनों को भी समान महत्व देता है। इसलिए संसद में स्थायी बहुमत का वास्तविक आधार अंततः जनता का सतत विश्वास ही होता है, न कि केवल राजनीतिक जोड़-तोड़।

आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति को दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या भाजपा अपने संगठनात्मक विस्तार को व्यापक जनसमर्थन में बदल पाती है, क्या विपक्ष स्वयं को विश्वसनीय विकल्प के रूप में पुनर्गठित कर पाता है और क्या लोकतांत्रिक संस्थाएँ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखती हैं। 'मिशन 360' आज भले ही राजनीतिक चर्चाओं का विषय हो, लेकिन उसकी वास्तविक परीक्षा संसद के भीतर नहीं, बल्कि जनता की अदालत में होगी। यदि किसी दल को व्यापक जनादेश चुनावों के माध्यम से प्राप्त होता है तो वह लोकतंत्र की स्वाभाविक सफलता होगी। किंतु यदि बहुमत का विस्तार मुख्यतः विपक्षी दलों में लगातार टूट के माध्यम से होता है, तो लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठते रहेंगे। उसी प्रकार यदि विपक्ष अपनी कमजोरियों का आत्मविक्षेपण किए बिना प्रत्येक राजनीतिक परिवर्तन को केवल सत्ता पक्ष की रणनीति बताता रहेगा, तो वह भी अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकेगा।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान, उसकी संस्थाएँ और जागरूक मतदाता हैं। संसद में दो-तिहाई बहुमत किसी भी सरकार को अधिक क्षमता अवश्य प्रदान कर सकता है, किंतु वह संविधान की मूल भावना से ऊपर नहीं हो सकता। संविधान की आत्मा केवल संख्याबल में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, संस्थागत संतुलन, असहमति के सम्मान और जनादेश की पवित्रता में निहित है।

इसलिए आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि 'मिशन 360' सफल होगा या नहीं, बल्कि यह है कि भारत की राजनीति 'आगे किस दिशा में विकसित होगी-बन्या वह केवल संस्थाओं का लोकतंत्र बनेगी या संवैधानिक मूल्यों, स्वस्थ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और जनविश्वास पर आधारित एक अधिक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में आगे बढ़ेगी। आने वाले वर्षों का राजनीतिक इतिहास इसी प्रश्न का उत्तर तय करेगा।

संपादकीय

इथेनॉल का मोल

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएँ। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता को दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल, ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियाँ ई-20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई-85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाढ़े-बगाढ़े पैदा होने वाले भू-राजनीतिक संकटों ने बार-बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं।

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपको एकग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकत्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी। एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहाँ से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहाँ जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर में लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूँढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है। सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहाँ ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

जब जिंदगी थी तब तन्हाई थी, अब मौत पर यह भीड़ क्यों?

मानवीय रिश्तों के ढोंग और समाज की झूठी हमदर्दी पर तीखा प्रहार करती ये दो पंक्तियाँ आज हर इंसान की आत्मा को झकझोरने के लिए काफी हैं। हम एक ऐसे दिखावे से भरे समाज में जी रहे हैं, जहाँ इंसान जब तक जिंदा रहता है, तब तक उसकी कोई कदर नहीं होती। लेकिन जैसे ही वह इस दुनिया को अलविदा कहता है, पूरा शहर उसकी अर्थी को कंधा देने और उसकी महानता के कसौटी पढ़ने के लिए कतारों में खड़ा हो जाता है। यह कैसा प्रेम है और यह कैसी संवेदना है?

जिंदगी भर तन्हाई का जहर, मौत के बाद भीड़ का तमाशा!

आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारे आसपास ऐसे अनगिनत लोग हैं, जो भीड़ के बीच भी घोर अकेलेपन से जूझ रहे हैं। कोई बुजुर्ग माता-पिता अपने बच्चों के एक फोन की राह तक-तकते अपनी आँखें हमेशा के लिए मूँद लेते हैं, तो कोई युवा मानसिक तनाव और अकेलेपन

से लड़ते-लड़ते अपनी जिंदगी की जंग हार जाता है। जब वे जिंदा हैं, तब उनके पास बैठकर दो मीठे बोल बोलने का समय किसी के पास नहीं था। उन्हें एक कप चाय के लिए पूछने वाला या 'आप कैसे हैं?' कहने वाला कोई नहीं था। लेकिन, जैसे ही उस इंसान की साँसें थम जाती हैं, अचानक रश्क का सैलाब उमड़ पड़ता है। सोशल मीडिया RIP के स्टेटस और बड़ी-बड़ी भावुक पोस्ट्स की बाढ़ आ जाती है। शोक सभाओं और श्मशान में लोगों की हमरी भीड़ जुट जाती है। सवाल यह उठता है कि यह हमदर्दी जताने वाली भीड़ तब कहीं थी, जब वह इंसान जिंदा था?

पाखंडी समाज और 'लोग क्या कहेंगे' का डर

हकीकत तो यह है कि मौत पर उमड़ने वाली यह भीड़ अक्सर सम्मान या प्रेम की नहीं होती, बल्कि समाज में अपनी झूठी प्रतिष्ठा बनाए रखने और 'लोग क्या कहेंगे' के डर की वजह से होती है।

जीते जी उपेक्षा, मौत पर दिखावा: जब इंसान जिंदा होता है और उसे सहारे की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब सब मुँह फेर लेते हैं।

बेअसर खर्च: मरने के बाद उस व्यक्ति को कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसकी अर्थी के पीछे कितने लोग रो रहे हैं या उसकी अंतिम विदाई कितनी भव्य हो रही है, फिर भी लोग वहाँ दिखावे के लिए लाखों रुपए खर्च करते हैं।

यह हमारे समय की सबसे कड़वी सच्चाई है कि हम इंसान के जाने के बाद उसकी तस्वीर पर महंगे हार चढ़ाते हैं, लेकिन जब तक उसके सीने में दिल धड़क रहा था, हम उसे प्यार का एक छोटा सा तोहफा भी नहीं दे सके।

महानगर मेट्रो का संदेश: समय रहते रिश्तों की कदर करें

यह लेख सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं है, बल्कि हमें अपने

व्यवहार को बदलने का आदेश देता है। हमारे आसपास, हमारे परिवार या दोस्तों में अगर कोई अकेलेपन महसूस कर रहा है, तो उसकी मौत के बाद तमाशा देखने वाली भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय, उसके जीते जी उसके अकेलेपन को दूर करने वाले सच्चे साथी बनिए।

किसी के चले जाने के बाद पछतावा करने से बेहतर है कि जब वह हमारे बीच है, तब उसे गले लगाएँ, उसके साथ वक्त बिताएँ और उसे यह अहसास कराएँ कि वह अकेला नहीं है। क्योंकि, कब्र या श्मशान में दिखाया गया प्रेम कभी प्रेम नहीं हो सकता, वह सिर्फ एक सामाजिक औपचारिकता और दिखावा है।

जिंदगी बहुत छोटी है और इंसान बेहद कीमती है। आइए, किसी को जीते जी अकेलेपन के अंधेरों से बाहर निकालें, ताकि किसी के जाने के बाद हमें खुद से यह सवाल न पूछना पड़े कि- 'अब मौत पर यह भीड़ कैसी?'

स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

ही अपनी माँ की तरह वह भी शिवशंकर के अन्य भक्त ही गए। कई बार वह शिव से सीधा साक्षात्कार करते मालूम पड़ते थे और अपनी माँ से कहा करते कि उनमें शंकर का वास है। यह सब सुनकर इनकी माँ चिंतित हो उठती कि उनका यह बेटा कहीं बाबा सन्यासी ना बन जाए। बचपन से ही नरेन्द्रनाथ पढ़ाई लिखाई में रूचि लेने लगे। पढ़ाई में यह अव्वल दर्जे के छात्र थे इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है जो चीज एक बार यह पढ़ लेते उसे कभी भूलते नहीं थे। युवावस्था में उन्हें पाश्चात्य दर्शनों के निरीश्वर भौतिकवाद तथा ईश्वर के अस्तित्व में हट्ट भारतीय विश्वास के कारण गहरे हट्ट से गुजरना पड़ा। परमहंस जी जैसे जाहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेन्द्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। उस शक्तिपात के कारण कुछ दिनों तक नरेन्द्र उन्मत्त-से रहे। उन्हें गुरु ने आत्मदर्शन करा दिया था। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदेव ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेन्द्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए। जीवन के आलोक को जगत के अंधकार में भक्तवत् प्राणियों के समक्ष उन्हें उपस्थित करना था। स्वामी विवेकानंद ने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की गुरुजनों के प्रति इनका सम्मान उस दौर में भी देखते ही बनता था। बड़े होने पर भी गुरु से इनका लगाव बना रहा। विवेकानंद का मानना था कि जीवन में सफल होने के लिए अच्छा गुरु मिलना जरूरी है क्योंकि गुरु ही अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की तरफ ले जाता है। बचपन से ही गुरु के अलावे

आध्यात्मिक चीजों की तरफ इनका झुकाव हो गया और इसी दौरान मुलाकात रामकृष्ण परमहंस से हुई जिन्होंने इन्हें अपना मानस पुत्र घोषित कर दिया। परमहंस की दी हुई हर शिक्षा को विवेकानंद ने अपने जीवन में ना केवल उतारा बल्कि लोगों को भी इसके जरिये कई सन्देश दिए जिसने आगे बढ़ने की राह खोली।

11 सितंबर स- 1893 के उस दिन उनके अलौकिक तत्वज्ञान ने पाश्चात्य जगत को चौंका दिया। अमेरिका ने स्वीकार कर लिया कि वस्तुतः भारत ही जगद्गुरु था और रहेगा। स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके जबरदस्त प्रभाव छोड़ा। 11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन किया जिसमें दुनिया के कोने कोने से लोगो ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्ही के कंधो पर थी। गेरुए कपड़े पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहाँ पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीं विवेकानन्द ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निकला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्गत को मानो झुकते ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियाँ अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाते वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। सिसटर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरुआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 17 सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय

पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे गाड़ दिए। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष व्यतीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली खोजदात सोसाइटीइह की स्थापना की। विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं हृदय को गहराई से उस दया भाव से देखता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का गहराई से देखना होगा। जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मलेन हुआ ,उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीना दृष्टि से देखता था। वहाँ के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफेसर के प्रयास से उन्हें थोड़ा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुनः भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रविंदर नाथ टैगोर ने विवेकानंद के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए।



हर्षवर्धन पान्डे

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से जाना जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भाँति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदान्त और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में विश्वनाथ और भुवनेश्वरी देवी के घर हुआ था। बचपन में नरेन्द्रनाथ नाम से जाने जाने वाले विवेकानंद काफी चंचल प्रवृत्ति के थे। उनकी माता भगवान की अनन्य उपासक थीं लिहाजा माँ के सानिध्य में वह भी ईश्वर प्रेमी हो गए। बचपन में विवेकानंद की माँ इन्हें रामायण की कहानी सुनाती थीं तो इसको यह बड़ी तन्मयता से सुनते थे। रामायण में हनुमान के चरित्र ने उस दौर में इनके जीवन को खासा प्रभावित किया साथ

अश्लील वीडियो बना लिए, ब्लैकमेल किया... विवाहिता को एक साल तक किया गया टॉवर

विजनीर में एक महिला ने कई लोगों पर सामूहिक दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल, रंगदारी, घर में घुसकर दुष्कर्म,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विजनीर। उत्तर प्रदेश के जनपद नजीबाबाद क्षेत्र में एक महिला ने गंभीर आरोप लगाते हुए थाना नजीबाबाद में तहरीर देकर कई लोगों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, ब्लैकमेल, रंगदारी, घर में घुसकर दुष्कर्म, नाबालिग बेटे से अश्लील हरकत, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि आरोपियों ने अश्लील वीडियो बनाकर लंबे समय तक उसे ब्लैकमेल किया, कई बार दुष्कर्म किया और लाखों रुपये भी वसूल लिए। फिलहाल यह आरोप शिकायतकर्ता द्वारा दी गई तहरीर पर आधारित है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिकायतकर्ता कासीमा पत्नी दिलशाद, निवासी ग्राम धनसिनी, थाना नजीबाबाद ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि ग्राम कल्हेड़ी निवासी मुर्तजा पिछले एक साल से उसपर बुरी नजर रखता था। महिला के अनुसार, करीब एक साल पहले रात करीब 9 बजे वह अपनी बीमार छोटी बेटों को दवा दिलाने के लिए पैदल जा रही थीं। इसी दौरान कल्हेड़ी के बाग के पास आरोपी मुर्तजा अपने दो साथियों जैद और सुहेल के साथ उसे जबरन बाग में ले गया, जहां तमंचे के बल पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया।



अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल

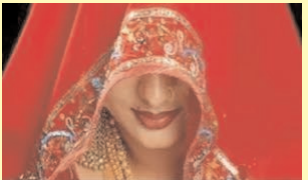
महिला ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान मुख्य आरोपी ने उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर लगातार उसका यौन शोषण किया जाता रहा। तहरीर के अनुसार, आरोपी कई बार उसे नजीबाबाद बाईपास स्थित एक होटल में ले गया, जहां उसके साथ रेप किया गया। महिला का आरोप है कि अश्लील वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर उससे लाखों रुपये भी वसूले गए। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि 3 मई 2026 की शाम करीब 8 बजे आरोपी उसके घर में जबरन घुस आया और उसका रेप किया। महिला का आरोप है कि उसी दौरान आरोपी ने उसकी 9 साल की नाबालिग बेटों के साथ भी अश्लील हरकतें कीं। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। शोर सुनकर जब महिला का पति और भाई मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया।

सलोन की शादी में 2 करोड़ खर्च, फिर भी ससुरालवालों को नहीं चैन! वियतनाम में बेल्ट से पिटाई, हत्या की कोशिश

रिटायर्ड दारोगा की बहु सभागर में एसपी की कुर्सी पर बैठकर रील बनाई। इंस्टाग्राम पर वीडियो वायरल होने से हड़कंप मच गया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। यूपी के मेरठ में सलोन की अरोड़ा ने पति आशीष पसरीचा और ससुराल वालों पर प्रताड़ना का केस दर्ज कराया है। सलोन की शादी में 2 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, लेकिन एक महीने बाद ही उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। पीड़िता का आरोप है कि पति ने वियतनाम ले जाकर उसकी हत्या का प्रयास भी किया। आपको बता दें कि मेरठ के रेलवे रोड थाना क्षेत्र की रहने वाली सलोन ने पति आशीष, सास, ससुर और उनके एक मित्र के खिलाफ मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न और वियतनाम ले जाकर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराया है। सलोन की शादी 4 जून 2025 को शक्ति नगर निवासी आशीष के साथ हुई थी, जिसमें करीब 2 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। शादी के एक महीने बाद ही ससुराल वालों ने उसे नौकरानी की तरह रखकर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर मारपीट की जाती थी। सलोन के माता-पिता के दखल देने पर उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया।



वियतनाम में बेल्ट से पिटाई और हत्या की कोशिश

सलोन का आरोप है कि 10 जून 2026 को उसका पति आशीष उसे इच्छ के विरुद्ध एक सोची-समझी साजिश के तहत वियतनाम ले गया। वहां होटल के कमरे में पति ने बेल्ट से उसकी बेरहमी से पिटाई की और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। हालात गंभीर होने पर वह उसे अकेला छोड़कर भाग गया। वियतनाम में इलाज कराने के बाद भारत लौटने पर सलोन की तबीयत खराब रही। दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में जांच कराने पर पता चला कि गला दबाने के कारण उसकी नसों गंभीर रूप से दब चुकी हैं।

दोबारा ससुराल पहुंचने पर फिर हुआ हमला

अस्पताल से आने के बाद 21 जून 2026 को जब सलोन अपने भाई के साथ ससुराल गईं, तो वहां फिर से गाली-गलौज और मारपीट की गई। इसके बाद 26 जून को पति आशीष ने उस पर दोबारा जानलेवा हमला किया और गला दबाने का प्रयास किया। पीड़िता ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी और अपने मायके वालों के साथ चली गईं। सलोन ने पुलिस में कई बार लिखित शिकायत दी थी, जिसके बाद अब जाकर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की है।

महानगर मेट्रो
हमसे जुड़ें
/MahanagarMetro
/mahanagametro
/MahanagarMetro
www.mahanagametro.com

महानगर मेट्रो
भारत का भरोसेमंद मीडिया नेटवर्क

सहित बेहतरीन और विश्वसनीय खबरों के लिए महानगर मेट्रो को फॉलो करें

विश्वसनीय खबरें
तेज़ अपडेट्स
ग्राउंड रिपोर्ट्स
एक्सक्लूसिव इन्वेस्टिगेशन

FOLLOW NOW
हर खबर पर सबसे पहले नज़र

पवन मोकन
ग्रुप एडिटर

सच्ची खबरें
सटीक जानकारी
तेज़ अपडेट
आपके साथ, आपके लिए

कौन करे बिजनेस या नौकरी... 500 का नोट स्कैन किया और प्रिंटर से छापने लगे नोट, यूट्यूब से सीखी थी ट्रिक

कौन करे बिजनेस... मध्य प्रदेश के आगर मालवा में दो युवकों ने कमाई का ऐसा 'शॉर्टकट' चुना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मालवा। मध्य प्रदेश के आगर मालवा में पुलिस ने नकली नोट बनाने वाले एक गिरोह को पकड़ा है। आरोप है कि दो युवक यूट्यूब पर वीडियो देखकर 500 रुपये के नकली नोट छापना सीख गए और कृषि सेवा केंद्र की आड़ में इस पूरे खेल को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 57,500 रुपये के नकली नोट, रंगीन प्रिंटर, कटर और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। अब जांच इस बात की हो रही है कि ये नकली नोट अब तक कहां-कहां खपाए गए। मालवा मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले के नलखेड़ा का है। पुलिस को मुखावर से सूचना मिली थी कि बस स्टैंड

स्थित एक कृषि सेवा केंद्र में नकली नोट तैयार किए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने दुकान पर छापा मारा। इस दौरान मौके से नरेंद्र सिंह सौधिया और शुभम सोलंकी को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर एक बैग से 500-500 रुपये के 115 नकली नोट बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने यूट्यूब पर वीडियो देखकर नकली नोट बनाने का तरीका सीखा था। इसके बाद वे असली 500 रुपये के नोट को स्कैन करते, रंगीन प्रिंटर से उसकी कॉपी निकालते और फिर कटर से काटकर उसे असली नोट जैसा आकार दे देते थे। पुलिस की जांच में कई नकली नोटों पर एक ही सीरियल नंबर मिला। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से रंगीन प्रिंटर, कटर,

स्कैनिंग और प्रिंटिंग में इस्तेमाल होने वाला सामान, 57,500 रुपये के नकली नोट और अन्य उपकरण जब्त किए हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी खुद ही नोट तैयार करते थे। पुलिस का कहना है कि अब यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी अब तक कितने नकली नोट बाजार में चला चुके हैं, किन इलाकों में उन्हें खपाया गया और क्या इस पूरे नेटवर्क में अन्य लोग भी शामिल हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित थाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। थाना प्रभारी नागेश यादव के मुताबिक, मामले की जांच की जा रही है और इस रिकेट से जुड़े हर व्यक्ति की भूमिका की पड़ताल की जाएगी।



रीवा में ट्रैक्टर से तांडव, जमीन विवाद में परिवार को रौंदने लगा आरोप, एक व्यक्ति घायल

मध्यप्रदेश के रीवा के मांगी गांव में ट्रैक्टर चढ़ाकर पीड़ितों को रौंदने की कोशिश की गई है। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ट्रेटर नोएडा। सोशल मीडिया पर BAT-BMS नामक एक मोबाइल ऐप का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद नोएडा पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि किसी ने तकनीक का दुरुयोग कर सड़क पर चल रहे ई-रिक्शों को बंद किया या चालक-यात्रियों को परेशान किया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रोजाना हजारों ई-रिक्शे चलते हैं। पुलिस का मानना है कि यदि शरारती तत्वों ने इस ऐप का गलत इस्तेमाल किया, तो इससे बीच सड़क पर ई-रिक्शा अचानक रुक सकते हैं। इससे न सिर्फ चालक और यात्री परेशान होंगे, बल्कि सड़क पर जाम, हादसे और कानून-व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ सकती है।

पुलिस ने दी सख्त हिदायत

जुड़ा है और वह ब्लूटूथ की रेंज में है, तो उसे दूर से ही बंद कर वाहन को रोका जा सकता है।

सुरक्षा को खतरा

अफवाहों से बचें: लोग सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऐसे वीडियो के बहकावे में न आएं। तुरंत दें सूचना: यदि कोई ऐसी शरारत करता हुआ मिलता है, तो तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करें ताकि कड़ी कार्रवाई हो सके।

कभी पानी बेचकर घर चलाता था अविनाश शुक्ला, अब घर से मिला 20 लाख कैश और 1121 डॉलर,

अयोध्या के राम मंदिर में दान की कथित चोरी के मामले में गिरफ्तार अविनाश शुक्ला पहले पानी बेचकर गुजारा करता था। राम मंदिर में दान की गणना में नौकरी मिलने के बाद उसके दिन बदल गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैैसे-वैसे, ऐसे-ऐसे खुलासे हो रहे हैं जो हैरत में डाल रहे हैं। चढ़ावा चोरी के आरोपी अविनाश शुक्ला के बारे में पता चला है कि वह पहले पानी बेचता था। बाद में उसे श्रीराम मंदिर जन्मभूमि मंदिर में दान राशि के गणना केंद्र में नौकरी मिल गई थी। अब जब एसआईटी ने उसके घर पर जांच की तो 20.39 लाख रुपये और 1,121 अमेरिकी डॉलर मिले। कभी पानी बेचकर गुजारा करने वाले ने मंदिर में नौकरी करके कुछ ही समय में लाखों रुपये कैसे कमा लिए? एसआईटी अब इसकी जांच कर रही है।



राम मंदिर से जुड़े लोगों के भी संपर्क में रहा है। योग केंद्र के लोग भी पहले से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से जुड़े रहे हैं। अभिषेक शुक्ला का भी वहां जाता था। संभव है कि इसी संपर्क के जरिए अविनाश को राम मंदिर में दान राशि गणना केंद्र में नौकरी मिली हो। उन्होंने बताया कि 5 जून को पुलिस की कार्रवाई के बाद अभिषेक को नौकरी से हटा दिया गया। योग केंद्र के सेवादार सुंदरलाल के अनुसार अभिषेक शुक्ला शिक्षक है। वह अविनाश शुक्ला को योग केंद्र में लेकर आया था। उनके अनुसार राम मंदिर में दान की गणना की नौकरी से पहले अविनाश शुक्ला

हनुमान गुफा के पास पानी बेचता था। अविनाश शुक्ला के भाई अमित ने एक वीडियो बनाया था जिसमें वह नोटों की गड़ियां हाथ में लिए हुए है। इस वीडियो में बैकग्राउंड में एक भोजपुरी गीत 'पैसा का पूजा होत, पैसा बा भगवान हो...' का इस्तेमाल किया गया था। वह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि यह वीडियो पिछले साल अगस्त महीने का है। सूत्रों के मुताबिक तब अमित शुक्ला भी अयोध्या में रहता था। चर्चा यह भी है कि वीडियो में उसके हाथ में दिखी नोटों की गड़ियां चढ़ावे की राशि थीं।

'जेल भी जा सकते हैं चंपत राय, मैंने पीएम मोदी से बात की है', विनय कटियार का बड़ा दावा

राम मंदिर दान चोरी केस को लेकर पूर्व सांसद विनय कटियार ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि जांच के आधार पर चंपत राय को आगे चलकर जेल भी जाना पड़ सकता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर दान चोरी केस को लेकर पूर्व सांसद विनय कटियार ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में चंपत राय और गोपाल राव के नाम भी सामने हैं और जांच के आधार पर चंपत राय को आगे चलकर जेल भी जाना पड़ सकता है। विनय कटियार ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संपर्क में हैं और उन्हें भरोसा है कि सब ठीक हो जाएगा। उन्होंने मौजूदा घटनाक्रम को लेकर कहा कि अभी अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी और जो भी होगा, वह ठीक होगा। राम मंदिर दान चोरी मामले में विनय कटियार ने कहा कि इस मामले में पैसों का जबरदस्त गवन हुआ है और इसकी जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि एसआईटी एक ही दिन में जांच पूरी नहीं करती, इसमें दो-तीन दिन या उससे अधिक समय लग सकता है। एसआईटी किसी को छोड़ने वाले नहीं हैं। राम जन्मभूमि आवोलन के प्रमुख चेहरों में से एक बीजेपी नेता और पूर्व



हो गए। भगवान राम के दर्शन कर लें। तो गोपाल राव ने हमसे कहा कि आप किसकी अनुमति से आए हैं। इस पर मैंने नाराजगी व्यक्त की। ट्रस्टी अनिल मिश्रा के बारे में पूछने पर विनय कटियार ने कहा कि अनिल मिश्रा तो सीधे आदमी हैं। अनिल जी भी चक्कर में फंस गए। वे ऐसे नहीं करते। विनय कटियार ने कहा कि वो फंस गए बेचारे। वो आदमी ठीक हैं। चंपत राय को लेकर विनय कटियार ने कहा कि हमने चंपत को समझाया था, उनको बात समझ में आई नहीं तो मैं क्या कर सकता था। कटियार ने कहा कि लगाता है चंपत का भी भाग्य ठीक नहीं है। राम मंदिर में दान की चोरी के मामले में 7 जून को सामने आया था। समाजवादी पार्टी ने चढ़ावे में से करीब 7 से 7.5 करोड़ रुपये का गवन का आरोप लगाया था। सपा के प्रमुख अखिलेश यादव के इन दावों का समर्थन किया था और इस पर जवाब मांगा था। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने शुरू में इन आरोपों को खारिज कर दिया था।

तीसरी पत्नी के साथ रह रहा था बिजली विभाग का जेई, दूसरी ने आकर मोहल्ले में मचा दिया शोर

किराए से रह रहे जेई की दूसरी पत्नी ने हंगामा खड़ा कर दिया है। वह अपनी तीसरी पत्नी के साथ किराए के मकान में रह रहा था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ़। जीरापुर नगर की मुंदड़ा कॉलोनी में शुक्रवार को विद्युत विभाग में पदस्थ एक जूनियर इंजीनियर (जेई) के पारिवारिक विवाद ने हाई वोल्टेज ड्रामे का रूप ले लिया। दूसरी पत्नी के अचानक घर पहुंचने पर तीसरी पत्नी के साथ उसका आमना-सामना हो गया। इसके बाद मोहल्ले में हंगामा मच गया। तमाशा देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।



गाली-गलौज और हाथापाई की नौबत आ गई

देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि दोनों के बीच कहासुनी, गाली-गलौज और हाथापाई की नौबत आ गई। घटना से कॉलोनी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।

किराए के मकान पर रहता है जेई

मिली जानकारी के अनुसार विद्युत विभाग में पदस्थ जेई सुबोध कुमार मुंदड़ा कॉलोनी स्थित एक किराए के मकान में रह रहा था। वह पहले से दो विवाह कर चुका है और वर्तमान में तीसरी महिला के साथ रह रहा था। इसी बीच दूसरी पत्नी को इसकी जानकारी मिली तो वह मौके पर पहुंच गई। घर में तीसरी पत्नी को देखकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट तक पहुंच गया। घटना के दौरान घर के बाहर शोर-शराबा और चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए। स्थिति बिगड़ती देख किसी ने डायल-112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाईश देकर थाने ले गई, जिसके बाद मामला शांत हो सका।

'एक्टिवा तोड़ दूँ वया, मोबाइल बंद करो', वलासरूम में लेडी टीचर को पटक और कुर्सी फेंक दी बाहर,

अशोकनगर के एक शासकीय स्कूल में युवक ने गुंडागर्दी की है। उसने लेडी टीचर को वलास में धक्का दे दिया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अशोकनगर। मध्य प्रदेश के अशोकनगर स्थित एक शासकीय स्कूल में घुसकर युवक ने उत्पात मचाया है। कथित रूप से वह नशे में था। उसने क्लासरूम में घुसकर लेडी टीचर की कुर्सी फेंक दी है। इसके बाद लगातार धमकी दे रहा था कि एक्टिवा तोड़ दूँ वया। शिक्षिका ने जब विरोध की तो वह झुमझटकी करने लगा।



उसी गांव का रहने वाला है आरोपी

पूरा मामला अशोकनगर जिले के देवछी गांव का है। गांव स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका बच्चों को पढ़ा रही थी। तभी शराब के नशे में सुमित यादव नाम का युवक पहुंचा था। इसके बाद हंगामा शुरू कर देता है।

वलासरूम से कुर्सी खींचकर फेंक दी

क्लासरूम में युवक के हंगामे को देखकर शिक्षिका डर गईं। वह पहले क्लास में कुर्सी को उठाकर पटक दिया। शिक्षिका ने जब उसे कहा कि तुमने कुर्सी तोड़ दी है। इसके बाद वह क्लासरूम से कुर्सी को खींचकर ले जाता है और परिसर में पटककर उसे तोड़ दी।

एक्टिवा तोड़ वया

शिक्षिका स्कूल एक्टिवा से आती है। युवक सुमित यादव कुर्सी तोड़ने के बाद बाहर खड़ी स्कूटी के पास पहुंच जाता है। वह स्कूटी के करीब आकर कहता है कि मैं एक्टिवा को तोड़ दूँ वया। शिक्षिका बाहर निकलकर उसे मना करती है कि ऐसा मत करो। साथ ही वह वीडियो बना रही थी। आरोपी कहता है कि तुम वीडियो बनाना बंद करो। इसके बाद वह झुमझटकी करने लगता है बताया जा रहा है कि आरोपी युवक के चाचा इसी स्कूल में अतिथि शिक्षक थे। उन्हें हटा दिया गया है। युवक आरोप लगा रहा था कि लेडी शिक्षक की वजह से ही उनको नौकरी गई है। वहीं, पीड़ित शिक्षिका का नाम मीनू पनेरिया है। वह मूल रूप से नीमच की रहने वाली हैं। उन्होंने बताया कि 2023 में हमारी यहाँ पोस्टिंग हुई थी। भुवनेश्वर की सुबह जब मैं क्लास ले रही थी तो साढ़े ग्याह बजे सुमित यादव क्लास में आकर घुस गया। साथ ही अपशब्द कहने लगा। मुझे धक्का देकर फर्श पर गिरा दिया। आरोपी सुमित यादव ने शिक्षिका को धमकी दी है कि तुम यहाँ से ट्रान्सफर करवा लो, वरना किसी दिन जान से मार दूँगा। शिक्षिका को शिकायत पर पुलिस ने एससी एसटी एक्ट में केस दर्ज कर लिया है।

दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका बिजली कंपनियों के CAG ऑडिट पर लगी रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार के उस फैसले पर रोक लगा दी है जिसमें बिजली कंपनियों (डिस्कॉम) का CAG ऑडिट कराने का आदेश दिया गया था। यह मामला डिस्कॉम पर बकाया करीब 38,500 करोड़ रुपये के रेगुलेटरी एसेट्स (RA) से जुड़ा है, जो सालों से उपभोक्ताओं से वसूला जाना बाकी है। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की पाठ टाइम वर्किंग डे बेंच ने यह आदेश सुनाया। गुरुवार को दिल्ली सरकार ने बिजली डिस्कॉम कंपनियों का छह ऑडिट कराने का आदेश जारी किया था। इसके तहत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक यानी छह को उन हलाकों की सूची और गहन जांच करनी थी, जिनकी वजह से डिस्कॉम कंपनियां रेगुलेटरी एसेट्स की वसूली किए बिना ही काम करती रहीं। जिन तीन कंपनियों का ऑडिट होना था, वे हैं बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (BRPL), बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (BYPL) और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (TPDDL)। दिल्ली सरकार के इस आदेश के अगले ही दिन शुक्रवार को मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सुनवाई के दौरान सिलिवर जर्नल तुषार मेहता ने अदालत में अपनी बात रखी। वे बिजली नियामक संस्था दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमिशन (DERC) की तरफ से पेश हुए थे। वहीं निजी डिस्कॉम कंपनियों की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने अपना पक्ष रखा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद बेंच ने CAG ऑडिट के आदेश पर तत्काल रोक लगा दी। रेगुलेटरी एसेट्स का मतलब होता है वह पैसा जो बिजली कंपनियों ने पहले ही खर्च कर दिया है, लेकिन उसे अभी तक उपभोक्ताओं से बिल के जरिए वसूला नहीं गया है। यह रकम धीरे धीरे हर साल जुड़ती जाती है और आगे चलकर उपभोक्ताओं के बिजली बिल में जोड़ी जाती है। दिल्ली में यह रकम अब 38,500 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है, जो एक बहुत बड़ी राशि है। दिल्ली सरकार का कहना था कि इतनी बड़ी रकम के जमा होने के पीछे की वजहों की जांच जरूरी है, इसीलिए छह ऑडिट का आदेश दिया गया था। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के रोक के बाद यह ऑडिट फिलहाल शुरू नहीं हो पाएगा।

अमित शाह संग नितिन नवीन की मैराथन बैठक, बीजेपी की सेंट्रल टीम में होगा फेरबदल ?

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने अमित शाह और वी.एल. संतोष के साथ नई केंद्रीय टीम पर चर्चा की।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। बीजेपी की केंद्रीय टीम में फेरबदल की चर्चाओं के बीच, गुरुवार को बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। पीटीआई की रिपोर्ट में बताया गया, 'सूत्रों के मुताबिक, अमित शाह के आवास पर हुई इस बैठक में बीजेपी के महासचिव (संगठन) वी.एल. संतोष भी मौजूद थे और यह बैठक करीब तीन घंटे तक चली। ' हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन माना जा रहा है कि मीटिंग में कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें बीजेपी की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम भी शामिल है। सूत्रों ने बताया कि जनवरी में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन के नेतृत्व वाली बीजेपी की नई केंद्रीय टीम में अनुभवी सीनियर और युवा नेताओं के शामिल किए जाने की उम्मीद है। यह भी जानकारी सामने आई है कि यह भी सुझाव दिया कि सरकार में पदों पर बैठे कुछ नेताओं को भी पार्टी में भेजा जा सकता है और उन्हें अहम जिम्मेदारियां दी जा सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि बीजेपी की नई सेंट्रल टीम में शामिल होने वालों के नाम जल्द ही अनाउंस किए जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी यूपी सहित कई राज्यों के विधानसभा चुनावों से पहले पूरी तरह से तैयारियों में जुट गई है। यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की टीम का गठन हो गया है और वो अपनी ब्रिगेड के साथ सियासी ताना-बाना बुनने में जुट गए तो सीएम योगी अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा कर सियासी माहौल बनाने में जुटे हैं।

दिल्ली में बिजली कंपनियों के CAG ऑडिट का आदेश जारी, सरकार ने 3 महीने में रिपोर्ट सौंपने का दिया आदेश

दिल्ली सरकार ने सीएजी को तीन बिजली कंपनियों के खातों के ऑडिट का निर्देश दिया है। सीएजी को यह काम तीन महीने में करने को कहा गया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की दिल्ली सरकार ने दिल्ली में बिजली सप्लाई करने वाली बिजली वितरण कंपनियों के खातों का सीएजी ऑडिट का आदेश दिया है। सीएजी को यह काम तीन महीने में करने को कहा गया है। बिजली सप्लाई करने वाली कंपनियों को आदेश दिया गया है कि ऑडिट के दौरान वह बकाया रेगुलेटरी एसेट्स उपभोक्ताओं से न वसूल करें। साउथ, वेस्ट, सेंट्रल और ट्रांस यमुना इलाके में बिजली सप्लाई करने वाली बिजली कंपनी की याचिका हाई कोर्ट में खारिज होने के बाद सरकार ने यह पहल की है। इस मामले में बिजली वितरण कंपनी का कहना है कि सीएजी ऑडिट का मामला कोर्ट में विचारधीन है। इसलिए मामले में किसी भी प्रकार की टिप्पणी उचित नहीं है। सीएजी ऑडिट पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि बिजली वितरण कंपनियों के खातों का सीएजी ऑडिट पावर इफ्फा के क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह दिल्ली के पावर कंस्ट्रक्शंस और टैक्स पेयर्स की जीत है। उन्होंने कहा कि पावर सेक्टर के निजीकरण के बाद कई साल तक वित्तीय निर्णय, व्यवस्थाएं और लगातार बढ़ती देनदारियों की कभी जांच नहीं हो सकी थी। 10-11 साल तक सत्ता में रही आम आदमी पार्टी ने व्यवस्थाओं की जांच करने के बाद उसे संरक्षण दिया।

दिल्ली के लोगों की सचार्ड का पता चलेगा: आशीष सूद

सूद ने कहा कि जो काम पिछली सरकारें नहीं कर पाईं, उसे बीजेपी सरकार ने महज कुछ महीनों में ही कर दिखाया है। दिल्ली के लोगों को यह जानने का पूरा हक है कि कुछ सौ करोड़ रुपये का रेगुलेटरी एसेट्स बढ़कर 38,000 करोड़ रुपये कैसे हो गया? इसका लाभ किससे मिला और लोगों पर इसका बोझ क्यों? उन्होंने कहा कि बिजली सप्लाई करने वाली कंपनियों से यह अपेक्षा है कि वह पर्याप्त रेकोर्ड्स सीएजी को उपलब्ध कराएं, ताकि ऑडिट का काम तेजी से हो सके। दिल्ली सरकार के कहने पर सीएजी भी बिजली सप्लाई करने वाली तीनों बिजली कंपनियों के खातों का ऑडिट करने को तैयार है। सीएजी के अधिकारियों ने तीनों कंपनियों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने के लिए कहा था। 22 जून को बिजली कंपनियों के प्रतिनिधि व्यक्तिगत सुनवाई में हाजिर भी हुए।

महाराष्ट्र में खत्म नहीं हुआ एकनाथ शिंदे का 'ऑपरेशन टाइगर', अब उद्भव की सेना का क्या होगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गंगाधर ढोबले/मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना के उद्भव ठाकरे गुट को प्रतिद्वंद्वी एकनाथ शिंदे गुट से बार-बार मात खानी पड़ रही है। कुछ दिनों के भीतर ही उद्भव को दो बड़े आघात झेलने पड़े। पहले उनके 6 लोकसभा सदस्य शिंदे के साथ चले गए और फिर विधान परिषद सदस्य सचिन अहिर ने भी शिंदे का दामन थाम लिया। पाला बदलते ही सचिन को उपसभापति पद की मानो लॉटरी लग गई। इस बीच, उद्भव के दो और विधायकों के शिंदे सेना में जाने की चर्चा है। कयास हैं कि उद्भव सेना के कम से कम 11 विधायक शिंदे के साथ जा सकते हैं। शिंदे का संदेश। सचिन का जाना बड़ा झटका है। वह उद्भव और आदित्य के विश्वासपात्र रहे हैं। दक्षिण मुंबई और कामगार क्षेत्र में उनकी तुली बोलती है। उद्भव के बेटे आदित्य को वली विधानसभा सीट जितवाने में उनकी बड़ी भूमिका है। फिर भी प्रश्न तो उठता ही है कि सचिन आखिर शिंदे के साथ क्यों हो लिए? शिंदे ने भी अपनी धाकड़ विधान परिषद की निवर्तमान उपसभापति नीलम गोहरे को दोबारा अवसर क्यों नहीं दिया? इसका जवाब 'अवसर और आवश्यकता' के राजनीतिक सिद्धांत में छिपा हुआ है। शिंदे BJP के नेतृत्व को यह दिखाना चाहते



हैं कि उसके बाद राज्य में सबसे ताकतवर उनकी ही पार्टी है। इस तरह सत्ता पर देर-सबेर उनका ही दावा बनता है। BJP की नाराजगी दूसरा कारण है नीलम BJP की नाराजगी। सतरा जिला परिषद चुनाव के दौरान सतारूढ़ महयुक्ति के नेताओं के साथ धक्कामुक्की व पुलिस कार्रवाई को लेकर नीलम ने एसपी तुषार दोशी और अन्य पुलिस अधिकारियों के निलंबन का आदेश दिया था।

सीएम देवेंद्र फडणवीस इससे इतने नाराज हो गए कि उन्होंने कह दिया, उपसभापति का आदेश कोई 'ब्रह्मवाक्य' नहीं होता। कानूनी पंच। सचिन 2022 में एकीकृत शिवसेना से विधान परिषद में चुने गए थे। पार्टी में फूट के बाद वह उद्भव के साथ रह गए। उन्होंने पार्टी बदली है, फिर भी दलबदल कानून के तहत कार्यवाही होने के आसार कम हैं। वह कह सकते हैं कि वह शिवसेना के

सदस्य हैं और अब अधिकृत शिवसेना में हैं, इसलिए उन्होंने पार्टी नहीं बदली। यह कानूनी पेचीदगी का मामला है। सचिन अहिर गैंगस्टर अरुण गवली के भांजे हैं। अरुण गवली की दिशा अलग थी, सचिन की दिशा रचनात्मक रही। वह 1993 में मुंबई में सक्रिय हुए। कांग्रेस से जुड़े इंटक से संलग्न 'राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ' के महासचिव और अध्यक्ष रहे। 1999 में शरद पवार की NCP से वली से विधायक बने। ऑपरेशन टाइगर ' में जो तीन सांसद बचे, उनमें अरविंद सावंत और अनिल देसाई दक्षिण मुंबई के हैं व राजभाऊ बाजे नासिक के। सचिन कम से कम मुंबई में सावंत और देसाई की चुनौतियों का सामना का सकते हैं। शिंदे के साथ जाने वाले 6 सांसदों में धाराशिव के ओमराज निंबालकर हैं। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार वहीं की हैं। पवसिंह पाटील उनके भाई हैं। निंबालकर और पाटील परिवार में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता पुरानी है। ओमराजे के पिता की हत्या का आरोप पवसिंह पर था, लेकिन 20 साल बाद वह निर्दोष बरी हुए हैं। पवसिंह के पुत्र राणा जगजित सिंह BJP के साथ हैं और उनके प्रतिद्वंद्वी शिंदे सेना के साथ। आंकड़ों पर नजर। शिंदे के जरिए 6 सांसदों को लाने का जो 'ऑपरेशन टाइगर' चला, उसके पीछे BJP का राजनीतिक दांव अवश्य है।

मुंबईकरों के लिए गुड न्यूज, इस साल मरीन लाइंस, मलाड, जोगेश्वरी, पालघर स्टेशनों का काम होगा पूरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



विकास निगम द्वारा किए जा रहे हैं। यह परियोजना मध्य रेलवे के 10 और पश्चिम रेलवे के 7 स्टेशनों को मिलाकर कुल 947 करोड़ रुपये की लागत से संचालित की जा रही है। परियोजना का अब तक 66 प्रतिशत भौतिक कार्य पूरा हो चुका है और इसे मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। खार रोड, कांदिवली और मीरा रोड स्टेशन का काम पूरा हो चुका है, जबकि भायंदर, नालसोपारा, वसई रोड और दादर स्टेशन का कार्य मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। कोटहम्ने सभी अमृत भारत

स्टेशन के काम को प्रायोरिटी पर रखा है। हमने 2028 तक मुंबई के उपनगरीय स्टेशन का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से 4 स्टेशनों का काम अपने आखिरी चरण में है और इस साल पूरा हो जाएगा। मुंबई के 5 बड़े स्टेशनों का मेजर अपग्रेडेशन अमृत भारत योजना के अलावा मुंबई के पांच प्रमुख स्टेशनों को बड़े स्तर पर अपग्रेड और पुनर्विकसित किया जा रहा है। इनमें मुंबई सेंट्रल, दादर, बांद्रा टर्मिनस, अंधेरी और बोरोवली स्टेशन शामिल हैं। दहिस्त: हाल ही में अमृत भारत योजना में शामिल किया गया है। मेजर अपग्रेडेशन वाले स्टेशनों की मौजूदा स्थिति मुंबई सेंट्रल: स्टेशन के पुनर्विकास के लिए डीपीआर और लाइट - रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुसार संशोधित किए गए हैं। दस्तावेजों की जांच रेलवे लैंड डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा की जा चुकी है।

राम मंदिर चंदा चोरी पर अब उद्भव ठाकरे ने खोला मोर्चा, 5 जुलाई को दादर में करेंगे राम रक्षा आंदोलन

अयोध्या राम मंदिर में कथित चंदा चोरी पर उद्भव ठाकरे ने बीजेपी को घेरते हुए 5 जुलाई को दादर में 'राम रक्षा आंदोलन' का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि मंदिर लूटने वालों को हिंदू कमी माफ नहीं करेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर में हुए चंदा चोरी पर अब उद्भव ठाकरे ने मोर्चा खोला है। उन्होंने कहा कि मंदिर लूटने वालों को हिंदू माफ नहीं करेंगे और हिंदुत्व के नाम पर लूट सहन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी चिंताजनक है। बीजेपी की सत्ता के मूल में राम मंदिर है। 1990 के राम मंदिर आंदोलन में शिवसैनिक भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में दान चोरी पूरे देश की चिंता का विषय है। उद्भव ठाकरे ने 5 जुलाई को दादर में राम रक्षा आंदोलन का आह्वान किया। वह खुद दादर में होने वाले विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे।



करेंगे। यह आंदोलन पूरे राज्य में चलाया जाएगा। जहां-जहां हनुमान मंदिर और राम मंदिर है, वहां आरती और हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। उन्होंने सभी हिंदुत्व समर्थक को आंदोलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। हम राम रक्षा स्तोत्र और हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। यह आंदोलन पूरे राज्य में चलाया जाएगा। उद्भव ठाकरे उद्भव ठाकरे के ऐलान को शिवसेना ने दिखावा बताया उद्भव ठाकरे के ऐलान को शिवसेना ने दिखावा बताया है। शिवसेना नेता शंभूराज देसाई ने कहा कि यूबीटी के लोग अब महा आरती करने जा



रहे हैं। उन्हें यह साफ करना चाहिए कि उन्होंने महा विकास अग्राड़ी में अपने गठबंधन के साथियों से नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लिया है या नहीं। क्योंकि जब महा विकास अग्राड़ी की सरकार बनी थी तो उद्भव ठाकरे ने हिंदुत्व की सोच को किनारे कर दिया था। जब उन्हें एहसास हुआ कि पूरे महाराष्ट्र और पूरे देश में लोग हिंदुत्व की तरफ जा रहे हैं, तो वे अब इसका दिखावा करने की कोशिश कर रहे हैं। सब जानते हैं कि ठाकरे का हिंदुत्व परमानेंट नहीं है।

नागपुर में बाइकर गैंग ने पुलिसकर्मी को कार से खींचकर पीटा, गाड़ी तोड़ी, 14 अरेस्ट

पुलिस ने बताया कि 28 जून को मनकापुर रोड पर एक धार्मिक स्थल के पास मामूली ट्रैफिक विवाद के बाद आठ बाइकर्स ने सादे कपड़ों में मौजूद एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की थी।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में ट्रैफिक पुलिसकर्मी से मारपीट के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने इस मामले में 14 लोगों को अरेस्ट किया है। दरअसल 28 जून को मनकापुर रोड पर एक धार्मिक स्थल के पास मामूली ट्रैफिक विवाद के बाद आधी रात से कुछ घंटे पहले आठ बाइकर्स ने सादे कपड़ों में मौजूद एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की। इस दौरान उन्होंने उनकी निजी गाड़ी को नुकसान पहुंचाया और उसे जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में 14 लोगों को गिरफ्तारी की गई है।



सिंह ने उन्हें सावधान करने के लिए हॉर्न बजाया, तो बाइकर्स ने पहले तो रास्ता दे दिया, लेकिन जल्द ही मनकापुर चौक की ओर तेजी से आगे बढ़ गए।

ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर बोला हमला

ट्रैफिक सिग्नल से ठीक पहले एक बाइकर ने कथित तौर पर सिंह की कार के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी। स्थिति तब और बिगड़ गई जब बाइकर्स ने उनका रास्ता रोक लिया, गैर-कानूनी तरीके से भीड़ जमा की, गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। समूह ने पुलिसकर्मी की गाड़ी पर पत्थर फेंके। पीछे की डिवकी का शीशा तोड़ दिया और बोनट को भी नुकसान पहुंचाया। जब सिंह उनसे बात करने के लिए बाहर निकले, तो भीड़ ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी

दिल्ली के इन वाहन मालिकों की होगी बल्ले-बल्ले, जेब खर्च घटाएगी सरकार की नई ईवी पॉलिसी

दिल्ली के वाहन मालिकों के लिए अच्छी खबर सामने आई है। इसके मुताबिक अब नई पॉलिसी में वाहन मालिकों को फायदा ही फायदा होने वाला है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि नई ईवी पॉलिसी 2026 सिर्फ प्रदूषण कम करने की योजना नहीं, बल्कि आम लोगों के पैसे बचाने वाली नीति भी है। सीएम रेखा गुप्ता के मुताबिक, ईवी खरीदारों को इलेक्ट्रिक डू वीलर पर 50 हजार रुपये, ई-ऑटो पर 75 हजार और कमर्शल एन-1 गुड्स कैरियर पर 1.50 लाख रुपये तक की शुरूआती बचत हो सकती है। रेखा गुप्ता का कहना है कि इस नीति का मकसद ईवी की शुरुआती खरीद लागत के साथ-साथ उनके पूरे जीवनकाल में होने वाले खर्च को कम करना है ताकि अधिक से अधिक लोग ईवी अपनाने के लिए प्रेरित हों।



सरकार देती है प्रोत्साहन राशि, आजीवन रोड टैक्स में छूट

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि नई ईवी पॉलिसी नई गाड़ी खरीदने के लिए प्रोत्साहित करता है, प्रदूषण वाली पुरानी गाड़ियों को स्कैप करने पर प्रोत्साहन राशि देता है, आजीवन रोड टैक्स में छूट है, रजिस्ट्रेशन शुल्क में माफी और पेट्रोल व डीजल गाड़ियों की तुलना में इसे चलाने में कम खर्च और खरखाव भी सस्ता है। यही कारण है कि ईवी अब घरों, व्यावसायिक चालकों और छोटे-बड़े व्यवसायों के लिए सबसे समझदारी भरा आर्थिक विकल्प बन रहे हैं। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इलेक्ट्रिक दोपहिया पर 30,000 रुपये तक की सब्सिडी, स्कैपिंग पर 10,000 रुपये की छूट, गाड़ी के पूरे जीवनकाल के लिए रोड टैक्स में छूट, रजिस्ट्रेशन शुल्क में पूरी माफी मिलेगी। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा (एल-5) खरीदने वाले को 50,000 रुपये तक की छूट न्यू ऑटो खरीदने पर मिलेगी। 25,000 रुपये स्कैपिंग के एवज में मिलेगी। इलेक्ट्रिक ग्रामीण सेवा गाड़ी खरीदने वाले को पुरानी गाड़ियों को स्कैप कराने पर 15,000 रुपये, इलेक्ट्रिक एन-1 गुड्स कैरियर को 1 लाख रुपये तक नई गाड़ी खरीदने पर मिलेंगे, इन्हें 50,000 रुपये स्कैपिंग पर मिलेगा। सीएम ने बताया कि रजिस्ट्रेशन शुल्क, स्कैपिंग प्रोत्साहन, आजीवन रोड टैक्स छूट और एकमुश्त रजिस्ट्रेशन शुल्क माफी का लाभ लेकर गाड़ी की वास्तविक खरीद लागत को काफी कम कर सकते हैं। इससे ईवी खरीदने के लिए दिल्ली देश के सबसे आकर्षक राज्यों में से एक बन गई है। सीएम ने कहा कि इस नीति के तहत रोड टैक्स से मिलने वाली छूट केवल नीति की अवधि तक ही सीमित नहीं है, बल्कि गाड़ी के पूरे जीवन काल तक लागू रहेगी। साथ ही गाड़ी खरीदते समय रजिस्ट्रेशन शुल्क में भी पूरी छूट मिलेगी। प्राइवेट इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर प्रोत्साहन का प्रावधान नहीं है। लेकिन पारंपरिक ईंधन वाली कार को स्कैप कर इलेक्ट्रिक कार खरीदता है तो एक लाख रुपये तक की राशि मिलेगी।

दिल्ली के मोतीबाग में CRPF जवान ने सर्विस रिवाँल्वर से खुद को मारी को गोली, मौके पर ही मौत

दिल्ली के मोती बाग इलाके में ड्यूटी पर तैनात 37 वर्षीय CRPF जवान नरसी लाल यादव ने अपनी सर्विस रिवाँल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मोती बाग इलाके से सीआरपीएफ जवान का आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक नरसी यादव ने अपनी सर्विस रिवाँल्वर से खुद को सिर में गोली मार ली, जिसके बाद जवान की मौके पर ही मौत हो गई।



नामले की जांच कर रही पुलिस

आत्महत्या के करने वाले जवान की पहचान 37 वर्षीय नरसी यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार जवान ने जिस समय खुद को गोली मारी वो उस समय ड्यूटी पर तैनात थे। पुलिस ने सीआरपीएफ जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर गंभीरता से मामले की जांच शुरू कर दी है, हालांकि जवान द्वारा यह आत्मघाती कदम उठाने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

शाहदरा में महिला ने की पति की हत्या

वहीं शाहदरा इलाके से बृहस्पतिवार तड़के हुए झगड़े के बाद झगड़े के दौरान एक महिला ने आवेश में आकर अपने पति की छाती पर बैठकर कथित तौर पर दुपट्टे से गला घोट हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने वारदात के कुछ घंटों के अंदर ही आरोपी अलीशा (20) को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि तड़के करीब 3:52 बजे जगतपुरी थाने में फोनकर सूचना दी गई कि एक महिला ने अपने पति का गला घोट दिया है, जिसके बाद पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मुस्तक़ीम को बेहोश हालत में पाया। उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। साथ ही बताया कि मृतक की पहचान मुस्तक़ीम उर्फ साहिल के तौर पर हुई है।

शिक्षण सामग्री, सम्मान और न्योता भोज ने बच्चों के सपनों को दी नई उड़ान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साहूदेवारा। शासकीय प्राथमिक शाला बांधाटोला में शिक्षा, सेवा और सामाजिक सरोकार का प्रेरणादायी संगम देखने को मिला। शिक्षक कल प्रतिभा अकादमी, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में शिक्षक सम्मान, शिक्षण सामग्री वितरण एवं न्योता भोज का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम ने न केवल विद्यार्थियों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी, बल्कि शिक्षा के प्रति समाज की सकारात्मक भागीदारी का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक कल प्रतिभा अकादमी के अध्यक्ष श्री संजय मैथिल एवं उपाध्यक्ष श्री महादेव जायसवाल सहित पूरा टीम ने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को स्कूल बैग, कॉपी, पेन, पेंसिल, कंवास बॉक्स सहित अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्री वितरित की। साथ ही बच्चों को मिठाई, फल एवं विंकटुट वितरित कर स्नेहपूर्ण न्योता भोज का आयोजन किया गया, जिससे विद्यालय का वातावरण उत्साह और आनंद से भर उठा। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत देवपुरा घाट के सरपंच श्री राम प्रसाद धुर्वे, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार धुर्वे, समिति के सदस्यगण, संकुल समन्वयक श्री सुखराम कंवर, श्री परमेश्वर कौशिक तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संस्था के इस सराहनीय प्रयास की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणादायी पहल बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था से जुड़े सहयोगी शिक्षक श्री मुल्लू मनोहर वर्मा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उनके समर्पण और उत्कृष्ट सेवाओं के सम्मानस्वरूप शिक्षक कल प्रतिभा अकादमी द्वारा उन्हें स्मृति-चिन्ह (मोमेंटो) भेंटकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विद्यालय हेतु भूमि दान करने वाली श्रीमती फूलबाई मेरावी को भी सम्मानित कर उनके अनुलनीय योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि जब समाज, शिक्षक और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर शिक्षा के लिए आगे आते हैं, तब बच्चों के उज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार होती है। शिक्षक कल प्रतिभा अकादमी का यह प्रयास क्षेत्र में शिक्षा के प्रति जन-जागरूकता और सामाजिक सहभागिता का प्रेरणास्रोत बन गया।

विकसित भारत जी-राम-जी योजना का शुभारंभ 2 जुलाई को

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। भारत सरकार द्वारा ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विकसित भारत-गारटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (बीबी-जी-राम-जी) योजना का शुभारंभ 2 जुलाई 2026 को किया जाएगा। यह योजना पूर्व में संचालित महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारटी योजना (मनरेगा) का उन्नत एवं विस्तारित स्वरूप है। जिसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को अधिक रोजगार, स्थायी आजीविका एवं मजबूत आधारभूत संरचना उपलब्ध कराना है। विकसित भारत-गारटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (बीबी-जी-राम-जी) योजना अंतर्गत पहले की तुलना में अब ग्रामीण परिवारों को 100 दिवस के स्थान पर 125 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। जिससे ग्रामीण परिवारों को वार्षिक आय में वृद्धि होगी तथा उन्हें आर्थिक सुरक्षा का एक मजबूत आधार प्राप्त होगा। यह नियंत्रण ग्रामीण गरीब, मजदूर, किसान एवं युवाओं के लिए नई उम्मीद लेकर आया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य में प्रति श्रमिक दैनिक मजदूरी दर में भी वृद्धि की गई है, जो पूर्व में 261 रूपए प्रति दिवस थी। उसे बढ़ाकर अब 300 रूपए प्रति दिवस कर दिया गया है। इससे श्रमिकों की आय में प्रत्यक्ष बढ़ोतरी होगी तथा ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आर्थिक संबल प्राप्त होगा। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए इस महत्वाकांक्षी योजना हेतु 95692 करोड़ रूपए की राशि का प्रावधान किया गया है। जिसमें 2286 करोड़ 18 लाख रूपए केंद्रांश एवं 1524 करोड़ 11 लाख रूपए राज्यांश शामिल हैं। इस राशि में मजदूरी मद हेतु 1900 करोड़ रूपए, सामग्री मद हेतु 1593 करोड़ 28 लाख रूपए, प्रशासनिक व्यय हेतु 297 करोड़ 1 लाख रूपए तथा सामाजिक अंकेक्षण हेतु 20 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

'डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम' से खेत से लेकर सोशल मीडिया तक सशक्त होगा किसान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रदेश सचरभारी वरुण वैद्य साहू ने कहा कि भाजपा का डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' एवं 'कृषि-संपन्न किसान' के विजन को धरातल पर उतारने वाला एक दूरदर्शी अभियान है। यह कार्यक्रम किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाकर गांव-गांव तक पार्टी की रीति-नीति और सरकार की किसान हितेषी योजनाओं को पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। श्री साहू ने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर के नेतृत्व में किसान कल्याण को डिजिटल रूप से प्रशिक्षित करने का जो संकल्प लिया गया है, उसी तर्ज पर किसान मोर्चा भी अपने प्रत्येक पदाधिकारी एवं बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता को डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ेगा। हमारा लक्ष्य है कि खेत में हल चलाते वाला किसान और सोशल मीडिया पर विचार रखने वाला कार्यकर्ता, दोनों एक साथ डिजिटल रूप से सशक्त हों। श्री वरुण वैद्य साहू ने कहा कि आज एमएसपी, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, ड्रोन तकनीक और प्राकृतिक खेती जैसी दर्जनों योजनाएं केंद्र व राज्य सरकार चला रही हैं।



सिंधु जल संधि पर भारत अपने रुख पर कायम

-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की आपतियां खारिज

-हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की प्रक्रिया पर भारत ने उठाए सवाल



नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद एक बार फिर गहरा गया है। भारत ने हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) की कार्यवाही और उसके एकतरफा फैसले को मानने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया है कि संधि के प्रावधानों को अनदेखी कर शुरू की गई किसी भी प्रक्रिया का कोई कानूनी आधार नहीं है। भारत के इस रुख के बाद पाकिस्तान के कई नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार भारत का कहना है कि सिंधु जल संधि में विवादों के समाधान के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया निर्धारित है। नई दिल्ली के अनुसार, तकनीकी विवादों पर न्यूट्रल एक्सपर्ट की नियुक्ति का प्रावधान है और उसके बाद ही अन्य

न्यूट्रल एक्सपर्ट नियुक्त करने का अनुरोध किया था। वहीं पाकिस्तान ने समानांतर रूप से कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के जरिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। तत्कालीन विश्व बैंक अध्यक्ष ने दोनों प्रक्रियाओं को साथ चलाने की मंजूरी दी, जिसे भारत ने संधि की मूल भावना के विपरीत बताया और इस प्रक्रिया में भाग लेने से इनकार कर दिया।

भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसका विरोध कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की वैधानिकता को लेकर है, न कि परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) जैसी संस्था के अस्तित्व को लेकर। सरकार का कहना है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियम-आधारित व्यवस्था का सम्मान करती है, लेकिन प्रक्रियाओं का पालन भी उतना ही आवश्यक है। विश्लेषकों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे उदाहरण पहले भी सामने आए हैं, जब विभिन्न देशों ने कुछ अंतरराष्ट्रीय न्यायिक या मध्यस्थता संबंधी फैसलों को स्वीकार नहीं किया। वहीं भारत ने 2014 में बंगाल की खाड़ी समुद्री सीमा विवाद में संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के फैसले को स्वीकार कर अंतरराष्ट्रीय नियमों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की थी।

सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच आगे की कूटनीतिक एवं कानूनी प्रक्रिया पर दोनों देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी हुई है।

बागेश्वर धाम पहुंचे अनंत अंबानी, पूजा-अर्चना की, हाथ में थामी गदा



नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एजीव्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने बागेश्वर धाम पहुंचे। यहां पहुंचने के बाद उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान वह धीरे-धीरे शास्त्री के साथ पूजा में शामिल हुए। एक वीडियो में अनंत को धीरे-धीरे शास्त्री के साथ हाथ में गदा थामे देखा गया। धीरे-धीरे शास्त्री मध्य प्रदेश राज्य के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम के मुख्य पुजारी हैं, वह कथा सुनाते हैं। बता दें कुछ दिन पहले अनंत अंबानी ने आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए थे। इस दौरान उन्होंने वहां की सालों पुरानी धार्मिक परंपरा का पालन करते हुए अपने केश भी दान किए। तिरुमला में केश दान को धार्मिक परंपरा का हिस्सा माना जाता है। श्रद्धालु केश दान को भगवान के प्रति श्रद्धा, समर्पण, कृतज्ञता और विनम्रता का प्रतीक मानते हैं। कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने पर या किसी विशेष संकल्प के तहत ही अपने केश अर्पित करते हैं। तिरुमला में केश दान की यह परंपरा हजारों साल पुरानी मानी जाती है।

बेंगलुरु डे-केयर केस: वीडियो में मासूमों को टॉवर करने वाली महिला गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में मासूमों के साथ बर्बरता के चर्चित डे-केयर मामले में पुलिस ने पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने विजयलक्ष्मी नामक महिला को गिरफ्तार किया है, जो वायरल वीडियो फुटेज में बच्चों को अमानवीय रूप से प्रताड़ित करती दिख रही थी। इस मामले में पुलिस ने तीन अन्य लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वे गुरुवार को पेश नहीं हुए।

यह गंभीर मामला बुकफ्रीड इलाके में स्थित प्रतिष्ठित आईटी कंपनी कैपजेमिनी के केम्पस के भीतर चल रहे डे-केयर सेंटर से जुड़ा है। यहां दो से तीन साल के बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के वीडियो व्हाट्सएप पर वायरल होने के बाद चर्चा के उल्लास तक पहुंचे, जिसके बाद यह झूठा उजागर हुआ। वीडियो में बच्चों को रोते हुए और उनके साथ मारपीट करते हुए साफ देखा जा सकता है।

शिकायत के अनुसार, रोते हुए बच्चों को चुप करने के लिए कई अमानवीय तरीके अपनाए गए। आरोप है कि बच्चों को जबरन बाथिंग मशीन के अंदर बिठवाया गया, वेस्टर्न टॉयलेट में बैठकर जेट स्पे से उनके मुंह में

पानी डाला गया, और उन्हें बाथरूम में बंद कर चुप रहने की धमकी दी गई। यह सब देखकर बच्चों के माता-पिता गहरे सदमे में हैं। इस मामले में डे-केयर की पांच महिला कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस शहर के अन्य डे-केयर सेंटरों की जांच कर रही है कि क्या ये निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं। कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियांक खडगे ने घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देकर बच्चों के साथ दुर्व्यवहार पर ज़ोर देते हुए नीति अपनाने की बात कही है।

सलमान खान फायरिंग मामले में अनमोल बिश्नोई ने कोर्ट में किया सरेंडर का आवेदन, वीडियो कॉन्फेंसिंग से पेशी की मांग

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल कथित गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने विशेष अदालत में एक आवेदन दखिल कर इस मामले में स्वेच्छा से सरेंडर करने और न्यायिक प्रक्रिया में शामिल होने की इच्छा जताई है। पिछले अममोल बिश्नोई एक अन्य मामले में तिहाड़ जेल में बंद है। अनमोल बिश्नोई के वकीलों की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि वह निष्पक्ष सुनवाई और न्याय के हित में इस मामले में स्वेच्छा से अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहता है तथा चल रही न्यायिक कार्यवाही का हिस्सा बनना चाहता है। वृत्ति वह पहले से ही एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में है, इसलिए वह स्वयं अदालत में उपस्थित नहीं हो सकता।

इस घटना के सामने आने के बाद कैपजेमिनी ने अपने बेंगलुरु कैम्पस का डे-केयर सेंटर अस्थायी रूप से बंद किया है और पुलिस जांच में पूरा सहयोग कर रही है। एक डिप्टी कमिश्नर रैक की महिला अधिकारी मामले की जांच का नेतृत्व कर रही हैं। पुलिस ने साफ किया है कि इस जघन्य अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, और वीडियो तथा सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच जारी है।

पंजाब कांग्रेस में कलह: चन्नी और मनीष तिवारी में खटपट

विस चुनाव में टिकट को लेकर होने लगे दो-दो हाथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस आलाकमान भले ही पंजाब में जारी आंतरिक कलह को शांत करने और पार्टी के दिग्गज नेताओं के बीच फिलहाल के लिए समझौता कराने में कुछ सफलता पाई हों, लेकिन पार्टी के भीतर गुटबाजी की दरारें अभी भी बहुत गहरी हैं। सबसे बड़ा पेच अब इस बात पर फसा है कि क्या अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मौजूदा लोकसभा सांसदों को टिकट दिया जाना चाहिए या नहीं।



यह एक ऐसा मुद्दा है जो पंजाब कांग्रेस में फिर से बड़ा सिपाही तूफान खड़ा कर सकता है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत मुख्यमंत्री पद के कई बड़े दावेदार इस समय लोकसभा सांसद हैं। सूत्रों के मुताबिक, चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष का पद संभालने के लिए बेहद उत्सुक थे। वे अमरिंदर सिंह राजा वारिंग को ही प्रदेश अध्यक्ष पद पर बनाए रखने की हठी इच्छा देने के बाद आलाकमान से नाराज हैं। हालांकि, आलाकमान ने संतुलन बनाने के लिए वारिंग को अध्यक्ष और प्रताप

सिंह बाजवा को विधायक दल का नेता बनाए रखा है, जबकि चन्नी और अन्य वरिष्ठ नेताओं जैसे लोकसभा सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, अमर सिंह और कांग्रेस के संयुक्त कोषाध्यक्ष विजय इंदर सिंगला को चुनाव से जुड़ी महत्वपूर्ण कमेटीयों का प्रमुख बनाकर संतुष्ट करने का प्रयास किया है। कांग्रेस आलाकमान का यह फैसला काफी गहन विचार-विमर्श के बाद आया है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन की अगुवाई वाले तीन सदस्यीय पैनल ने करीब 66 वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उनकी राय ली थी। ऐसा इसलिए करना

पड़ा क्योंकि पार्टी के एक बड़े धड़े का मानना था कि वारिंग को बदला जाना चाहिए, वहीं वारिंग के समर्थन में भी कई नेता थे। इस सबके बीच, जाट सिख समुदाय के कम से कम 30 नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष महिषकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर समय मांगा था ताकि वे एक दलित सिख नेता के रूप में चर्ची को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की पैरवी कर सकें। जैसे ही चन्नी खेमे ने दबाव बनाना शुरू किया, दूसरे गुट भी सक्रिय हो गए। नवंबर 2025 में नियुक्त किए गए अधिकांश जिला अध्यक्षों ने राजा वारिंग का समर्थन किया। दूसरी तरफ, दो बड़े जाट सिख नेताओं प्रताप सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा ने हाथ मिला लिया ताकि चन्नी को इस पद से दूर रखा जा सके। चन्नी विरोधी खेमे ने तो यहां तक प्रस्ताव दे दिया था कि अगर चन्नी को अध्यक्ष बनाया जाता है तो उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। एक तर्क यह भी दिया गया कि चुनाव से कुछ महीने पहले वारिंग को हटाना गलत संदेश देगा।

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरानी दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत से प्रतिनिधिमंडल भेजने को लेकर हो रही राजनीतिक बयानबाजी पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने नाराजी ज़ाहिर की है। उन्होंने एक सामान्य बात बताकर बेवजह राजनीति न करने की सलाह दी है। कांग्रेस नेता थरूर ने स्वीकार किया कि इतने वरिष्ठ आध्यात्मिक नेता के निधन पर और ऊंचे स्तर पर शोक जताया जा सकता था और किया जाना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने तुरंत जोड़ दिए ऐसी स्थिति में हमेशा उन दिवंगत नेताओं के प्रति सम्मान दिखाना महत्वपूर्ण है जो इतने महत्वपूर्ण पद पर थे। उन्होंने इसकी पुष्टि की कि भारत से एक प्रतिनिधिमंडल इरान गया है, जिसमें उनके सहयोगी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुशीदा भी शामिल हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने इस तरह के आयोजनों को वैश्विक कूटनीति का एक



सामान्य हिस्सा बताया। उन्होंने मरद देखा के अंतिम संस्कार और राजीव गांधी की हत्या के बाद भारत आए विश्व भर के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के भेजने पर सवाल उठा रहे थे। उनका मानना है कि व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए जाना एक बहुत ही सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि हमें इसे लेकर कोई बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। थरूर की टिप्पणी उन लोगों के लिए एक सीधा संदेश थी जो इरान के शीर्ष धार्मिक नेता के निधन पर भारत के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के भेजने पर सवाल उठा रहे थे। उनका मानना है कि व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए जाना एक बहुत ही सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि हमें इसे लेकर कोई बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर संघ: राम भक्तों की भावनाएं आहत, दोषियों को मिले कड़ी सजा

यह पूरे हिन्दू समाज के लिए आस्था और भक्ति का केंद्र

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दान पात्रों से चढ़ावा चोरी होने के मामले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुरुआत में अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना से करोड़ों राम भक्तों की भावना और श्रद्धा को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एफआईटी) से दोषियों को कठोरतम सजा दिलाने की अपील की है। संघ ने कहा कि राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष, समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतिफल है। यह पूरे हिन्दू समाज के लिए आस्था और भक्ति का केंद्र है। इसके बाद दानपात्रों से राशि की चोरी जैसी घटना अत्यंत निंदनीय और दुःखद है, इस घटना ने आरएसएस सहित समूचे समाज की भावनाओं को चोट



पहुंचाई है। संघ नेता होसबाले ने कहा कि जांच में जो भी दोषी मिले, उन्हें निश्चित रूप से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। संघ ने एक असाधारण मामला मानकर मांग की है कि मंदिर की व्यवस्था और

प्रबंधन में जो भी कमियां हैं, उन्हें तुरंत दूर करें। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राम मंदिर के दान से जुड़ी ऐसी गंभीर घटना को हलके में न लिया जाए। संघ का मानना है कि लोगों के बीच व्याप्त

भ्रम और सवाल का खत्म होना जरूरी है, जिसके लिए मंदिर प्रबंधन और एफआईटी दोनों को मिलकर सभी जरूरी कदम उठाने चाहिए। संघ ने वित्तीय व्यवस्था में पारदर्शिता और उचित संचालन पर जोर दिया ताकि श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर हिंदू समाज का भरोसा बना रहे।

गौरलब है कि बीते दिनों राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया था, जिसमें मंदिर के अंदरूनी व्यवस्था से जुड़े कई लोग शामिल मिले। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के झूठे बयानों के खिलाफ कूल आठ लोगों को मामले में गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों में मंदिर में दान की गणना करने वाले लोग भी शामिल हैं। संघ के बयान के बाद उम्मीद है कि मामले की जांच और भी तेजी से आगे बढ़ेगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

आरोपी लवकुश के नाना की धमकी... हिम्मत हो, तब चलाएं बुलडोजर

-आरोपी की मां ने कहा, मेरे बेटे को फंसाया जा रहा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। इस मामले में आठ आरोपियों में से एक लवकुश मिश्रा के घर से हाल ही में पुलिस ने 14.25 लाख नकद बरामद किए हैं। बरामदगी के बाद लव कुश के नाना जगदंबा प्रसाद ने पुलिस और योगी सरकार को सीधा चुनौती देकर कहा, हिम्मत हो, तब चलाएं बुलडोजर।

आरोपी के नाना प्रसाद ने बरामद नकदी पर सवाल उठाकर कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और उन्होंने पुलिस से तलाशी का रिफॉर्ड मांगा है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि उनके घर में, जहां सूखे चारे और कड़ों के ढेर में तलाशी ली गई, इतनी बड़ी रकम कैसे मिल सकती है। उन्होंने अपने नाती लव कुश को निर्दोष बताया, जो गाड़ी के शोके का काम करता था। जगदंबा प्रसाद ने अपने घर की पूरी रजिस्ट्री होने का दावा कर कहा कि वे सरकार और मंदिर ट्रस्ट से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन सब बेकार रहा। इधर, लव कुश



की मां ने भी अपने बेटे को निर्दोष बताकर आरोप लगाया कि सुपुत्र को फंसाया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 14.25 लाख नकद लव कुश के घर में अलमारी और गोबर के ढेर के नीचे छिपाए गए थे। छ्पेमारी में अरुण दस्तावेज और जमीन की रजिस्ट्री के कागजात भी बरामद हुए। जांच में सामने आया कि राम मंदिर ट्रस्ट में 12,000 से 15,000 की मासिक नौकरी करने वाले लव कुश ने अपनी पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर अयोध्या में एक कीमती जमीन खरीदी थी।

इसके बाद अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने सुप्रिया मिश्रा के नाम पर बन रही बिल्डिंग को लेकर नोटिस जारी किया है, जिसमें निर्माण में नियमों के उल्लंघन का आरोप है। एडीए ने एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है और जवाब न मिलने पर ध्वस्तिकरण सहित अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। यह पूरा मामला सीसीटीवी फुटेज की जांच और चढ़ावे की

गिनती में अनिश्चितताएं सामने आने के बाद उजागर हुआ था। मंदिर ट्रस्ट की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरक्षाकर्मी सहित उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया है, और चोरी की गई नकदी व अन्य कीमती सामान बरामद करने का दावा किया है। इस घटना के बाद राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और चढ़ावे के ऑडिट सिस्टम को पहले से अधिक सख्त कर दिया गया है।

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने ईरान प्रतिनिधिमंडल पर राजनीति से बचने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरानी दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत से प्रतिनिधिमंडल भेजने को लेकर हो रही राजनीतिक बयानबाजी पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने नाराजी ज़ाहिर की है। उन्होंने एक सामान्य बात बताकर बेवजह राजनीति न करने की सलाह दी है। कांग्रेस नेता थरूर ने स्वीकार किया कि इतने वरिष्ठ आध्यात्मिक नेता के निधन पर और ऊंचे स्तर पर शोक जताया जा सकता था और किया जाना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने तुरंत जोड़ दिए ऐसी स्थिति में हमेशा उन दिवंगत नेताओं के प्रति सम्मान दिखाना महत्वपूर्ण है जो इतने महत्वपूर्ण पद पर थे। उन्होंने इसकी पुष्टि की कि भारत से एक प्रतिनिधिमंडल इरान गया है, जिसमें उनके सहयोगी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुशीदा भी शामिल हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने इस तरह के आयोजनों को वैश्विक कूटनीति का एक



सामान्य हिस्सा बताया। उन्होंने मरद देखा के अंतिम संस्कार और राजीव गांधी की हत्या के बाद भारत आए विश्व भर के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के भेजने पर सवाल उठा रहे थे। उनका मानना है कि व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए जाना एक बहुत ही सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि हमें इसे लेकर कोई बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना

चाहिए। थरूर की टिप्पणी उन लोगों के लिए एक सीधा संदेश थी जो इरान के शीर्ष धार्मिक नेता के निधन पर भारत के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के भेजने पर सवाल उठा रहे थे। उनका मानना है कि व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए जाना एक बहुत ही सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि हमें इसे लेकर कोई बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना

मानसून सत्र में आ सकता है भ्रष्टाचार-रोधी संविधान संशोधन विधेयक

-जेपीसी 17 जुलाई को दे सकती है रिपोर्ट, विपक्ष ने प्रस्तावित प्रावधानों पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में भ्रष्टाचार-रोधी प्रावधानों से जुड़े प्रस्तावित संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 को आगे बढ़ सकती है। इस विधेयक की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट 17 जुलाई को मंजूर होने की संभावना है। इसके बाद सरकार समिति की सिफारिशों पर विचार कर विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रख सकती है और फिर संसद में पेश किया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह विधेयक पिछले वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किया गया था। प्रस्तावित प्रावधानों के तहत यह प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी मंत्री को ऐसे मामले में गिरफ्तार किया जाता है, जिसमें पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान हो, और वह लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसके पद पर बने रहने से जुड़े प्रावधान लागू हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जेपीसी विधेयक के मूल उद्देश्य को बरकरार रखे, हुए उसके संभावित दुष्परभाव को रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की सिफारिश कर सकती है। समिति यह भी स्पष्ट करने की सिफारिश कर सकती है कि ये प्रावधान केवल गंभीर आपराधिक

मामलों पर ही लागू हों, ताकि किसी निर्दोष जनप्रतिनिधि को अनावश्यक नुकसान न उठाना पड़े। रिपोर्टों के अनुसार संसदीय समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी का कहना है, कि विधेयक का उद्देश्य राजनीति का अपराधीकरण करना और संवैधानिक नैतिकता को मजबूत करना है। उनके अनुसार, समिति के समक्ष आए अधिकांश सुझाव सकारात्मक रहे हैं। हालांकि, विपक्ष ने इस प्रस्तावित संशोधन का विरोध किया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि केवल न्यायिक हिरासत के आधार पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को पद से हटाने का प्रावधान प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और संघीय ढांचे के विपरीत हो सकता है।

उनका कहना है कि दोषसिद्धि से पहले ऐसी कार्रवाई का राजनीतिक दुष्परभाव किया जा सकता है। जेपीसी में गैर-एनडीए दलों के कुछ सदस्यों ने भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। एआईएमआईएम सांसद अमरदुद्दीन आबेसी और अन्य विपक्षी नेताओं का तर्क है कि नए आपराधिक कानूनों के तहत लंबी न्यायिक हिरासत की संभावना को देखते हुए इस प्रकार का प्रावधान निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने का माध्यम बन सकता है। बहरहाल यदि जेपीसी 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट सौंप देती है, तो प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक संसद के संभावित 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र के प्रमुख विधायी एजेंडों में शामिल हो सकता है।



आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के लिए निर्देश

नई दिल्ली।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम उत्पादक किसानों की समस्याओं का समाधान तलाशने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तहत एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

यह फैसला केंद्रीय कृषि मंत्री के हालिया आंध्र प्रदेश दौरे के बाद लिया गया, जहां किसानों ने उन्हें बताया कि प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) उद्योग में बढ़े पैमाने पर उपयोग होने वाली तोतापुरी आम की किसिम के दाम पिछले कुछ महीनों में काफी गिर गए हैं। किसानों ने बताया कि कीमतों में लगातार गिरावट से उनकी आय पर गंभीर असर पड़ा है और आम उत्पादक किसानों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है। इन परिस्थितियों को देखते हुए कृषि मंत्री ने आईसीएआर को वैज्ञानिकों और संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया है, जो तोतापुरी आम से जुड़े पूरे क्षेत्र का व्यापक अध्ययन करेगी। समिति को खेती, प्रसंस्करण, विपणन, घरेलू व्यापार और निर्यात सहित पूरी वैल्यू चेन का विश्लेषण करने और किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र के दीर्घकालिक एवं टिकाऊ विकास के लिए उपयुक्त सुझाव देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कृषि मंत्री ने समिति को निर्देश दिया है कि वह अगले 10 दिनों के भीतर आंध्र प्रदेश के प्रमुख तोतापुरी आम उत्पादक क्षेत्रों का दौरा करे। इस दौरान समिति किसानों, प्रोसेसिंग उद्योग के प्रतिनिधियों, निर्यातकों, राज्य के बागवानी विभाग के अधिकारियों, फार्म प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत कर मौजूदा स्थिति का विस्तृत आकलन करेगी। समिति तोतापुरी आम की खेती की वर्तमान स्थिति, उत्पादन लागत, किसानों की आय, प्रसंस्करण क्षमता और उसके उपयोग, मांग और आपूर्ति की स्थिति तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमतों में आई गिरावट के कारणों का अध्ययन करेगी।

उज्वला योजना अब सिर्फ 4 सिलेंडर पर मिलेगी सब्सिडी

- वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू होंगे नए नियम, लाभार्थियों को मिलेंगे लगभग 1200 कम

नई दिल्ली।

द्र सरकार ने उज्वला योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। अब वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 में लाभार्थियों को साल में केवल 4 सिलेंडर वाले सिलेंडर मिलेंगे, जो पहले 9 थे। इस बदलाव का सीधा असर उन लाखों परिवारों पर पड़ेगा जो इस योजना से जुड़े हैं। पहले मिलने वाली कुल 2700 की सब्सिडी अब घटकर लगभग 1200 रुपए रह जाएगी। यह नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और उन परिवारों को सीधा प्रभावित करेगा जो नियमित रूप से गैस सिलेंडर का उपयोग करते हैं। यदि कोई उज्वला लाभार्थी हर महीने एक सिलेंडर लेता है, तो जुलाई 2026 में उसे इस वित्तीय वर्ष का आखिरी सब्सिडी वाला सिलेंडर मिल सकता है। इसके बाद, अगस्त 2026 से उन्हें एलपीजी सिलेंडर पूरी कीमत पर खरीदना होगा, जिससे रसोई का मासिक खर्च बढ़ना तय है। अगर मौजूदा कीमतें बनी रहती हैं, तो दिल्ली में घरेलू सिलेंडर लगभग 942 रुपये का मिलेगा, जहां अभी करीब 300 रुपये की सब्सिडी मिल रही है। सब्सिडी खत्म होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव आएगा।

एचसीएलटेक को यूरोप की कंपनी से मिला 1.14 अरब डॉलर का ठेका

नई दिल्ली।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचसीएलटेक को यूरोप मुख्यालय वाली 'फॉर्च्यून ग्लोबल 50' सूची की एक कंपनी से उसके डिजिटल कार्यस्थल एवं उद्यम नेटवर्क के रूपांतरण तथा प्रबंधन के लिए 1.14 अरब अमेरिकी डॉलर का ठेका मिला है। एचसीएलटेक ने उस कंपनी का नाम उजागर नहीं किया है। शेर बाजार को शुक्रवार को दी सूचना के अनुसार इस साझेदारी के तहत एचसीएलटेक उस कंपनी के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित परिचालन मॉडल स्थापित करेगी। समझौते की शुरुआती अवधि जुलाई 2026 से दिसंबर 2031 तक यानी साढ़े पांच वर्ष की होगी। इसके बाद साझेदारी को पांच वर्ष और बढ़ाने का विकल्प भी रहेगा।

भारत के 7 स्टार्टअप को मिलेंगे 30-30 लाख रुपए, साथ ही मिलेगा मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

नई दिल्ली।

भारत के 7 स्टार्टअप को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) समर्थित फिक्की-मसिंडीज-बेंज भारत इनोवेशन एंड बिजनेस आईडियाज चैलेंज प्रोग्राम के तहत फंडिंग के साथ-साथ संरचित मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप की तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करना और उन्हें निवेश के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, देश भर से आए आवेदनों के बीच आयोजित इस राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज में चयनित प्रत्येक स्टार्टअप को 30-30 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

कार्यक्रम के तहत आयोजित एक वर्चुअल संवाद में डीपीआईआईटी के अतिरिक्त सचिव अतीश कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम, जिनमें फंडिंग के साथ विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी शामिल हो, भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाते

और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंपनियों तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने फिक्की और मसिंडीज-बेंज इंडिया को इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह पहल भारत के तेजी से विकसित हो रहे इनोवेशन इकोसिस्टम और देश के युवा उद्यमियों को अपार क्षमता को दर्शाती है। सिंह ने कहा कि समय पर मिलने वाला मार्गदर्शन और सहयोग नवाचार करने वाले युवाओं को राष्ट्रीय प्रार्थमिकताओं के अनुरूप समाधान विकसित



करने में मदद करता है। उनके अनुसार, इस तरह के साझेदारी आधारित प्रयास भारत को नवाचार-आधारित विकास की दिशा में आगे बढ़ाने और वैश्विक इनोवेशन लीडर बनाने के लिए बेहद आवश्यक है।

भारत के कंज्यूमर गुड्स सेक्टर की आय वृद्धि दर 2030 तक 17.3 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में वर्ष 2025-2030 की अवधि के दौरान आय 17.3 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। ब्रिकवर्क रेंटिंस की रिपोर्ट के अनुसार, कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में आय में तेज बढ़ोतरी की वजह क्रेडिट ग्रोथ, जीएसटी में कटौती, टियर-II और टियर-III शहरों से बढ़ी हुई मांग

और प्रीमियम प्रोडक्ट्स की ओर झुकाव है। वहीं, हेल्थकेयर सर्विस सेक्टर के लिए अच्छे संकेतकों में मजबूत रहिए और डेट कवरेज रेश्यो, लगभग 13 अरब डॉलर का मेडिकल टूरिज्म मार्केट और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत प्रोग्राम का विस्तार शामिल है। ब्रिकवर्क रेंटिंस के रिसर्च हेड राजीव शरण ने कहा, +में उम्मीद है कि वित्त वर्ष 26 में मजबूत मैनुफैक्चरिंग और सर्विस गतिविधियों के दम पर जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत

बनी रहेगी। वित्त वर्ष 27 के लिए वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।+

वित्त वर्ष 27 में महंगाई दर लगभग 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, हालांकि, भू-राजनीतिक जोखिम और अल नीनो पर नजर रखना जरूरी है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 27 में अपने लिए 25 रेटेड सेक्टरों में से 22 के लिए रियल एस्टेट आउटलुक का अनुमान लगाया गया है। इसे मजबूत घरेलू मांग, सरकार के लगातार कैपिटल खर्च, अच्छी

बैलेस शीट, बेहतर ऑपरेंटिंग मार्जिन और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं के बावजूद अनुमानित केश फ्लो का समर्थन मिला है।

टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम, इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, इंडस्ट्रियल और पावर जेनरेशन सेक्टर को डी-लीवरिजिंग (कर्म कम करने), पॉलिसी सपोर्ट, नए ट्रेड एग्रीमेंट के तहत निर्यात के मौकों और लंबे समय तक मांग की संभावनाओं से फायदा मिलता है।

भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 262 अंक उछला; रियल्टी, आईटी और फार्मा शेयर चमके

मुंबई।

वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ।

इस दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिली। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 77,763.91 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50

95.15 अंक यानी 0.39 प्रतिशत बढ़कर 24,270.85 पर पहुंच गया।

दिन के सत्र में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,502.12 से 0.83 प्रतिशत यानी 650.22 अंकों की शानदार बढ़त के साथ 78152.34 पर खुला और दिन के कारोबार में यह 655.40 अंकों यानी 0.84 प्रतिशत की उछाल के साथ 78,157.52 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,175.70 से 0.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,375.65 पर खुला और दिन के कारोबार में

यह 0.83 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,378.15 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। लगातार तीन सत्रों की बढ़त के साथ सेंसेक्स में लगभग 1,300 अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वहीं, एनएसई में तीन दिनों में 400 से अधिक अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस तरह, इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे लगातार चौथे सप्ताह बढ़त का सिलसिला जारी रहा। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में

0.19 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी हेल्थकेयर (1.8 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (1.7 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (1.7 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (0.7 प्रतिशत) ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी पीएसयू बैंक सबसे अधिक गिरावट दर्ज करने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.16 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 19 पैसे बढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.16 पर पहुंच गया।

डॉलर सूचकांक के मुकाबले पिछले 15 महीनों के उच्च स्तर से नीचे आने से रुपये को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद आयातकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग के कारण रुपये पर दबाव कायम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.16 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 19 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 19 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.35 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 100.81 पर रहा जो हाल के 15 महीनों के उच्च स्तर 101.6 से नीचे है।

भारत की कर्मशियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक तीन गुना बढ़कर 100 गीगावाट होने की उम्मीद रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की कर्मशियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक बढ़कर 100 गीगावाट हो सकती है, जो कि 2025 में 32 गीगावाट है। साथ ही स्थापित एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की क्षमता 10 गुना से अधिक बढ़कर 31 गीगावाट-घंटा होने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस और कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस की रिपोर्ट में इस तेज वृद्धि का श्रेय कंपनियों के डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों, आसमान छूते ग्रिड टैरिफ और ऊर्जा लचीलेपन की बढ़ती आवश्यकता को दिया गया है, जिसमें राज्य-स्तरीय नियामक इनोवेशन स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की गति को तेज कर रहा है। यह रिपोर्ट नई दिल्ली के यशोभूमि (आईआईसीसी) में 8-10 जुलाई को होने वाले इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक (आईईएसडब्ल्यू) 2026 में जारी की जाएगी। इसमें 200 से अधिक प्रदर्शक और 10,000 से अधिक इंडस्ट्री लीडर्स शामिल होंगे। यह इवेंट क्लीन एनर्जी वैल्यू

चेन में पॉलिसी पर चर्चा, टेक्निकल जानकारी के आदान-प्रदान और इनोवेशन को दिखाने के लिए एक बेहतरान मंच होगा। आईईएसडब्ल्यू 2026 में भारी उद्योग, खान, बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्यावरण जैसे अहम मंत्रालयों के सीनियर अधिकारी, राज्यों के प्रतिनिधियों और रेगुलेटरी बॉडीज के साथ मिलकर खुली बातचीत करेगी। प्रेस रिलीज के अनुसार, इस इवेंट में पॉलिसी से जुड़ी रुकावटों, राज्य-स्तर के सुधारों और इंडस्ट्री की जरूरतों पर खुलकर चर्चा होगी। इसका मकसद भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन (स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव) को तेजी देने के लिए ऐसे समाधान निकालना है जिन्हें असल में लागू किया जा सकता है। आईईएसडब्ल्यू के अध्यक्ष देवमाय्य सेन ने कहा, +हमारी नई रिसर्च से पता चलता है कि भारत का सीएंडआई (कर्मशियल और इंडस्ट्रियल) एनर्जी स्टोरेज मार्केट न सिर्फ बढ़ रहा है, बल्कि एक नए दौर की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्यों की दूरदर्शी नीतियों और



कॉर्पोरेट जगत से बढ़ती मांग के कारण, स्टोरेज अब सिर्फ बैंकअप नहीं, बल्कि मजबूती और डीकार्बोनाइजेशन के लिए एक अहम रणनीतिक टूल बनता जा रहा है।

अभी जो तेजी दिख रही है, वहीं अगले दशक में इस सेक्टर की दिशा तय करेगी।+ रिपोर्ट में महाराष्ट्र की नई रिन्यूएबल एनर्जी और स्टोरेज पॉलिसी पर जोर दिया गया है, जिसके तहत 100 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले हर नए रिन्यूएबल प्रोजेक्ट के लिए स्टोरेज की सुविधा जरूरी है। इस पॉलिसी के अनुसार, डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियों को भी वित्त वर्ष 2035-36 तक अपनी कुल बिजली का

10 प्रतिशत हिस्सा स्टोरेज से हासिल करना होगा। गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान भी कॉस्ट-रिफ्लेक्टिव बैंकिंग, सेटलमेंट पॉलिसी और ट्रांसमिशन चार्ज में छूट जैसे उपायों के जरिए इसे तेजी से अपनाने में मदद कर रहे हैं। स्टोरेज तकनीक को अपनाने में इंडस्ट्रियल यूनिट्स सबसे आगे रहेंगी और कुल ईएसएसई इस्टॉलेशन में इनकी हिस्सेदारी आधे से अधिक होगी। वहीं, डेटा सेंटर और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे कि हॉस्पिटल, मेट्रो और रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट में इसकी सबसे तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

आईटी सेक्टर-पहली तिमाही में बड़ी कंपनियों को झटका, मिडकैप रहेंगे मजबूत

नई दिल्ली।

भारतीय आईटी सेवा क्षेत्र के लिए मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही चुनौतियों भरी रह सकती है। वैश्विक सुस्ती और भू-राजनीतिक तनावों का असर बड़ी कंपनियों की आय और ग्रोथ पर साफ दिखेगा। हालांकि, ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट बताती है कि इस दौरान छोटी और मध्यम आकार की आईटी कंपनियां बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रमुख आईटी कंपनियों में इन्फोसिस सबसे मजबूत ग्रोथ दर्ज कर सकती है, जिसके बाद टेक महिंद्रा का स्थान रहेगा। टीसीएस लगभग पिछली तिमाही जैसा कारोबार दिखाएगी, जबकि एचसीएलटेक और विप्रो के राजस्व में हल्की गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं, मिड साइज सेगमेंट में कोफोज सबसे तेज ग्रोथ दिखा सकती है। हेक्सवेयर, परिसिस्टेंट सिस्टम्स और एफैसिस से भी अच्छे नतीजों की उम्मीद है। नुवामा का कहना है कि ग्राहक अभी भी खर्च को लेकर सतर्क हैं, जिससे नए प्रोजेक्ट तो मिलेंगे, लेकिन राजस्व में बड़ी उछाल की संभावना कम है। अच्छी खबर यह है कि अधिकांश कंपनियों के ऑपरेंटिंग मार्जिन स्थिर रहने की उम्मीद है, हालांकि वेतन वृद्धि वाली कंपनियों पर थोड़ा दबाव रहेगा। कंपनियां अपने वार्षिक अनुमानों को बरकरार रख सकती हैं।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में 2026 की पहली छमाही में संस्थागत निवेश 50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेश 2026 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कोलियर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया तनाव के बावजूद भी देश के रियल एस्टेट ने 2026 की जनवरी-जून अवधि में मजबूत निवेश हासिल किया है और यह सेक्टर का छह वर्षों में सबसे अच्छा पहली छमाही का प्रदर्शन है।

रिपोर्ट में बताया गया कि एस्टेट में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 70 प्रतिशत बढ़कर 2.9 अरब डॉलर हो गया है। घरेलू निवेशकों ने 2.6 अरब डॉलर के निवेश के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी, जो कुल निवेश का 57 प्रतिशत था, जबकि विदेशी निवेश सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर हो गया।

कॉलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल यागिनिक ने कहा, +पिछले कुछ दिनों में संस्थागत निवेश में घरेलू निवेशकों का योगदान लगातार 60 प्रतिशत तक रहा है,

जबकि विदेशी निवेशक अब अधिक सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं और पारंपरिक रियल एस्टेट एसेट्स से हटकर दूसरे क्षेत्रों पर भी ध्यान दे रहे हैं।+ 2026 की पहली छमाही के दौरान ऑफिस एसेट्स निवेश के लिए सबसे पसंदीदा जगह बने रहे, जिसमें घरेलू निवेशकों ने चालू ऑफिस प्रॉपर्टीज में अधिकतर निवेश किया।

साल की पहली छमाही में मिक्स्ट-यूज और वैकल्पिक एसेट्स से से हर एक में लगभग 0.8 अरब डॉलर का निवेश हुआ और कुल निवेश में इनका हिस्सा लगभग पांचवां हिस्सा रहा। इसके अलावा, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में 0.3 अरब डॉलर का निवेश दर्ज किया गया, जो एक साल पहले की तुलना में तीन गुना से भी अधिक है। इसके उलट, आवासीय क्षेत्र में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 4.3 प्रतिशत घटकर 0.5 अरब डॉलर रह गया, क्योंकि बढ़ती लागत और चर्चों की बिक्री में कमी के बीच निवेशक सतर्क रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक, इलाके के हिसाब से देखें तो चेन्नई और बेंगलूर में कुल मिलाकर लगभग 1.2 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो 2026 की पहली छमाही के दौरान संस्थागत निवेश का लगभग 27 प्रतिशत था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 262 अंक, निफ्टी 95 अंक बढ़ा



मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में उछाल दर्ज किया गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक बढ़कर 77,763.91 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.15 अंक उछलकर 24,270.85 पर पहुंच गया। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.19 फीसदी की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। आज कारोबार के दौरान सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 फीसदी की

तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी, निफ्टी फार्मा और निफ्टी मेटल ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरे। निफ्टी एनर्जी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी मीडिया, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी बैंक का स्थान रहा। निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, मैक्स हेल्थकेयर, सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज लैब्स, बजाज फिनसर्व, अपोलो हॉस्पिटल्स और भारतीय एयरटेल शामिल रहे। वहीं एक्सिस बैंक, एचबीआई, एलएंडटी, बजाज-ऑटो, एचडीएफसी लाइफ, कोटक बैंक और एनटीपीसी के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इस दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 479.75 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 480.24 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया।

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षों से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट। कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चंपा या माहू, आरामकखी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहू (चैपा / मोयला / एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहू दो अवस्थाओं में पाया जाता है—पहला पंखरहित और दूसरा पंखरहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते हैं। पंखरहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निकल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट प्रायः-दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनियों व फलियों से रस चूसकर नुकसान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहू पहले फसल की चानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुसाव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियां काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादलयुक्त व उष्ण मौसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहू के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहू के प्राथमिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहू ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहू की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहू से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहू हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।



ऑक्सि-डेमेटान मिथाइल (मेटासिस्टाकस) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें

अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें।

यह भी पढ़ें कृषि शक्ति योजना-मध्यप्रदेश

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की तैयारी की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडरोपक दांतेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टांग काली होती है। इसकी सुंड़ी गहरे हरे रंग की होती है, जिसकी पीठ पर पांच लंबवत धारियां होती हैं।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुकसान पहुंचाता है। सुंड़ी, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती है। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती है। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुकसान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।

गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए। फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सुंड़ी पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगोटस कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्डरोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरिकाइमा ऊतकों को खाकर टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियां पीली होकर गिर जाती हैं व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियां छिन्न जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुष्प एवं फलन गतिविधियां प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप प्रायः-पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे



समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए। खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए। बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए।

पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफॉस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से धुरकाव करें।

अत्यधिक प्रकोप में मैलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली. मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं।

ऑक्सि-डेमेटान मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

चितकबरा कीट

प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखांग चुभाने-चूसने वाले एवं पक्षीमुखी होते हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौधे अवस्था में अधिक नुकसान पहुंचाते हैं। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्ररोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुकसान होने पर ग्रसित उपरी भाग भुरझाकर सुख जाता है। चानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णतः सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोबारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियां व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि को देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।



कृषि क्षेत्र में किसान नई फसलों एवं नई किस्मों की वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में फसलों का चयन बाजार मांग के अनुसार करना चाहिए, जिससे किसानों को उचित भाव मिल सकें। आज के समय में लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ बेबीकॉर्न की खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस वजह से इस फसल का बाजार मूल्य भी अधिक है एवं इससे बहुत से उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेबीकॉर्न मक्का की ही एक प्रजाति है, लेकिन इसकी उपयोगिता के आधार पर बेबीकॉर्न नाम दिया गया है। बाजार में मांग के अनुसार किसानों के बीच खेती की प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। पौधे का अनिषेधित भुज्ज होता और रेशमी बाल (सिल्क) निकलने के 2-3 दिनों के अंदर तोड़कर उपयोग में लाया जाता है। यह काफी मुलायम होता है। समय बढने के साथ इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती जाती है।

बेबीकॉर्न से होने वाले लाभ

यह एक स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार है, पत्तियों में लिपटा होने के कारण यह कीटनाशक दवाइयों के प्रभाव से मुक्त होता है। इस कारण यह स्वास्थ्य की दृष्टि से एकदम सुरक्षित है। बेबीकॉर्न का उपयोग सलाद, सूप, सब्जी, अचार एवं कैन्डी, पकौड़ा, कोपता, टिकी, बर्फी, लड्डू, हलवा, खीर इत्यादि के रूप में होता है। बेबीकॉर्न में फास्फोरस भरपूर मात्रा उपलब्ध होता है। इसके लिए अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्सियम, लौह व विटामिन भी उपलब्ध हैं। कोलेस्ट्रॉल रहित होने एवं रेशों की अधिकता के कारण यह एक निम्न कैलोरीयुक्त आहार है। यह हृदय रोगियों के लिए काफी लाभदायक है।

अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटोवेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलेवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकॉर्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई मेड़ों के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दूरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टेयर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाइट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाइट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फॉस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाइट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाइट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाइट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुड़ाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी



30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती हैं। सीमाजीन 105 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिड़काव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढ़ती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकॉर्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुड़ाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली की तुड़ाई करनी चाहिए। एकल क्रॉस संकर मक्का में 3-4 तुड़ाई जरूरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हरा चारा भी मिल जाता है। बेबीकॉर्न का छिलका तुड़ाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कंटेनर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाए अंतःफसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंतःफसल के रूप में ली जाती है। अंतःफसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।



स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, तुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हैं।

साधारणतः हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : चान्दलर, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, स्वीटचाली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पजारो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना - स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कारिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7-10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े रनर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं।

सस्य क्रियाएं - भूमि को तैयार करना स्ट्राबेरी की खेती के लिए सुक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर-अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे - मैटिड से, स्पेस्ट से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म।

उर्वरक व खाद : भिन्न-भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग-अलग राज्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है - 50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण - खरपतवार नियंत्रण के लिए 3-4 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। इयूरान रसायन 5 कि.ग्रा./हे. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें। तुड़ाई एवं उपज - स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैं। फलों का पकना गर्म मौसम में शीघ्र होता है। फल की तुड़ाई डण्टल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/हे. आंकी गई है। अच्छे उद्वरण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175-

200 क्विंटल/हे. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करें। छंटाई करके फलों को प्लास्टिक की पत्रेट (200 ग्राम) में पैक करें।

पत्रेट को सिंगल लेयर सीएफबी बॉक्स में रखें। फलों को शीत गृह में 4-5 डिग्री से. तापमान व 85-90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20-25 दिन के लिए भण्डारित करें। फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें। कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रुक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थिप्स

थिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लितर या कार्बोरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लितर या डाइमिथोएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लितर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुकसान पहुंचाता है जिससे ये टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं तथा इन पर स्लैटी रंग के धब्बे बन जाते हैं। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से उपर काफी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिट्टी का निर्जमीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिन्ट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएं।



भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टी20 आज

—सैमसन पर प्रदर्शन का रहेगा दबाव, वैभव कर रहे डेब्यू की उम्मीद

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को यहां दूसरा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। बारिश के कारण पहला टी20 मैच रद्द होने के कारण इस मैच में दोनों ही टीमों का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। पहले टी20 में भी अभिषेक ने आक्रामक पारी खेली थी पर बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो पाया था।

वहीं पहले मैच में रन बनाने में विफल रहे बल्लेबाज संजू सैमसन पर मैच में अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव रहेगा क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ उनके असफल रहने के बाद से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उतारने की मांग तेज होती जा रही है। ऐसे में सैमसन को बेहतरीन पारी खेलकर अपनी जगह पक्की करनी होगी। अगर वह इस मैच में भी रन नहीं बना पाते तो

उनके लिए अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा। बारिश से धुले पहले मैच में भी वह केवल 7 रनों का सामना करते हुए केवल एक रन बना पाये थे। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामक रुख नहीं दिखा था। तेज पिच पर उनकी तकनीक की कमी नजर आयी। इससे वह आयरलैंड के खिलाफ भी दोनों मैच में रन नहीं बना पाये थे। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद से ही सैमसन पर लोगों का भरोसा बना था पर वह इस दौर में अब तक अपनी लय नहीं दिखा पाये हैं। वहीं इसी दौरान वैभव का तेजी से उदय हुआ और जिस प्रकार से उन्होंने आक्रामक पारियां खेली हैं उससे उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह देने का दबाव बढ़ गया है। अब देखा होगा कि उन्हें इस मैच में अवसर मिलता है या नहीं।

अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बनाकर अपने स्थान को और मजबूत किया है, जिससे सैमसन पर दबाव और बढ़ गया है। मध्यक्रम में तिलक वर्मा को भी तेज गति से रन बनाने होंगे, क्योंकि



स्पिनरों के आने के बाद उनकी रन गति धीमी पड़ जाती है। इस साल 12 टी20 मैचों में वह केवल 12 छक्के लगा पाये हैं जो एक फिनिशर के लिए अच्छा आंकड़ा नहीं माना जा सकता।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा पर आधारित रहेगी। भारतीय

टीम इस प्रकार है

भारत - श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्याश शेडो, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड - हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बेंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

टॉम बेंटन से सावधान रहते हुए इन्हें बड़ी पारी खेलने से रोकना होगा। हैरी आजकल काफी अच्छे फार्म में हैं और मैच का रुख पलटने में माहिर है। ऐसे में उन्हें जल्द आउट करना होगा।

क्रोशिया ग्रैंड चैस टूर रैपिड : गुकेश ने अनीश को दी मात, दूसरे स्थान पर पहुँचे



जाग्रब, क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश ने ग्रैंड चैस टूर के दूसरे रैपिड पड़ाव क्रोशिया में दूसरे दिन अच्छे खेल दिखाते हुए खुद को सयूक दूसरे स्थान पर पहुँचा दिया है, पहले दिन गुकेश को फ्रांस के मैक्सिम लॉप्रे से हार का सामना करना पड़ा था वहीं उन्होंने मेजबान देश के इवान साफिक को मात दी थी और दिन का अंत उन्होंने हमवतन प्रज्ञानन्दा से ड्रा खेलते हुए किया था वहीं दूसरे दिन के पहले राउंड में उन्हें रोमानिया के बोगदान डेनियल से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उसके बाद गुकेश ने लगातार दो बाजियों में क्रमशः नोदरलैंड के यान फारेस्ट जॉर्डन और

अनीश गिरी को पराजित करते हुए 4 अंक हासिल किए और 7 अंकों के साथ सयूक दूसरे स्थान पर पहुँच गए हैं अब अंतिम दिन उन्हें उज्बेकिस्तान के अब्दुसतोरोव, जर्मनी के विसेंट केम्पर और फ्रांस के अलॉरिजा फिरोजा का सामना करना है, वहीं प्रज्ञानन्दा के लिए पहले दिन की अच्छी शुरुआत को दूसरे दिन वह कायम नहीं रख पाये और उन्हें अब्दुसतोरोव और अलॉरिजा से हार का सामना करना पड़ा हालांकि उन्होंने जॉर्डन को मात देते हुए एकमात्र जीत दर्ज की, फिलहाल फ्रांस के अलॉरिजा 10 अंकों के साथ सबसे आगे चल रहे हैं गुकेश 7 और प्रज्ञानन्दा 6 अंकों पर है।

फीफा विश्वकप : स्विट्जरलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया

88 साल बाद नॉकआउट मुकाबला जीता

वैंक्वूर (एजेंसी)। ब्रिज एम्बोलो और डैन एनदोये के शानदार गोलों की सहायता से स्विट्जरलैंड ने नॉक आउट मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश किया है। अब स्विट्जरलैंड की टीम का मुकाबला मंगलवार को कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा।

इस मैच की शुरुआत में अल्जीरिया ने लगाकर हमले कर दबाव बनाने का प्रयास किस पर इसके बाद स्विट्जरलैंड ने वापसी करके हुए मैच में अपना नियंत्रण बना लिया। मैच में योहान मंजाम्बी के एक त्रास पर ब्रिज एम्बोलो ने गोल दागकर स्विस् टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसी के साथ ही एम्बोलो ने अपना 26वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इसके



बाद अल्जीरिया ने काफी प्रयास किस पर वह गोल करने में असफल रही। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही डैन एनदोये के गोल से स्विट्जरलैंड ने अपनी बढ़त 2-0 कर दी। अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान ने डैन शांट को रोकने का पूरा

प्रयास किया पर वह सफल नहीं रहे। स्विट्जरलैंड की ओर से फैबियन रीजर ने इसके बाद एक अच्छे मूल बनाया पर वह गेंद को गोल में नहीं दाग पाये। स्विट्जरलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक महत्व रखती है, क्योंकि उन्होंने 1938 में फ्रांस में खेले गए

विश्व कप के बाद से नॉकआउट राउंड का कोई मैच नहीं जीता था। हालांकि, 1954 में उसकी टीम ने प्लेऑफ मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले तीन विश्व कप में भी स्विट्जरलैंड अंतिम 16 में पहुँचा था, लेकिन वह जीत दर्ज करने में विफल रहा था।

दूसरी ओर अल्जीरिया 2014 के बाद पहली बार विश्वकप में भाग ले रहा था। 2014 में भी वह नॉकआउट राउंड तक पहुँचा था, लेकिन तब जर्मनी से हार गया था। अल्जीरिया ने कैनसस सिटी में शनिवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 3-3 से ड्रा खेलकर अपने शुभ में तीसरे स्थान पर रहते हुए अगले दौर में जगह बनाई थी। इस परिणाम से दोनों टीमों नॉकआउट राउंड में पहुँच गई थीं जबकि ईरान टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 कप्तानों में भारत के शुभमन और गावरकर भी शामिल

मुम्बई। क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में कप्तानी और बल्लेबाजी का संतुलन बना रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ ऐसे दिग्गज कप्तान हुए हैं, जिन्होंने अपनी टीम की अग्रगण्य करते हुए बल्ले से भी रनों का अंशार लगाया और एक ही सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है, इसमें दो भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और शुभमन गिल भी शामिल हैं। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सर डॉन ब्रेडमैन का नाम आता है, जिसके नाम एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। सर डॉन ब्रेडमैन ने साल 1936-37 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले 5 मैचों की परेल् सीरीज में यह महान रिकॉर्ड बनाया था। यह सीरीज उनके लिए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की अभिरक्षा थी। ब्रेडमैन ने विरोधी गेंदबाजों को धरस्त करते हुए 9 पारियों में अविश्वसनीय 90.00 की औसत से 810 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। भले ही वे दो बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन उनकी इस ऐतिहासिक कप्तानी पारी ने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। टेस्ट इतिहास में किसी कप्तान द्वारा एक सीरीज में बनाए गए यह सबसे अधिक रन हैं। आधुनिक क्रिकेट के उभरते खिस्तारों और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। साल 2025 में इंग्लैंड दौरे पर एंडरसन-नेदुलकर टॉफी के दौरान गिल ने कप्तानी के दबाव को बाहर करते हुए इंग्लैंड की तेज पिचों पर रनों की 75.40 की परिभाषा लिखी। 5 मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। इस सीरीज में शुभमन ने कमाल की निरंतरता दिखाते हुए 4 शानदार शतक लगाये, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। वे इस सीरीज में एक बार भी बिना खाता खोले आउट नहीं हुए, जो उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रमाण है।

फीफा विश्वकप में स्पेन के गोलकीपर साइमन ने 36 साल पुराना गोल न खाने का रिकॉर्ड तोड़ा

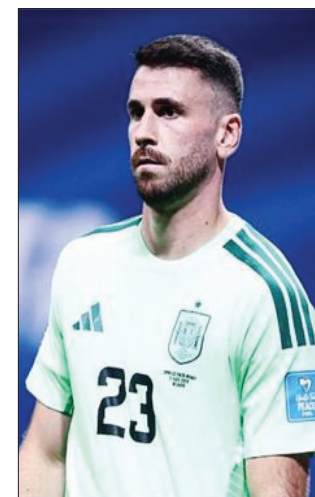
इंगलवुड (एजेंसी)। स्पेन के अनुभवी गोलकीपर उनाई साइमन ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में 3-0 की शानदार जीत के दौरान ही एक नया रिकॉर्ड बना दिया। साइमन ने इसी के साथ ही 36 साल पुराने सबसे अधिक तक तक गोल न खाने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। साइमन ने मौजूदा विश्व कप में अब तक एक भी मैच में गोल नहीं होने दिया है।

साइमन के इस रिकॉर्ड की शुरुआत पिछले विश्व कप से हुई थी अब तक उन्होंने कुल 519 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल दागने से रोके रखा है। इस प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने इटली के दिग्गज गोलकीपर वाल्टर जेगा के 1990 में

स्थापित किए गए 517 मिनट तक गोल न होने देने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जेगा ने उस समय लगातार पांच मैचों में क्लीन शीट रखकर यह कीर्तिमान बनाया था। साइमन ने भले ही जेगा की क्लीन शीट की संख्या को अभी नहीं छुआ हो, लेकिन गोल न खाने के समय के मामले में उन्होंने सभी को पछड़ा दिया है।

इस विश्व कप में साइमन को शायद सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों की सूची में शीर्ष पर नहीं रखा गया था पर इस खिलाड़ी ने अपने शानदार खेल से रिकॉर्ड बुक में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कर लिया है। स्पेन ने इस विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है, और इसका श्रेय काफी हद तक साइमन की गोलकीपिंग को जाता है।

उन्हें केवल चार बचाव करने पड़े हैं, जिसमें ऑस्ट्रिया के खिलाफ एक भी नहीं शामिल है, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी टीम के पांचों शॉट लक्ष्य से भटक गए थे। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएते ने अपने गोलकीपर की जमकर सराहना की। वह पिछले लगभग पांच वर्षों से, साइमन स्पेन के लिए गोलकीपर के तौर पर पहली पसंद बने हुए हैं। उन्होंने डेविड राया और जोन गार्सिया जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपनी जगह बनाए रखी है। साइमन का गोल न खाने का यह सिलसिला दरअसल 2022 में कतर में खेले गए विश्व कप से शुरू हुआ था।

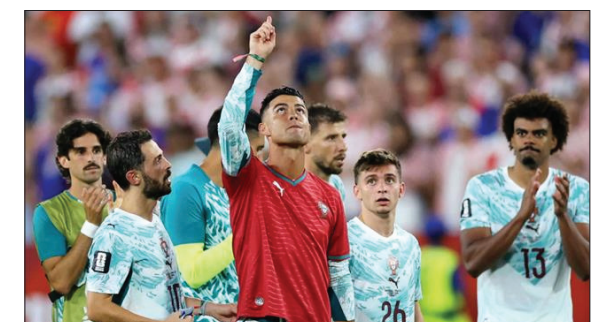


महिला विश्वकप फाइनल : पूरी तरह फिट नहीं होने के बाद भी पैरी को उतार सकती है ऑस्ट्रेलियाई टीम

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप फाइनल के लिए पूरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी अपनी स्टार खिलाड़ी एलिस पेरी को उतारने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो एलिस का करियर संकट में फंस सकता है क्योंकि इस दौरान उनकी चोट गंभीर हो सकती है। इसका अंदाजा टीम की मुख्य कोच शेली निटस्के के बयान से लगाया जा सकता है। जिसमें निटस्के ने कहा है कि अगर पेरी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं भी होती है, तो भी वह फाइनल में खेल सकती हैं। गौरतलब है कि पेरी वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में चोटिल हो गयी थीं। जिसके बाद उसे रिटायर कर दिया गया था। टीम ने हालांकि उनकी चोट को मामूली क्राइसोसपे खिंचाव बताया था। उनकी स्थिति पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं जब निटस्के से पूछा गया कि क्या पेरी पूरी तरह फिट न होने पर भी खेल सकती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, हाँ, संभव है। मुझे लगता है कि अभी भी कुछ चीजें हैं जो विश्वकप फाइनल को देखते हुए वह करना चाहती हैं, टीम में योगदान देने और अपनी जगह बनाए रखने के लिए। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन भी चाहता है कि फाइनल जैसे अहम मैच को देखते हुए पेरी खेलें। गौरतलब है कि पूरे टूर्नामेंट में पेरी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह इस ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सबसे अच्छी बल्लेबाज बनकर उभरी हैं। उन्होंने पांच पारियों में 46.25 की औसत और 135.03 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 185 रन बनाए हैं। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत में पेरी की पारी की अहम भूमिक रही थी।

उन्हें केवल चार बचाव करने पड़े हैं, जिसमें ऑस्ट्रिया के खिलाफ एक भी नहीं शामिल है, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी टीम के पांचों शॉट लक्ष्य से भटक गए थे। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएते ने अपने गोलकीपर की जमकर सराहना की। वह पिछले लगभग पांच वर्षों से, साइमन स्पेन के लिए गोलकीपर के तौर पर पहली पसंद बने हुए हैं। उन्होंने डेविड राया और जोन गार्सिया जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपनी जगह बनाए रखी है। साइमन का गोल न खाने का यह सिलसिला दरअसल 2022 में कतर में खेले गए विश्व कप से शुरू हुआ था।

रोनाल्डो और पुर्तगाल ने अपने पूर्व खिलाड़ी डियोगो जोटा को दी श्रद्धांजलि, कार दुर्घटना में हो गया था निधन



टोरंटो। दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल ने गुरुवार को टोरंटो में क्रोएशिया पर 2-1 से विश्व कप जीत के बाद अपने पूर्व साथी खिलाड़ी डियोगो जोटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। क्रोएशिया के खिलाफ पेनल्टी के जरिए राउंड-ऑफ-32 मुकाबले में पुर्तगाल के लिए अपना पहला गोल करने वाले रोनाल्डो ने अंतिम सीटी बजने के बाद जोटा की नंबर 21 पुर्तगाल जर्सी पहनी और श्रद्धांजलि दी। लेकिन इस समय बातचीत बहुत जरूरी है। आप जानते हैं कि जब आप कोचिंग स्टॉफ का हिस्सा होते हैं, तो आपको यह पक्का करना होता है कि आप बल्लेबाज को सही संकेत दे रहे हैं। भारत के पूर्व विकेटकीपर ने आगे कहा कि सूर्यवंशी को उनकी भूमिका के बारे में जानकारी देने से उन्हें डेब्यू का इंतजार करते समय सब्र बनाए रखने में मदद मिलेगी।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 महिला विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई

-रविवार को खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से होगी टक्कर

लंदन। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट के फाइनल में पहुँच गयी है। इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीकी टीम को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। अब यहां उसका मुकाबला रविवार को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से होगा। अगर इंग्लैंड की टीम ये मुकाबला जीतती है तो ये उसका दूसरा विश्वकप खिताब होगा। इससे पहले, इंग्लैंड ने साल 2009 में खेले गए अपने उद्घाटन टी20 विश्व कप सत्र में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। दक्षिण अफ्रीकी के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की जीत में नैट साइवर-ब्रंट और कप्तान हीथर नाइट की शानदार पारियों की अहम भूमिका रही है। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 90 रनों पर 133 रन बनाये। साइवर-ब्रंट ने 47 रनों पर 75 रन बनाए, जबकि नाइट ने 47 रनों में 58 रन बनाये। इस शानदार प्रदर्शन की सहायता से इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 169 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीकी की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज इस्मार्डल ने अपनी पहली ही गेंद पर इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स को आउट कर टी20 महिला विश्वकप में अपने 50 विकेट पूरे किए। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने इसके बाद जोरदार पलटवार किया। मन्साब ने लगातार तीन गेंदों के भीतर नाइट और साइवर-ब्रंट दोनों को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को विकेट दिलाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान लॉरा वोल्वाडर्ट ने शुरुआती तीन ओवरों में दो रन बनाए। वह 13 रनों पर ही आउट हो गयी जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 43 रनों पर ही पहला विकेट खो दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरे तो ये इंग्लैंड के गेंदबाजों ने इसके बाद अपनी सही हुई गेंदबाजी से अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया।

हरभजन सिंह 46 के हुए: भारतीय क्रिकेट के टर्ननेटर का शानदार सफर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह आज 46 साल के हो गए। इस खास मौके पर उन्हें देश-दुनिया के उनके साथी क्रिकेटर्स, पूर्व खिलाड़ियों और असंख्य प्रशंसकों की ओर से ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। टर्ननेटर और भज्जी के नाम से क्रिकेट जगत में लोकप्रिय हरभजन सिंह को उन चुनिंदा स्पिन गेंदबाजों में गिना जाता है, जिन्होंने अपनी करिश्माई धूमती गेंदों और अदम्य साहस से बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के पहले ऑफ स्पिनर बने, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी गेंदबाजी का दीवाना बनाया।

महानता तक पहुँचने की उनकी यह राह कभी भी आसान नहीं रही। मार्च 1998 में महज 17 साल की उम्र में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय करियर की दहलीज पर कदम रखा। अपने शुरुआती प्रदर्शन से उन्होंने सबको प्रभावित तो किया, लेकिन करियर की शुरुआत के करीब डेढ़ साल बाद ही खराब फॉर्म के चलते उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उस दौर में लेग स्पिनर अनिल कुंबले भारतीय स्पिन गेंदबाजी के मुख्य आधार थे, और जब कुंबले चोटिल हुए, तब भी चयनकर्ताओं ने हरभजन को अवसर देना उचित नहीं समझा। इसी बीच, साल 2000 में हरभजन के सिर से पिता का साया उठ गया, जिसके बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। आर्थिक संकट इतना गहरा था कि वह इस कदम मजबूर हो गए थे कि उन्होंने क्रिकेट छोड़ने और अपनी आजीविका चलाने के लिए अमेरिका जाकर ट्रक ड्राइवर बनने तक की योजना बना ली थी।

यह हरभजन के जीवन का सबसे कठिन दौर था, लेकिन उनकी बहनों ने इस समय उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें खेल पर ही ध्यान केंद्रित करने को कहा। इसके बाद, उन्होंने रणजी ट्रॉफी में लाजवाब प्रदर्शन करते हुए 28 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। फिर साल 2001 में एक बार फिर उन्हें टीम में अवसर मिला, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के दौरे पर थी और अनिल कुंबले चोट के कारण बाहर थे। तत्कालीन कप्तान सीरव गांगुली ने इस युवा ऑफ स्पिनर पर गहरा भरोसा जताया और उन्हें टीम में शामिल करने का साहसिक निर्णय लिया। गांगुली के इस फैसले ने न केवल हरभजन के करियर को अर्थपूर्ण ओवरों के भी बेंताना बसाहाह था। वह भारत की दो सबसे बड़ी ऐतिहासिक जीतों - 2007 टी20 विश्व कप और 2011 एकदिवसीय विश्व कप - विजेता टीम के प्रमुख और अभिन्न सदस्य रहे। इसके अलावा, निचले क्रम में आकर जहरूत पड़ने पर तेजी से रन बनाकर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से

पहली हैट्रिक थी। इस सीरीज ने न सिर्फ हरभजन का करियर पुनर्जीवित किया, बल्कि उन्हें टीम इंडिया का एक अविस्मरणीय और मुख्य गेंदबाज भी बना दिया।



निकालने में भी वह हमेशा आगे रहे। उनका करियर भारतीय क्रिकेट में संघर्ष, वापसी और शानदार सफलता की एक परेक गाथा है, जिसे आज भी याद किया जाता है।



काम के प्रति सलमान के समर्पण के फैन हुए पुलकित

2012 में 'बिटू बॉस' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले पुलकित सम्राट ने 'फुकरे' से इंडस्ट्री में लोकप्रियता हासिल की। इसके बाद पुलकित कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में पुलकित ने सलमान खान की एक खास सलाह के बारे में बात की, जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। साथ ही पुलकित ने यह भी बताया कि बिना किसी मेंटर के इंडस्ट्री में आगे बढ़ना उनके लिए कितना मुश्किल रहा।

पुलकित ने बताया कि अपनी पहली फिल्म के समय हर नए कलाकार की तरह फिल्म के रिलीज होने से पहले वह भी घबराए हुए थे, लेकिन सलमान की बातों ने स्टारडम के बारे में उनका नजरिया बदल दिया। उन्होंने कहा कि मैं बहुत घबराया हुआ था और सोच रहा था कि दर्शक फिल्म और मेरी परफॉर्मेंस को कैसा रिवॉयन्स देंगे। सलमान भाई ने बस मेरी तरफ देखा और कहा, 'पुलकित, मैं सलमान खान हूँ। यहां तक कि मुझे भी अपने अगले शुक्रवार की कोई गारंटी नहीं है। तो तुम खुद को क्या समझते हो? इसके बारे में टेंशन लेकर तुम क्या हासिल कर लोगे?' सलमान की इस सलाह से मुझे यह एहसास हुआ कि अगर उनके कद का कोई व्यक्ति बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी नहीं दे सकता, तो मेरे लिए इस बात की चिंता या तनाव करने का कोई कारण नहीं है। पुलकित ने आगे सलमान के काम के प्रति समर्पण की तारीफ करते हुए कहा कि वो 24 घंटे फिल्मों के बारे में ही सोचते रहते हैं। कभी-कभी जब उन्हें सिर्फ तीन घंटे की नींद मिल पाती है, तब भी वे अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में ही सोचते रहते हैं। चाहे वह किसी किरदार के लिए सही व्यक्ति को चुनना हो या फिर किसी बड़े एक्शन सीन पर विचार करना हो जिस दर्शक थिएटर में पसंद करें। उनके इस समर्पण को देखकर मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं उनकी कामयाबी का 50% भी हासिल करना चाहता हूँ, तो मुझे 500% ज्यादा मेहनत करनी होगी।



रश्मिका मंदाना फिर करेंगी अल्लू अर्जुन के साथ काम शाहरुख कर सकते हैं कैमियो

'पुष्पा' में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जबरदस्त केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और अब खबर है कि ये जोड़ी फिल्म 'राका' में फिर साथ नजर आएगी।

अहम भूमिका निभाएंगी रश्मिका!

वैरायटी की रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शूटिंग जल्द ही मुंबई में शुरू होने वाला है और रश्मिका भी जल्द इस शूटिंग को जॉइन करेंगी। डायरेक्टर एटली की इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, और रश्मिका की एंट्री से फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है। दर्शक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हर नई अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या शाहरुख खान का होगा कैमियो?

खबरों की माने तो इस फिल्म में रश्मिका के अलावा मुगाल दाकुर और जाह्नवी



कपूर भी अहम किरदारों में नजर आ सकती हैं। वहीं, यह भी चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में ऐसी भी खबर आई थी कि फिल्म का टीजर एक वर्चुअल इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें एटली, अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण शामिल हो सकते हैं। अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'राका' का पहला पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन का चेहरा फर के पीछे आंशिक रूप से छिपा हुआ नजर आता है, जिसमें उनके लुक को काफी वाइल्ड और दमदार दिखाया गया है। उनकी आंखें काफी पावरफुल और रहस्यमयी लग रही हैं।

फिल्म से जुड़ी और जानकारी

बताया जा रहा है कि 'राका' को 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है। मुंबई में जल्द ही इसका अगला शूटिंग शूटिंग शुरू होगा और पूरे साल इसकी शूटिंग जारी रह सकती है।



फिल्मों में स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म 'हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ द पास्ट' से दर्शकों से अच्छा रिवॉयन्स मिल रहा है। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर बातचीत की।

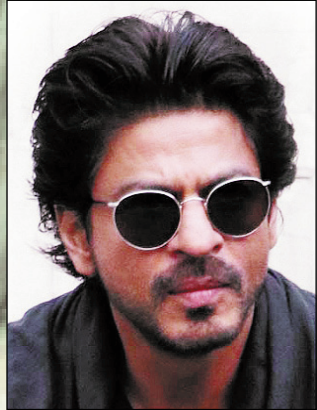
उन्होंने कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाए और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़े। चेतना पांडे ने कहा, 'करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौकाना है।' अभिनेत्री ने कहा, 'मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूँ, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कर्माश्चल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।' चेतना ने कहा, 'मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूँ, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूँ, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।' चेतना ने कहा, 'मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूँ। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता।' 'हॉन्टेड 3डी' फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, 'पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

हॉलीवुड में मेरा अभी बेस्ट काम आना बाकी है

एक्टर प्रियंका चोपड़ा उन चुनिंदा भारतीय एक्टरों में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों जगह कामयाबी हासिल की है। अपने हिंदी फिल्मी करियर के पीक पर वह इंटरनेशनल मौकों की तलाश में अमेरिका चली गईं। हालांकि, कई ग्लोबल प्रोजेक्ट्स में काम करने के बावजूद प्रियंका को लगता है कि हॉलीवुड में उनका काम भारतीय सिनेमा में किए गए उनके काम के मुकाबले कम ही है।

प्रियंका ने हॉलीवुड में अपने करियर पर नजर डाली और अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के साथ इसे और आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रीजेनरेशंस' और हाल ही में रिलीज हुई 'द ब्लफ' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में शानदार अभिनय के बावजूद प्रियंका ने कहा कि उन्हें लगता है कि हॉलीवुड में उनका बेस्ट काम अभी आना बाकी है। एक्टर ने कहा कि अपने हिंदी भाषा के करियर में मैंने सभी बेहतरीन फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं के साथ काम किया है, मैंने अद्भुत कहानियां सुनाई हैं और अलग-अलग जॉनर में काम किया है। जबकि अमेरिका में हॉलीवुड में अपने अंग्रेजी भाषा के काम में मैंने ऐसा उतना नहीं किया है। प्रियंका ने कहा कि अब उनका अगला चरण इस बात पर केंद्रित होगा कि वो हॉलीवुड में भी बॉलीवुड की तरह अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाए। अगला

बदलाव यह पता लगाने के बारे में है कि मैं अपने हॉलीवुड के काम में अपने किरदारों में वैसी ही विविधता कैसे ला सकती हूँ जैसी भारत में ला पाई हूँ। इस दौरान प्रियंका ने शादी और मां बनने के बाद अपनी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की और माना कि उनकी जिंदगी बहुत ज्यादा बदल गई है। उन्होंने कहा कि आपकी प्रार्थनाएं सच में बदल जाती हैं। अब मैं बस अपना सामान पैक करके किसी फिल्म के लिए नहीं निकल जाती। मैं साल में पांच फिल्में नहीं करती। मैं पहले की तरह यात्रा नहीं करती। मैं इस बात को लेकर बहुत ज्यादा सोच-समझकर फैसला करती हूँ कि मैं अपना समय कैसे और किसके साथ बिताती हूँ। मैं एक कामकाजी मां के तौर पर जिंदगी को संभाल रही हूँ। अब मुझे अपनी मां के लिए और भी ज्यादा सम्मान महसूस होता है।



कॉमेडी के नाम पर दायरा क्रॉस नहीं कर सकते

एक्टर अरशद वारसी इस वक्त धमाल मचाने की तैयारी में हैं। उनकी तीन-चार फिल्मों और एक सीरीज आ रही हैं। उन्होंने इंटरव्यू में कॉमेडी से लेकर राजकुमार हिरानी संग काम, स्टारकिड्स और आज के स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की।

अपने तीस साल लंबे करियर में एक्टर अरशद वारसी ने हर तरह के किरदार निभाए हैं, मगर कॉमेडी के मामले में उनका कोई सानो नहीं है। निजी जिंदगी में भी कमाल का सेंस ऑफ ह्यूमर रखने वाले अरशद वारसी 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'गोलमाल' और 'जॉली एलएलबी' जैसी यादगार कॉमेडी फिल्म प्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। आने वाली दिनों में बड़े पर्दे पर वह 'गोलमाल 5', 'धमाल 4' और

'वेलकम टू द जंगल' जैसी फिल्मों में भी लोगों को हंसाने को तैयार हैं। वहीं, ओटीटी पर डार्क कॉमेडी सीरीज 'प्रीतम और पेड़ों' में इन्स्पेक्टर पेड़ों की भूमिका में नजर आएंगे। क्या इतनी सारी कॉमेडी फिल्मों के खुशनुमा माहौल ने अरशद को किसी तरह से बेहतर इंसान बनाया? इस पर वह कहते हैं, 'नहीं, नहीं, मैं हमेशा से ही खुशदिल इंसान हूँ। मुझमें एक सेंस ऑफ ह्यूमर है और मेरे हिस्सा से हर इंसान के लिए थोड़ा सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत जरूरी है। आपको खुद पर हंसना आना चाहिए।

आज लोग छोटी-छोटी बातों पर सीरियस हो जाते हैं, मैं वाकई चाहूंगा कि वो ऐसा ना करें। जिंदगी को ज्यादा सीरियसली न लें। वैसे ही, हम सबकी जिंदगी में बहुत सारी तकलीफें हैं। हालात अजीब से होते जा रहे हैं, इसलिए आप छोटी-मोटी चीजों को छोड़ना सीखें। हमारी कॉमेडी फिल्में देखें, खुश रहें। इन दिनों एक ओर कॉमेडियन हास्य पर तरह-तरह के पाबंदियों का रोना रोते हैं, तो कॉमेडी के आपत्तिजनक और अश्लील होने को लेकर विवाद भी सामने आते रहते हैं। इस पर अरशद वारसी का मत एकदम

साफ है कि आप दायरा नहीं क्रॉस कर सकते। बकौल अरशद, 'आप साफ कॉमेडी लिख सकते हैं। थोड़ा सा मुश्किल होता है लेकिन यह संभव है। यह भी संभव है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए कॉमेडी करें। मैं अक्सर जोक मारता रहता हूँ, बहुत कुछ कहता रहता हूँ, पर मुझे पता है कि मैं वो लाइन कभी नहीं क्रॉस करूंगा जिससे किसी को तकलीफ हो। मुझे पता होता है कि मैं किससे कह रहा हूँ और क्या कह रहा हूँ, वह जानना जरूरी है। आप वो दायरा क्रॉस नहीं कर सकते।

राजकुमार हिरानी और उनके बेटे संग काम का एक्सपीरियंस

सीरीज 'प्रीतम और पेड़ों' की एक खास बात यह है कि फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी की इस डेब्यू सीरीज से उनके बेटे वीर हिरानी भी एक्टिंग में कदम रख रहे हैं। ऐसे में, पिता और बेटे दोनों की पहली फिल्म में काम करने के अनुभव पर पर अरशद ने अपने चुटीले अंदाज में कहा, 'मैं सोच रहा हूँ कि उनके घर में जाकर रहने लूँ। कभी पिता से साथ

काम पर चला जाऊँ, कभी बेटे के साथ काम पर चला जाऊँ (हंसते हैं)। असल में, मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव था। मुझे कभी नहीं लगा था कि वीर और मैं कभी साथ में काम करेंगे। 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' की शूटिंग के दौरान वह 4 साल का बच्चा था लेकिन बहुत अच्छा लगता है कि वीर की पहली फिल्म में मैं हूँ। मैं चाहूंगा कि वो

जिंदगी में बहुत अच्छा करे और मुझे यकीन है कि वो करेगा।' वहीं, फिल्मी बच्चों के फिल्म का ही रास्ता अख्तियार करने की बहस पर वह पलटकर सवाल करते हैं, 'वह राजू हिरानी का बेटा है तो उसमें उसकी क्या गलती है? ये हमारे बच्चे हैं उसमें उनकी क्या गलती है? मैं ऐसे सोचता हूँ। बाकी, सबका अपना नजरिया है।'

